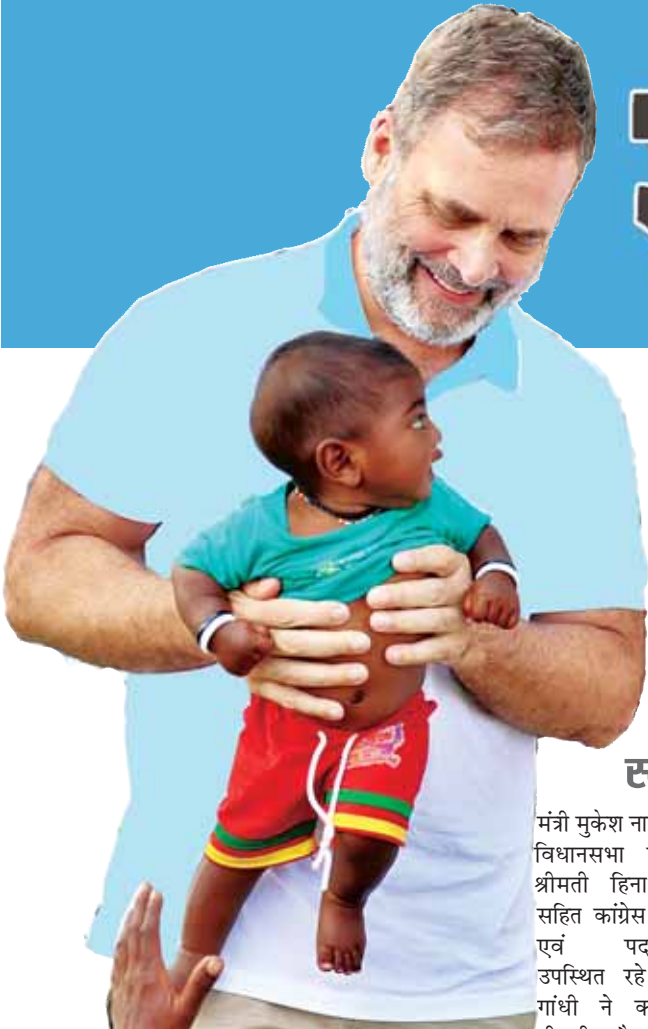




बालाघाट (स्वतंत्र मत)

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी गुरुवार को बालाघाट जिले के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र बैहर के ग्राम जगला पहुंचे। राहुल गांधी ने जमीन में बैठकर शोकाकुल परिवारों से संवाद कर उनकी पीड़ा सुनी और बच्चों की मृत्यु से जुड़ी परिस्थितियों की जानकारी ली। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनके दुःख में सहभागी बनने का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष जितू पटवारी, सीडब्ल्यूसी सदस्य कमलेश्वर पटेल, सीईसी सदस्य ओमकार मरकाम, आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रान्त भूरिया, प्रदेश सह-प्रभारी श्रीमती उषा नायडू, विधायक संजय उडके, विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, विकी पटेल, पूर्व

के कारण कई बच्चों की मृत्यु हुई है, लेकिन प्रभावित परिवारों को अब तक मुआवजा तक नहीं मिला है। आधे परिवार अभी भी मुआवजे की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार से जुड़ी सरकारी सहायता एवं योजनाओं की स्थिति बेहद चिंताजनक है। जिन परिवारों को सरकारी सहायता की आवश्यकता है, उन्हें समय पर आवश्यक सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। राहुल गांधी ने आदिवासियों की जमीन, जमीन के पट्टे और वनाधिकार कानून का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि आदिवासी परिवारों के अधिकार और पट्टे के मामले लंबे समय से अटक हुए हैं और उन्हें उनका हक मिलना चाहिए। उन्होंने मनरेगा को लेकर कहा कि योजना का नाम बदल दिया गया है, लेकिन काम बंद पड़ा है। जरूरत है कि मनरेगा के



तहत रोजगार और काम की व्यवस्था फिर से प्रभावी रूप से शुरू की जाए, ताकि ग्रामीण और आदिवासी परिवारों को रोजगार मिल सके। राहुल गांधी ने सरकारी

व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार 24 घंटे विकास की बात करती है, जबकि जमीन पर 24 घंटे भ्रष्टाचार दिखाई देता है। आदिवासियों को जब सरकार की

सबसे अधिक आवश्यकता होती है, तब सरकार वहां दिखाई नहीं देती। ऐसा लगता है कि मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार की वहां कोई प्रभावी उपस्थिति नहीं है।

आदिवासियों को मिले उनका अधिकार

कांग्रेस पार्टी की ओर से सरकार से मांग की गई कि वह अपनी जिम्मेदारी पूरी करे। आदिवासी क्षेत्रों में अस्पतालों और स्कूलों की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, मनरेगा के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराया जाए तथा पात्र आदिवासी परिवारों को उनकी जमीन के पट्टे और वनाधिकार कानून के तहत उनके अधिकार दिए जाएं। राहुल गांधी ने कहा कि बालाघाट में जिस तरह आदिवासी बच्चों की जान गई, वह मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार की नाकामी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वे इस घटना के साथ-साथ देशभर में आदिवासियों के साथ हो रहे अन्याय का मुद्दा लोकसभा के अंदर उठाएंगे।

भोपाल में 23 घंटे रहेंगे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करीब 23 घंटे भोपाल में रहेंगे। वे 2 अक्टूबर की रात करीब 9 बजे भोपाल पहुंचेंगे और होटल ताज में रात्रि विश्राम करेंगे। 3 अक्टूबर की वह दिनभर विभिन्न सरकारी और सार्वजनिक कार्यक्रमों में व्यस्त रहेंगे। रात करीब 8 बजे वे भोपाल से रवाना होंगे। शाह भेल दशहरा मैदान में होने वाले राज्य स्तरीय गोपालक सम्मेलन में शामिल होंगे। इसमें प्रदेशभर से 35 हजार से अधिक गोपालक और दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्य शामिल होंगे। सम्मेलन में पशुपालकों को बोनस राशि, गोशालाओं के लिए सहायता और गोपालक दीर्घिकों का सम्मान किया जाएगा। डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना के स्वीकृति पत्र भी बांटे जाएंगे।

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष राजा वडिंга का इस्तीफा

लुधियाना। पंजाब में चुनाव से पहले कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वडिंга ने इस्तीफा दे दिया है। पार्टी के पंजाब प्रभारी सचिन पायलट की रिपोर्ट के बाद राहुल गांधी ने वडिंга को कॉल कर कहा कि वह नया प्रधान लगा रहे हैं। वडिंга ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर खुद को पूर्व प्रधान लिखकर इसकी पुष्टि कर दी है। वडिंга गुरुवार दोपहर बाद दिल्ली रवाना हुए, कल उनकी राहुल गांधी से मुलाकात होगी।

मग्न में 65 रुपए महंगा हुआ कमर्शियल गैस सिलेंडर

भोपाल। तेल कंपनियों ने एक अक्टूबर से कमर्शियल गैस सिलेंडर 70 रुपए तक महंगा कर दिया है। मध्य प्रदेश में यह 62.50 से 65 रुपए तक महंगा हुआ है। नए रेट के मुताबिक, भोपाल में 2815 रुपए, इंदौर में 2919 रुपए, जबलपुर में 3030 रुपए, ग्वालियर में 3037 रुपए और उज्जैन में 2980 रुपए में मिलेगा। रीवा में सबसे ज्यादा रेट हो गए हैं। यहां सिलेंडर अब 3066 रुपए हो गए हैं। 14 किलो वाले घरेलू सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है, यानी घर में उपयोगी सिलेंडर के दाम नहीं बढ़े हैं।

टीएमसी के बैंक अकाउंट्स फ्रीज रहेंगे: सुको

कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस को उन चार बैंक अकाउंट्स को ऑफरेंट करने की इजाजत देने से इनकार कर दिया, जिन्हें पश्चिम बंगाल पुलिस ने साइबर क्राइम की शिकायत के सिलसिले में फ्रीज कर दिया था। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने कहा- चुनाव आयोग ने टीएमसी का चुनाव चिह्न फ्रीज कर दिया है। खातों में मौजूद फंड का असली हकदार कौन है, इस मामले पर कलकत्ता हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। इसलिए हम इस मामले की सुनवाई नहीं करेंगे। 4 मई को पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजे आए थे। टीएमसी 15 साल बाद राज्य की सत्ता से बाहर हो गई थी। पार्टी को 294 में से सिर्फ 77 सीटों पर जीत मिली थी।

‘कानून से ऊपर कोई नहीं’

डॉक्टरों पर हमलों से सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों और सरकारी कर्मचारियों पर बढ़ते हमलों को लेकर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि कानून का सम्मान करने की जिम्मेदारी सबसे ज्यादा जनता के चुने हुए नेता की होती है। उनके पद की ताकत कभी भी कानून से ऊपर नहीं हो सकती। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने यह टिप्पणी शिवसेना पार्षद रमेश म्हाटे और तीन अन्य की जमानत रद्द करते हुए की। इन तीनों पर ठाणे के एक म्युनिसिपल हॉस्पिटल के डॉक्टरों से मारपीट और गाली-गलौज का आरोप है। 28 सितंबर के आदेश में कोर्ट ने सभी आरोपियों को 5 अक्टूबर तक सॉरेंडर करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधि पर कानून का सम्मान करने और संस्थाओं में लोगों का भरोसा मजबूत करने की ज्यादा जिम्मेदारी होती है। निर्वाचित पदों पर बैठे लोगों में आम जनता और सरकारी कर्मचारियों से निपटने में बल, धमकी या गैरकानूनी तरीकों का इस्तेमाल बंद रहा है। देश के कई हिस्सों से ऐसे मामले सामने आए हैं। बेंच ने कहा कि मौजूदा घटना को अकेली घटना मानकर नहीं देखा जा सकता। ऐसे मामलों से समाज की शांति और स्थिरता पर बुरा असर पड़ता है। कोर्ट ने बताया कि म्हात्रे के केस के बाद महाराष्ट्र के पालघर में भी शिवसेना नेताओं से जुड़ी ऐसी ही घटना सामने आई थी।



सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा

► इट्यूटी कर रहे डॉक्टरों को डराने या उन पर हमला करने की कोई कोशिश बर्दाश्त नहीं की जा सकती। खासकर तब, जब आरोपी, जनता का चुना हुआ कोई नेता हो।
► सार्वजनिक पद की वैधता आदेश देने की ताकत से नहीं, बल्कि कानून की सीमा में रहने और देश की सेवा करने की जिम्मेदारी से तय होती है।
► संवैधानिक लोकतंत्र में यह अंतर हमेशा कायम रहना चाहिए। लोकतंत्र चुनाव के जरिए ताकत देता है, लेकिन उसका इस्तेमाल कानून के अनुशासन के तहत ही होना चाहिए।

ओरल कैंसर के इलाज में मिली बड़ी कामयाबी

एनआईटी राउरकेला और आइजर बरहमपुर ने खोजी नई दवा, पेटेंट मिला

राउरकेला

भारत में मुंह के कैंसर (ओरल कैंसर) के लगातार बढ़ते मामलों और इसके इलाज में आने वाली चुनौतियों के बीच देश के वैज्ञानिकों ने एक बड़ी उम्मीद जगाई है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) राउरकेला और भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आइजर) बरहमपुर के शोधकर्ताओं ने संयुक्त रूप से मुंह के कैंसर के इलाज के लिए एक नई दवा (फॉर्मूलेशन) विकसित की है। चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में इसे एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है, क्योंकि भारत सरकार ने इस जीवनरक्षक खोज को डिजाइन, सिंथेसिस, एंड फॉर्मूलेशन ऑफ ए कोटारनिन डेरिवेटिव फॉर ओरल कैंसर थेरेपी शीर्षक के तहत पेटेंट (पेटेंट संख्या 604125) भी प्रदान कर दिया है। वैज्ञानिकों ने कोटारनिन नामक एक रासायनिक तत्व के आधार पर एक नया मौलिक्यूलर डेरिवेटिव (अणु) और उसका विशेष फॉर्मूलेशन तैयार किया है। आसान शब्दों में कहें तो यह मुंह के कैंसर के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार किया गया एक नया रासायनिक हथियार है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि यह नई दवा मुंह के कैंसर, विशेषकर जीभ के कैंसर की



कोशिकाओं को नष्ट करने में बेहद कारगर है। सबसे बड़ी बात यह है कि दवा की बहुत ही कम मात्रा भी कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने में सक्षम है, जिससे भविष्य में मरीजों को भारी-भरकम डोज से बचाया जा सकेगा। भारत में कैंसर से होने वाली मौतों में मुंह के कैंसर का एक बहुत बड़ा हिस्सा है। अक्सर लोग शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं और जब तक बीमारी पकड़ में आती है, तब तक काफी देर हो चुकी होती है। इसके अलावा, वर्तमान में मौजूद कैंसर के पारंपरिक इलाजों (जैसे

कर्नाटक में 1 करोड़ से ज्यादा वोट कटे

एसआईआर में गड़बड़ी पर धरने में बैठे मुख्यमंत्री

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

गुरुवार को राज्य चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने एसआईआर में गड़बड़ियों का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि फॉर्म 7 के दुरुपयोग में शामिल लोगों के खिलाफ जब तक रिपोर्ट दर्ज नहीं होगी, तब तक वे वहां से नहीं हटेंगे। उनका कहना है कि एसआईआर में गड़बड़ियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। इससे पहले उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि 45 लाख से ज्यादा वोटों के नामों में गड़बड़ियां सामने आई हैं। इसमें भाजपा के लोग शामिल हैं। राज्य सरकारों या उनकी पुलिस चुनाव आयुक्तों पर उनके सरकारी काम को लेकर सीधे केस दर्ज नहीं कर सकती हैं। कर्नाटक में एसआईआर जून से 8 अगस्त 2026 तक हुआ। इससे पहले राज्य में 5.54 करोड़ मतदाता थे। एसआईआर के दौरान 1.08 करोड़ नाम हटाए गए, जिससे कुल मतदाताओं की संख्या घटकर 4.46 करोड़ रह गई। शिवकुमार ने बताया कि विजयपुरा, भालकी, बेलगावी, मैसूर, मुदिगेरे और बेंगलुरु समेत कई विधानसभा क्षेत्रों में लोगों को पहले

से भरे हुए फॉर्म-7 दिए गए। इन फॉर्म में वोटों के नाम, पते और इपिक नंबर पहले से दर्ज थे। उन्होंने आरोप लगाया कि 70 प्रतिशत से ज्यादा बूथों में

बीजेपी और पार्टी से जुड़े नेताओं ने फॉर्म-7 लिए हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि कुछ लोगों ने दर्जनों और कुछ ने सैकड़ों आवेदन जमा किए। उन्होंने 84, 92, 241 और 423 फॉर्म जमा करने वाले लोगों के उदाहरण दिए। उन्होंने कहा कि इन आवेदनों का इस्तेमाल अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों, दलितों, अनुसूचित जातियों और आदिवासी वोटों को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। कर्नाटक सरकार में मंत्री ईश्वर खंडे के मुताबिक, भालकी में 36 लोगों ने एक ही दिन में फॉर्म-7 के 3,244 आवेदन जमा किए। उन्होंने इन लोगों को बीजेपी कार्यकर्ता बताया। खंडे ने ऐसे व्यक्ति का उदाहरण दिया, जिसने 241 आवेदन जमा किए थे। उन्होंने कहा कि जिन वोटों के नाम इन आवेदनों में शामिल थे, वे बाद में पुलिस के पास पहुंचे। इन वोटों ने आरोप लगाया कि उनके नाम हटाने की कोशिश में गलत जानकारी और जालसाजी का इस्तेमाल किया गया।

इजरायल में छाप कैप्टन रिम्ट

180 जानें बचाने वाले इंडियन पायलट को अब इजरायल करेगा सम्मानित

नई दिल्ली। इजरायल फ्लाईटबुई की एफजेड1073 फ्लाइट को क्रैश होने से बचाने वाले भारतीय कैप्टन रिम्ट मछर को बहादुरी की सम्मानित करेगा। इजरायल के भारत में राजदूत रुवेन अजार ने कहा कि राष्ट्रपति से लेकर प्रधानमंत्री और आम इजरायलियों तक, हर कोई कैप्टन रिम्ट की बहादुरी की बात कर रहा है। उन्होंने कहा कि इजरायल अपने दोस्तों को नहीं भूलता और संकट के समय उसके साथ खड़े रहने वालों को सम्मान देता है। रुवेन अजार ने कहा कि कैप्टन रिम्ट ने विमान और उसमें सवार करीब 180 लोगों की जान बचाई। उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर के आतंकी हमले की तीसरी बरसी के करीब एक और बड़ा आतंकी हमला टल गया। इजरायल ने संभावित खतरे को देखते हुए फाइटर जेट्स भी हवा में भेजे थे। राजदूत के मुताबिक, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी विमान से पैदा हुए खतरे को लेकर सुरक्षा बैठक में थे। उन्होंने कहा कि कैप्टन रिम्ट की बहादुरी ने बड़ा हादसा होने से रोक दिया और इजरायल उनकी वीरता को जरूर सम्मानित करेगा। फ्लाईटबुई विमान में पायलट पर हमले के बाद हालात संभालने और विमान को बचाने में मदद करने वाले चार इजरायली नागरिकों को भी सम्मानित किया जाएगा। इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोंग ने कहा है कि वह चारों को प्रेसिडेंट मेडल फॉर सिविलियन हीरोइज्म देने की सिफारिश करेंगे।



पिकनिक मनाने गए 8 छात्रों की समुद्र में डूबने से मौत

महाराष्ट्र के रायगढ़ के दिवेआगर बीच पर बड़ा हादसा

मुंबई महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में दर्दनाक हादसा हो गया। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल दिवेआगर बीच में पिकनिक मनाने आए पुणे के 8 छात्रों की समुद्र में डूबने से मौत हो गई। हादसे की वजह समुद्र में अचानक आई तेज लहरों और पानी की गहराई का सही अंदाजा न होना बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, पुणे जिले के आलंदी स्थित विनर्स एकेडमी नाम की एक प्राइवेट कोचिंग क्लास के 42 छात्र दिवेआगर में पिकनिक मनाने आए थे। इनमें 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्र शामिल थे। दोपहर के समय ग्रुप के आठ छात्र समुद्र में तैरने के लिए पानी में उतरे थे। इसी दौरान पानी का स्तर अचानक बदल गया और तेज बहाव तथा उठती ऊंची लहरों की चपेट में आने से सभी आठों छात्र गहरे पानी में बह गए और देखते ही देखते डूब गए। घटना की जानकारी मिलते ही बीच पर अफरा-तफरी मच गई और तुरंत स्थानीय बचाव दल मौके पर पहुंचा। महाकाली वॉटर स्पोर्ट्स के कर्मचारियों, स्थानीय लोगों और मौके पर मौजूद पर्यटकों ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद सभी 8 छात्रों के शवों को समुद्र से बाहर निकाल लिया गया। सभी शवों को बोलीं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। हादसे की खबर फैलते ही घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय प्रशासन और बचाव दलों का कहना है कि बाहर से आने वाले पर्यटकों को अक्सर समुद्र के ज्वार-भाटे और गहराई का सही अंदाजा नहीं होता। पुलिस फिलहाल घटना के संबंध में ग्रुप के साथ आए शिक्षकों और अन्य छात्रों से पूछताछ कर रही है।

प्राइवेट कोचिंग क्लास के 42 छात्र दिवेआगर में आए थे पिकनिक मनाने

अनुभवों की पाठशाला बने वरिष्ठजन विद्यार्थियों ने जाना जीवन का सार

शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में अंतराष्ट्रीय वृद्ध दिवस पर हुआ आत्मीय संवाद एवं सम्मान समारोह

शहडोल (स्वतंत्रमत) ।

अंतराष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अवसर पर पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में समाज कार्य विभाग द्वारा वरिष्ठजनों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। संकायाध्यक्ष प्रोफेसर नीलिमा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य वृद्धजनों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों ने वरिष्ठ नागरिकों से आत्मीय संवाद स्थापित करते हुए उनके जीवन के अनुभवों, संघर्षों, पारिवारिक संबंधों, सामाजिक जीवन और दैनिक आवश्यकताओं को समझने का प्रयास किया। विद्यार्थियों ने वरिष्ठजनों का माल्यार्पण कर सम्मान किया तथा उनके साथ परिचय एवं संवाद के माध्यम से जीवन के विभिन्न पहलुओं को करीब से जाना। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक एवं प्रतिष्ठित व्यवसायी बृजेंद्र गुप्ता ने विद्यार्थियों के साथ अपने जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने विभिन्न प्रेरक एवं शिक्षाप्रद प्रसंग और कहानियां सुनाकर विद्यार्थियों को



जीवन की वास्तविक परिस्थितियों से सीख लेने का संदेश दिया। उनके अनुभव विद्यार्थियों के लिए ज्ञान और प्रेरणा का महत्वपूर्ण स्रोत बने। पेंशनर एसोसिएशन के महामंत्री जे.एल. सोनी ने विद्यार्थियों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने की बात कही। उन्होंने सामाजिक जीवन में अपने दायित्वों को समझने और जिम्मेदारीपूर्वक

उनका निर्वहन करने पर जोर दिया। वहीं पंडित शंभूनाथ शुक्ल महाविद्यालय के सेवानिवृत्त लाइब्रेरियन एवं विजिटिंग फैकल्टी वाई.एस. परिहार ने विद्यार्थियों को जीवन में निर्धारित लक्ष्य के प्रति सजग रहते हुए निरंतर प्रयास करने तथा अनुशासन को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अनुशासन व्यक्तिके जीवन को व्यवस्थित करता है और उसे

सफलता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

पीढ़ियों के बीच बना भावनाओं का सेतु

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और वरिष्ठजनों के बीच आत्मीय एवं भावनात्मक संवाद ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। वरिष्ठजनों ने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को जीवन के अनेक महत्वपूर्ण पहलुओं से परिचित कराया। वहीं विद्यार्थियों ने भी वरिष्ठजनों के साथ समय बिताकर उनकी भावनाओं और आवश्यकताओं को समझा। वरिष्ठ नागरिकों ने विद्यार्थियों के साथ दोबारा मिलने की इच्छा भी व्यक्त की। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को यह महत्वपूर्ण संदेश दिया कि वृद्धजन समाज पर बोझ नहीं, बल्कि अनुभव, ज्ञान, संस्कार और जीवन-मूल्यों की समृद्ध विरासत हैं। समाज कार्य के विद्यार्थियों के लिए यह आयोजन महज एक कार्यक्रम न होकर पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर मानवीय संवेदनाओं, पीढ़ियों के बीच संवाद और सामाजिक जिम्मेदारी को समझने का जीवंत अनुभव रहा। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश

भी दिया गया कि वृद्धजनों का सम्मान किसी एक दिवस तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके प्रति सम्मान, सहयोग और संवेदनशीलता हमारे दैनिक व्यवहार और जीवनशैली का हिस्सा बननी चाहिए।

विद्यार्थियों ने लिया सम्मान और सहयोग का संकल्प

कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यार्थियों ने वरिष्ठजनों के सम्मान, सहयोग तथा उनकी भावनाओं के प्रति सदैव संवेदनशील रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक एवं प्रतिष्ठित व्यवसायी श्री बृजेंद्र गुप्ता, पेंशनर एसोसिएशन के महामंत्री जे.एल. सोनी, सेवानिवृत्त लाइब्रेरियन एवं विजिटिंग फैकल्टी वाई.एस. परिहार, विजिटिंग फैकल्टी नितिन गर्ग, शोधार्थी अप्रिंत दुबे सहित एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थी विनय मिश्रा, विद्या सिंह, कीर्ति पाव, विधि गर्ग, अंजेश्वरी, रामबाबू पटेल, धनेश्वरी, श्वेता तिवारी, अंतर शुक्ला, मुस्कान शुक्ला आदि की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का समापन आत्मीय और भावपूर्ण वातावरण में हुआ।

वेतन कटौती और निलंबन के विरोध में पटवारियों की कलम बंद हड़ताल

जिले के 230 पटवारियों की लंबित मांगों के निराकरण की मांग प्रशासन को सौंपा जापन

शहडोल (स्वतंत्रमत) । जिले में पटवारियों की विभिन्न समस्याओं और वेतन कटौती के मामलों को लेकर मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने मोर्चा खोल दिया है। संघ के जिलाध्यक्ष सत्यनारायण मिश्रा के नेतृत्व में पटवारियों ने अपनी मांगों को लेकर प्रशासन के समक्ष जापन प्रस्तुत किया है। संघ के अनुसार, जिले के पटवारी 18 सितंबर से कलम बंद हड़ताल पर हैं। पटवारी संघ का आरोप है कि जिले की विभिन्न तहसीलों में करीब 40 पटवारियों को अलग-अलग अवधि के लिए अवैतनिक किया गया है। संघ ने आरोप लगाया कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने में कुछ सेकंड की देरी होने अथवा किसी कारणवश बीसी से नहीं जुड़ पाने पर भी पटवारियों के वेतन में कटौती की गई।

गोहापारू में वेतन कटौती का मामला-ज्ञापन में गोहापारू तहसील में अगस्त माह के वेतन को लेकर भी आपत्ति दर्ज कराई गई है। संघ का आरोप है कि कई पटवारियों के वेतन में 14, 12, 7 और 6 दिनों तक की कटौती की गई। संघ के मुताबिक इस संबंध में जानकारी देने और जापन सौंपने के लिए जिले के पटवारी तहसील कार्यालय पहुंचे, लेकिन



उनका ज्ञापन स्वीकार नहीं किया गया। संघ ने इस मामले में तहसीलदार दिव्या सिंह के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। तीन पटवारियों के निलंबन पर उठाए सवाल-फार्मर रजिस्ट्री (एफआर) सहित शासकीय कार्यों के दौरान तीन पटवारियोंकुंदीपचंद सिंह, हल्का बिजौरी तहसील सोहागपुर, भारत सिंह खैरवार, हल्का जमुड़ी तहसील जयसिंहनगर और आनंद तिवारी, हल्का बाँधा तहसील ब्यूहारी, के निलंबन का मामला भी ज्ञापन में उठाया गया है। संघ का कहना है कि पटवारियों को सुनवाई का अवसर दिए बिना कार्यवाही की गई।

कई तहसीलों में वेतन रोकने का दावा-संघ ने सोहागपुर में 17 पटवारियों, बुढ़ार में 4 पटवारियों तथा ब्यूहारी में 13 पटवारियों के वेतन से संबंधित कार्यवाही का उल्लेख

किया है। जयसिंहनगर में भी कुछ पटवारियों का वेतन रोकें जाने और अवैतनिक किए जाने का दावा संघ ने किया है। 230 पटवारियों की लंबित मांगों का मुद्दा-पटवारी संघ ने जिले में करीब 230 पटवारियों के विभिन्न लंबित स्वत्वों का भुगतान किए जाने की मांग की है। इनमें समयमान, डीए एरियर, मानदेय, फार्मर रजिस्ट्री के बिल, एसी स्ट्रेक के बिल सहित अन्य शासकीय देयकों का भुगतान शामिल है। संघ का कहना है कि इन मामलों के लंबित रहने से पटवारियों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा सोहागपुर तहसील में जूनियर पटवारियों को आरआई का प्रभार दिए जाने तथा विभिन्न तहसीलों में पटवारियों को कार्यालयों में सलंगन कराए जाने पर भी संघ ने आपत्ति जताई है। संघ ने मांग की है कि पटवारियों को उनके मूल फील्ड कार्य के लिए हल्कों में पदस्थ किया जाए।

शिक्षा एवं समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले डॉ. बलदेव प्रसाद पटेल के पुण्य स्मृति में 2 को श्रद्धांजलि सभा आयोजित



बुढ़ार (स्वतंत्रमत) ।

शिक्षा एवं समाज सेवा में प्रशंसनीय योगदान देने वाले शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक तथा वाणिज्य संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ. बलदेव प्रसाद पटेल के पुण्य स्मृति में आज 2 अक्टूबर को उनके पैतृक ग्राम-साखी (जैतपुर) में अपराह्न 11 बजे श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है और वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है। प्राध्यापक एवं वाणिज्य संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ. बलदेव प्रसाद पटेल जिनका जन्म 8 जुलाई 1947 को बुढ़ार जनपद क्षेत्र के ग्राम साखी (जैतपुर) में हुआ था और उन्होंने 79 वर्ष पूर्ण कर 80वें वर्ष में अन्तिम सांस ली। डॉ. बलदेव प्रसाद पटेल ने अपने जीवन काल में ही देहदान का फार्म भर दिया था और अपने वसीयत में भी इसकी स्पष्ट इच्छा व्यक्त की थी, कि निधन के उपरान्त चिकित्सा शिक्षा एवं मेडिकल कॉलेज के छात्रों के अध्ययन के लिये उपयोग किया जावे। उनके अन्तिम इच्छा का सम्मान करते हुये देहदान किया गया। ऐसे व्यक्तित्व के धनी डॉ. बलदेव प्रसाद पटेल के यादों को चिरस्थायी बनाये रखने पुण्य स्मृति में पैतृक ग्राम साखी में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है और श्रद्धांजलि सभा के उपरान्त वृक्षारोपण भी किया जायेगा।

यूज्ड वॉटर एवं सीवरेज प्रबंधन पर क्षमता संवर्धन कार्यशाला आयोजित

डी-सिल्विंग स्टाफ को सुरक्षित कार्यप्रणाली, पीपीई के उपयोग एवं फीकल स्लज प्रबंधन का दिया गया प्रशिक्षण

शहडोल (स्वतंत्रमत) । स्वच्छ भारत मिशन, शहरी 2.0 के अंतर्गत नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, मध्यप्रदेश शासन के मार्गदर्शन में नगरीय निकायों में कार्यरत डी-सिल्विंग स्टाफ के लिए च्यूज्ड वॉटर मैनेजमेंट एवं सीवरेज प्रबंधनज विषय पर क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन, सूर्या इंटरनेशनल होटल में किया गया। संपूर्ण आयोजन को जियो वेस्ट अवधारणा के अनुरूप आयोजित किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य डी-सिल्विंग कार्य से जुड़े कर्मचारियों को सेप्टिक टैंक एवं फीकल स्लज के सुरक्षित प्रबंधन, डी-सिल्विंग की मानक प्रक्रिया, कार्यस्थल पर सुरक्षा,

व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के उचित उपयोग तथा स्लज के सुरक्षित परिवहन एवं निपटान के संबंध में तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ शहडोल एवं रीवा संभाग के संयुक्त संचालक हिमांशु भट्ट एवं शहडोल ई ई देवेन्द्र कौल द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। अपने संबोधन में हिमांशु भट्ट ने कहा कि डी-सिल्विंग कार्य से जुड़े कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुरक्षित कार्यप्रणाली, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का नियमित उपयोग और निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन कर में किया गया। संपूर्ण आयोजन को जियो वेस्ट अवधारणा के अनुरूप आयोजित किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य डी-सिल्विंग कार्य से जुड़े कर्मचारियों को सेप्टिक टैंक एवं फीकल स्लज के सुरक्षित प्रबंधन, डी-सिल्विंग की मानक प्रक्रिया, कार्यस्थल पर सुरक्षा,



अपने कार्यस्थल पर अनिवार्य रूप से लागू करने तथा नागरिकों को भी स्वच्छता एवं सुरक्षित अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। शहडोल ई ई देवेन्द्र कौल द्वारा जानकारी दी गई कि हम जो पानी का उपयोग करते हैं उसमें 20 प्रतिशत ही उपयोग में आता है बाकी 80 प्रतिशत बेस्ट हो जाता है इस वेस्ट पानी का प्रबंध हम किस तरह करेंगे उसकी जानकारी आज आपको दी जाएगी। इस अवसर पर बचाओं ने कहा कि सफाई कार्य से जुड़े कर्मचारियों की सुरक्षा एवं कार्य कुशलता बढ़ाने के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से

आयोजित किए जाना आवश्यक है। साथ ही, आम नागरिकों में भी स्वच्छता एवं सुरक्षित अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसमें कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ शहर के निर्माण में नागरिकों की सक्रिय सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सेप्टिक टैंक की डी-सिल्विंग एवं एप्टींग प्रक्रिया, मैनुअल एवं मैकेनिकल सफाई, फीकल स्लज की सुरक्षित डिपॉजिट, परिवहन तथा सुरक्षित निपटान की प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। कार्य के दौरान संभावित जोखिमों एवं दुर्घटनाओं

से बचाव के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों पर भी विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) को सही तरीके से पहनने एवं उतारने, उनके रखरखाव तथा उपयोग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को सुरक्षित कार्य पद्धतियां अपनाने तथा निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का अनिवार्य रूप से पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मैनेहोल एवं सेप्टिक टैंक की मैकेनिकल क्लीनिंग का लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया गया। इसके माध्यम से मशीनों एवं उपकरणों के सुरक्षित उपयोग की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। इसके अलावा नगरीय क्षेत्रों में सड़कों एवं सार्वजनिक स्थानों की सफाई तथा अपशिष्ट एवं स्लज के सुरक्षित प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई। कार्यशाला में कुल 67 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत

में ओपन सेशन एवं फीडबैक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें डी-सिल्विंग कार्य के दौरान आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों, सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं तथा कार्यप्रणाली में सुधार के सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण में सफलतापूर्वक सहभागिता करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ आशीष बिशवास द्वारा प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम का अंतिम सत्र फीडबैक फाउंडेशन की ओर से संपीठ सौनी द्वारा किया गया। शहडोल संभाग से संबंधित अधिकारी-कर्मचारी तथा डी-सिल्विंग कार्य से जुड़े कर्मचारी एवं स्वच्छता पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में देवेन्द्र कौल, पल्लवी सिंह एवं सज्जन सिंह सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन एवं समूह छायाचित्र के साथ किया गया।

संकल्प विरक्षा कार्यक्रम के लिए एनसीसी कैडेट्स ने किया मिट्टी का संकलन

उमरिया (स्वतंत्रमत) । मध्य प्रदेश की स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी 1 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाले ‘संकल्प विरक्षा’ कार्यक्रम की तैयारियों के तहत जवाहर नवोदय विद्यालय उमरिया में एनसीसी कैडेट्स द्वारा विद्यालय परिसर से मिट्टी का संकलन किया गया। यह आयोजन सेना दिवस परेड (एडीपी) 2027 से पूर्व आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की

कड़ी का हिस्सा है। सेना दिवस परेड (एडीपी) 2027 का आयोजन जनवरी 2027 में भोपाल में प्रस्तावित है। जानकारी के अनुसार, एडीजी एनसीसी मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में आयोजित होने वाले ‘संकल्प विरक्षा’ कार्यक्रम के लिए मध्य प्रदेश के सभी 55 जिलों से एनसीसी कैडेट्स द्वारा अक्टूबर 2026 में मिट्टी के नमूने एकत्र किए जा रहे हैं। एकत्रित मिट्टी का



उपयोग भोपाल स्थित शौर्य स्मारक में प्रस्तावित वृक्षारोपण समारोह में किया जाएगा। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव द्वारा वृक्षारोपण किए जाने की योजना है। इसी क्रम में जबलपुर एनसीसी ग्रुप हेडक्वार्टर के निदेश तथा एमपी शहडोल के कर्नल ए.के. शर्मा के मार्गदर्शन में बुधवार, 30 सितंबर 2026 को जवाहर नवोदय विद्यालय उमरिया में विशेष कार्यक्रम आयोजित

किया गया। कार्यक्रम का निर्देशन विद्यालय के एनसीसी सेकंड ऑफिसर धीरेन्द्र सिंह पटेल ने किया। इस अवसर पर उमरिया जिले के डीएसपी विजय सिंह परस्ते, वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण कुमार शुक्ला, विद्यालय के उप प्राचार्य सुभाष कुमार तिवारी, गणित शिक्षक भूपेंद्र सिंह परिहार, संतोष कुशवाहा एवं पुस्तकालय अधीक्षक गिरिजेश राय सहित विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।

सृजन दहायत और आदर्श यादव ने मध्य प्रदेश क्रिकेट टीम में बनाई जगह



उमरिया (स्वतंत्रमत) । खेल के मैदान से उमरिया जिले के लिए एक बेहद गौरवान्वित करने वाली खबर सामने आई है। जिला क्रिकेट संघ उमरिया के दो होनहार और उदीयमान खिलाड़ियों ने अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा के दम पर प्रदेश स्तर पर जिले का नाम रोशन किया है। क्रिकेट के गलियारों में अपनी धाक जमाते हुए सृजन दहायत ने मध्य प्रदेश अंडर-19(वीनू मांकड़ ट्रॉफी)क्रिकेट टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है। वहीं, दूसरी ओर उमरिया के ही एक और चमकते सितारे आदर्श यादव ने मध्य प्रदेश अंडर-15(विजय मर्चेंट ट्रॉफी)क्रिकेट टीम में अपना शानदार स्थान हासिल किया है। दोनों ही खिलाड़ियों के इस दोहरे चयन से स्थानीय खेल प्रेमियों और जिला क्रिकेट संघ में हर्ष की लहर दौड़ गई है।



कोर जोन के लिए बांधवगढ़ में नए पर्यटन सत्र का हुआ शुभारंभ, प्रथम दिवस 486 पर्यटकों ने किया भ्रमण

उमरिया (स्वतंत्रमत) - तीन माह के मानसून ब्रेक के बाद विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में आज 1 अक्टूबर से नए पर्यटन सत्र की शुरुआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई। इसके साथ ही टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में जंगल सफारी पुनः प्रारंभ हो गई। पर्यटन सत्र के पहले दिन ताला, मगही और खितौली गेट को आकर्षक ढंग से सजाया गया। पार्क प्रबंधन एवं वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने पर्यटकों का पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया। गेट खोलने से पहले विधिवत पूजा-अर्चना कर वन्यजीवों की सुरक्षा एवं पर्यटन सत्र के सफल संचालन की कामना की गई।क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ने बताया कि बांधवगढ़ में 1 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ हुए नए पर्यटन सत्र के प्रथम दिवस पर्यटकों में भारी उत्साह देखने को मिला। प्रथम दिवस प्रातःकालीन पाली में कुल 53 वाहनों में 244 पर्यटकों ने तथा सायंकालीन पाली में कुल 51 वाहनों में 242 पर्यटकों ने टाइगर रिजर्व का भ्रमण किया। इस प्रकार प्रथम दिवस कुल 104 वाहनों में 486 पर्यटकों ने सफारी का आनंद लिया। प्रथम दिवस प्रातःकालीन पाली के कुछ पर्यटकों को बाघ भी दिखे।

वृद्ध आश्रम में गूंजी जन्मदिन की खुशियां, बुजुर्गों के बीच बच्चे ने काटा केक

बुजुर्गों ने दिया आशीर्वाद, माला पहनाकर और उपहार भेंट कर किया सम्मान; आश्रम में दिखा पारिवारिक माहौल

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) । दिव्य ज्योति सोशल डेवलपमेंट सेंटर द्वारा संचालित जीवन आदर्श वृद्ध आश्रम में सोमवार को एक भावनात्मक और आत्मीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के स्टाफ के बच्चे का जन्मदिन आश्रम में निवासरत बुजुर्गों के बीच हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ मनाया गया। जन्मदिन के अवसर पर आश्रम परिसर में कुछ समय के लिए ऐसा माहौल बना, मानो पूरा परिवार एक साथ खुशियां मना रहा हो। कार्यक्रम की शुरुआत

बुजुर्गों की मौजूदगी में केक काटकर की गई। बच्चे ने बुजुर्गों के बीच केक काटकर जन्मदिन की खुशियां साझा कीं और आश्रम में मौजूद सभी बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। बुजुर्गों ने भी बच्चे को स्नेह और आशीर्वाद देते हुए उसके उज्ज्वल, स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की। इस दौरान बुजुर्गों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया। कार्यक्रम में संस्था की ओर से आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों का विशेष सम्मान भी किया गया। बुजुर्गों को माला पहनाकर तथा उपहार भेंट किए गए। सम्मान पाकर बुजुर्गों में भी उत्साह नजर आया। कार्यक्रम के दौरान आपसी बातचीत, हंसी-मजाक और आत्मीयता का माहौल बना रहा। संस्था के स्टाफ और बुजुर्गों ने एक-दूसरे के साथ समय बिताया और जन्मदिन की खुशियों में सहभागी बने। संस्था



के संचालक ने बताया कि वृद्ध आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को केवल रहने और भोजन की सुविधा उपलब्ध कराना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि उन्हें अपनापन, सम्मान और परिवार जैसा वातावरण देना भी संस्था की प्राथमिकता है। कई बुजुर्ग पारिवारिक परिस्थितियों अथवा अन्य कारणों से अपने परिजनों से

दूर रहते हैं। ऐसे में विशेष अवसरों और त्योहारों को उनके साथ मनाने से उनमें अपनत्व की भावना बढ़ती है और अकेलेपन का एहसास कम होता है। उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य से आश्रम में समय-समय पर जन्मदिन, त्योहार, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों में

बुजुर्गों को सक्रिय रूप से शामिल किया जाता है, ताकि वे स्वयं को समाज और परिवार से जुड़ा हुआ महसूस करें। स्टाफ के बच्चे का जन्मदिन भी इसी भावना के साथ बुजुर्गों के बीच मनाया गया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग का भी सहयोग रहा। विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने आश्रम

की व्यवस्थाओं और कार्यक्रम में सहभागिता की। केंद्र अधीक्षक एवं संस्था के स्टाफ ने कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया। इस अवसर पर समाजसेवी सतीश चंदेल, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, केंद्र अधीक्षक, संस्था के स्टाफ तथा जीवन आदर्श वृद्ध आश्रम में निवासरत बुजुर्ग मौजूद रहे। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि खुशियां बांटने के लिए बड़े अवसरों की जरूरत नहीं होती। अपनों के साथ कुछ पल बिताना, सम्मान देना और स्नेह के दो शब्द कहना भी किसी के जीवन में खुशी भर सकता है। वृद्ध आश्रम में मनाया गया यह जन्मदिन भी इसी मानवीय भावना का उदाहरण बना, जहां एक बच्चे की खुशी बुजुर्गों के आशीर्वाद और स्नेह के साथ और भी खास हो गई।

02 अक्टूबर: एक तारीख नहीं, एक विचार

दो अक्टूबर भारतीय इतिहास में केवल एक तारीख नहीं, बल्कि सत्य, अहिंसा, प्रेम और मानवता के मूल्यों का प्रतीक है। इसी दिन वर्ष 1869 में गुजरात के पोरबंदर में मोहनदास करमचंद गांधी का जन्म हुआ, जिन्हें देश प्रेम और सम्मान से महात्मा गांधी के नाम से याद करता है। गांधी जी ने अपने विचारों और कार्यों से यह साबित किया कि बड़े बदलाव के लिए हथियारों से अधिक जरूरी सत्य, साहस और आत्मविश्वास है।

गांधी जयंती का महत्व

गांधी जी का जीवन सादगी, अनुशासन और सेवा का उदाहरण रहा। उन्होंने सत्य और अहिंसा को अपने जीवन का आधार बनाया। स्वतंत्रता आंदोलन में उन्होंने आम लोगों को जोड़कर अहिंसक आंदोलनों के माध्यम से ब्रिटिश शासन के विरुद्ध जनचेतना पैदा की। उनका मानना था कि समाज में स्थायी बदलाव विचारों और अच्छे आचरण से लाया जा सकता है। आज जब दुनिया हिंसा, असमानता, तनाव और अनेक सामाजिक चुनौतियों का सामना कर रही है, गांधी जी के विचारों की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। सत्य हमें सही मार्ग दिखाता है, अहिंसा शांति का रास्ता बताती है और सादगी हमें जरूरतों और इच्छाओं के बीच अंतर समझाती है।

स्वच्छता और जिम्मेदारी का संदेश

गांधी जी स्वच्छता को स्वस्थ और बेहतर समाज की आधारशिला मानते थे। इसलिए गांधी जयंती हमें अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने, सार्वजनिक स्थानों को साफ रखने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनने की प्रेरणा देती है।

सच्ची श्रद्धांजलि क्या है?

गांधी जी को याद करना केवल उनके चित्र पर माल्यार्पण या कार्यक्रम आयोजित करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। यदि हम ईमानदारी अपनाएं, दूसरों का सम्मान करें, भेदभाव से दूर रहें, स्वच्छता का ध्यान रखें और विवादों का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से करें, तो यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रासंगिक है गांधी जी का संदेश

गांधी जी का संदेश किसी एक समय या देश तक सीमित नहीं है। सत्य, अहिंसा, प्रेम, सद्भाव और मानवता ऐसे

मूल्य हैं, जिनकी जरूरत हर पीढ़ी को हमेशा रहेगी। इसलिए 02 अक्टूबर केवल गांधी जयंती नहीं, बल्कि अपने विचारों और व्यवहार को बेहतर बनाने का दिन है। बदलाव की शुरुआत दुनिया से नहीं, स्वयं से होती है।

प्रियंका पाठक खुरासिया

प्राचार्य हितकारिणी कन्या उ.मा. शाला, बीटी तिराहा, गढ़ा, जबलपुर।

सामाजिक उत्तरदायित्व जिम्मेदार व्यवसाय की पहचान

व्यवसाय का उद्देश्य केवल लाभ कमाना नहीं है। कोई भी व्यवसाय समाज में ही संचालित होता है, इसलिए उसका समाज, कर्मचारियों, उपभोक्ताओं और पर्यावरण के प्रति भी दायित्व होता है। इसी विचार को व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व कहा जाता है। आज बड़ी कंपनियां शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में भी योगदान दे रही हैं।

सामाजिक उत्तरदायित्व का अर्थ

व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व वह दायित्व है, जिसके तहत व्यावसायिक संस्था अपने निर्णयों में समाज के हितों का ध्यान रखती है। प्रबंधकों का उद्देश्य केवल लाभ बढ़ाना नहीं, बल्कि कर्मचारियों, उपभोक्ताओं, निवेशकों और समुदाय के हितों की रक्षा करना भी होता है। पर्यावरणीय उत्तरदायित्व व्यवसायों को प्रदूषण कम करने, प्राकृतिक संसाधनों का सही उपयोग करने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना चाहिए। इसके लिए कचरे का पुनर्चक्रण, ऊर्जा की बचत, जल संरक्षण और पर्यावरण-अनुकूल उत्पादन जैसे कदम उठाए जा सकते हैं।

नैतिक उत्तरदायित्व

व्यवसाय में ईमानदारी और निष्पक्षता बनाए रखना नैतिक उत्तरदायित्व है। कर्मचारियों के साथ उचित व्यवहार, समान अवसर, उचित वेतन और उपभोक्ताओं को सही जानकारी देना इसके उदाहरण हैं।

परोपकारी उत्तरदायित्व

समाज के कमजोर वर्गों और समुदाय के विकास के लिए स्वेच्छिक रूप से सहायता करना परोपकारी उत्तरदायित्व कहलाता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आपदा राहत, सामाजिक संस्थाओं को सहयोग और स्थानीय विकास कार्य इसके उदाहरण हैं।

आर्थिक उत्तरदायित्व

व्यवसाय का मूल आर्थिक दायित्व उचित मूल्य पर अच्छी गुणवत्ता की वस्तुएं और सेवाएं उपलब्ध कराना, रोजगार देना तथा व्यवसाय को आर्थिक रूप से मजबूत बनाए रखना है। लाभ कमाना व्यवसाय का आवश्यक हिस्सा है, लेकिन उपभोक्ताओं और कर्मचारियों के हितों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए।

सामाजिक उत्तरदायित्व का महत्व

सामाजिक उत्तरदायित्व से व्यवसाय और समाज के बीच विश्वास बढ़ता है। इससे कंपनी की प्रतिष्ठा मजबूत होती है, कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है और उपभोक्ताओं का भरोसा कायम होता है। साथ ही, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद मिलती है।

यवसाय और समाज एक-दूसरे से जुड़े हैं। इसलिए सफल व्यवसाय वही है जो लाभ कमाने के साथ समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी समझे।

वाणिज्य का बढ़ता क्रेज और सफलता के सूत्र

वर्तमान समय में विद्यार्थियों के बीच वाणिज्य विषय का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। इसका प्रमुख कारण इस क्षेत्र में उपलब्ध करियर के व्यापक अवसर हैं। चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए), कंपनी सेक्रेटरी (सीएस), बैंकिंग, बिजनेस, मैनेजमेंट, जीएसटी, वित्तीय सेवाएं और शेयर बाजार जैसे अनेक क्षेत्रों की मजबूत नींव वाणिज्य से जुड़ी है। करियर के बढ़ते अवसरों के कारण विद्यार्थियों में कॉमर्स विषय के प्रति रुचि लगातार बढ़ रही है। समझ और नियमित अभ्यास के साथ वाणिज्य विषय आसान होने के साथ अच्छे अंक दिलाने वाला भी बन सकता है।

वास्तविक जीवन से जुड़ा विषय

वाणिज्य केवल किताबों तक सीमित विषय नहीं है। दुकान, बाजार, बैंक, व्यापार, लाभ-हानि, बजट, बचत और निवेश जैसी रोजमर्रा की गतिविधियों में भी इसके सिद्धांत दिखाई देते हैं। विद्यार्थी यदि विषय को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों से जोड़कर पढ़ें, तो अवधारणाओं को समझना आसान हो जाता है।

शुरुआत में कठिन क्यों लगता है?

कक्षा 10वीं तक विद्यार्थियों ने लेखाशास्त्र, व्यवसाय अध्ययन और अर्थशास्त्र का गहराई से अध्ययन नहीं किया होता। इसलिए शुरुआत में इनके शब्द और अवधारणाएं कठिन लग सकती हैं। लेकिन नियमित अभ्यास और सही तरीके से पढ़ाई करने पर यह विषय रोचक और सरल बन जाता है।

सफलता के लिए अपनाएं ये तरीके

- प्राारूप और नियम समझें**– लेखाशास्त्र में प्रश्न हल करते समय सही प्राारूप का विशेष महत्व है। प्रत्येक प्राारूप को लेखांकन के नियमों के साथ समझकर तैयार करें।
- सूत्रों का चार्ट बनाएं**– लेखाशास्त्र और अर्थशास्त्र के महत्वपूर्ण सूत्रों और सिद्धांतों का अलग चार्ट बनाएं। नियमित दोहराव से इन्हें याद रखना आसान होगा।
- आरेख और ग्राफ का प्रयोग करें**– अर्थशास्त्र के उत्तरों में जहां आवश्यक हो, आरेख, ग्राफ और अनुसूची का प्रयोग करें। इससे उत्तर अधिक स्पष्ट और प्रभावी बनता है।
- बड़े उत्तरों को छोटे भागों में बांटें**– व्यवसाय अध्ययन के लंबे उत्तरों को छोटी-छोटी हेडिंग और बिंदुओं में तैयार करें। इससे याद करना और परीक्षा में लिखना आसान होगा।
- स्वयं के नोट्स और नियमित अभ्यास**– हर विषय के अपने नोट्स बनाएं और केवल गाइड पर निर्भर न रहें। लेखाशास्त्र के क्रियात्मक प्रश्नों तथा सैद्धांतिक प्रश्नों को लिखकर हल करने का नियमित अभ्यास करें।

रायवर्धनी वर्मा

व्याख्याता, अंजुमन इस्लामिया ई.एम. हायर सेकेंडरी स्कूल, मढ़ाताल, जबलपुर।

वित्तीय साक्षरता का महत्व समझदारी से करें धन का प्रबंधन

आज के समय में केवल अधिक आय होना ही पर्याप्त नहीं है। आय का सही उपयोग, बचत, निवेश और भविष्य की योजना बनाना भी जरूरी है। धन से जुड़े इन विषयों की समझ को वित्तीय साक्षरता कहा जाता है। यह व्यक्ति को समझदारी से आर्थिक निर्णय लेने में मदद करती है और परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

वित्तीय साक्षरता का अर्थ

वित्तीय साक्षरता का अर्थ आय, खर्च, बचत, निवेश, बैंकिंग, बीमा, कर और ऋण जैसे विषयों की सही जानकारी होना है। इसके माध्यम से व्यक्ति अपनी आय और खर्च का संतुलन बना सकता है तथा आर्थिक समस्याओं से बचने के लिए बेहतर निर्णय ले सकता है।

वित्तीय साक्षरता क्यों जरूरी?

वित्तीय साक्षरता व्यक्ति को बजट बनाना और खर्चों पर नियंत्रण रखना सिखाती है। इससे अनावश्यक खर्च कम होते हैं और बचत की आदत विकसित होती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, घर खरीदने या व्यवसाय शुरू करने जैसी भविष्य की जरूरतों के लिए आर्थिक योजना बनाना भी

आसान होता है।

डिजिटल युग में महत्व

आज ऑनलाइन बैंकिंग, यूपीआई, डेबिट कार्ड और डिजिटल भुगतान का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में वित्तीय साक्षरता लोगों को सुरक्षित लेन-देन करने और साइबर धोखाधड़ी से सावधान रहने में मदद करती है। किसी भी डिजिटल भुगतान से पहले सही व्यक्ति और खाते की जानकारी जांचना जरूरी है।

विद्यार्थियों के लिए महत्व

विद्यार्थियों को बचपन से ही धन का महत्व समझना चाहिए। जेब खर्च का सही उपयोग, छोटी बचत, बजट बनाना और जरूरत तथा इच्छा के बीच अंतर समझना वित्तीय अनुशासन विकसित करता है। इससे विद्यार्थी भविष्य में आर्थिक रूप से जिम्मेदार और आत्मनिर्भर नागरिक बन सकते हैं।

वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के उपाय

स्कूलों में वित्तीय शिक्षा को बढ़ावा देना, बैंकिंग सेवाओं की जानकारी देना, जागरूकता अभियान चलाना और परिवार में बचत व बजट की चर्चा करना इसके प्रभावी उपाय हैं।

नेहा गुप्ता

शिक्षक आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर

आइए, उत्साह और उमंग के साथ

हितकारिणी महोत्सव का हिस्सा बनें

एक परिवार, अनेक प्रतिभाएँ, एक गौरव – हितकारिणी

हितकारिणी महोत्सव 2026-27

अंतर हितकारिणी साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताएँ

हितकारिणी परिवार के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए प्रतिभा प्रदर्शन का भव्य मंच

5 से 8 अक्टूबर अक्टूबर

साहित्य, संगीत, नृत्य, वाद-विवाद, खेलकूद, विज्ञान, कला एवं अनेक रोचक प्रतियोगिताएँ

अपनी प्रतिभा को पहचान दें...

प्रतियोगिता में भाग लें, सीखें, आगे बढ़ें, अपनी संस्था का गौरव बढ़ाएँ

शब्द पहेली - 8992

1		2		3		4	
5						6	7
		8		9			
10		11				12	
		13			14		
15			16		17		18
			19		20		
21	22					23	
	24					25	

बाएँ से दाएँ

- सावधान, सचेत-3
- खूबसूरत-3
- वचन, प्रतिज्ञा-2
- हत्या, मर्डर-2
- तब तक, अवधि में-4
- चरित्र, लक्षण-3
- रूस की मुद्रा-3
- परगण-2
- नाखून-2
- छुटकारा, आजादी-3
- तट, किनारा-3
- ईश्वर, भगवान -4
- अधीन, काबू-2
- नवीन, नवजात-2
- लेखनी, पेन-3
- लाईन, रेखा -3

ऊपर से नीचे

- हमेशा, सदैव-2
- विष, जहर-3
- गर्भ-3
- नया, नवल-2
- पुनरागमन-3
- मस्ती, उछलकूद-3
- स्वभाव, आदत-4
- नुकसान, घाटा-2
- कोपेल, गाल-4
- शान्ति, सन्नाटा-3
- ताकत, दम, बल-2
- बोलने का तरीका-3
- प्रतिज्ञा, वचन-3
- आज्ञापालन-3
- वहम, संदेह-2
- लोहे की तांत-2

शब्द पहेली - 8991 का हल

न	क	खि	य	क	ब	ता
ज	खे	व	स	स	हा	ग
प	स	ह	क	ती	न	
क	र	स	य	स	क	वि
से	ख	ख	य	न	दु	स
अ	व	ज	न	प	स	श
म	ह	त	स	प	ह	य
स	न	व	न	ह	र	ज
ज	न	ह	य	ता	ज्ञ	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

रिश्वतखोरों ने छीना गरीबों का हक

महादेवा वार्ड 30 में गरीबी गुनाह बन गई, 8 साल से पत्नी के नीचे सड़ रहे लोग



सतना (स्वतंत्र मत)

महादेवा वार्ड 30 की हरिजन बस्ती और कोलन बस्ती में इंसानियत शर्मसार हो रही है। स्मार्ट सिटी सतना के सीने पर यह बस्ती काले धब्बे जैसी है जहां गरीब होना सबसे बड़ा गुनाह बन गया है। यहां के लोग 8-10 साल से पीएम आवास के लिए नगर निगम के चक्कर काट-काट कर थक चुके हैं, लेकिन बाबू और नेता उन्हें कुत्ते की तरह दुत्कार देते हैं। चुनाव आते ही नेता हाथ जोड़कर वोट भीख मांगने आ जाते हैं जीतने के बाद गरीबों की झोपड़ी की तरफ मुंह तक नहीं करते। बारिश ने तो इन

गरीबों से उनका आखिरी सहारा भी छीन लिया। कच्चे मकान भरभराकर गिर गए अनाज सड़ गया बर्तन मिट्टी में मिल गए। आज ये लोग पत्नी और ब्रांस की बल्ली लगाकर जानवरों से भी बदतर जिंदगी जीने को मजबूर हैं। रात में सांप-बिच्छू का खौफ, दिन में भूख से बिलखते बच्चे। क्या यही है पीएम का सबका साथ सबका विकास?

7 साल से भटक रही हूं, बाबू बोलता है नाम नहीं चढ़ा : गीता कोल-हरिजन बस्ती की गीता कोल फूट-फूट कर



रो पड़ी। बोली - साहब बारिश में मेरा घर धंस गया मैं मजदूरी करके बच्चों को पालती हूं। 7 साल पहले फॉर्म भरा था आज तक एक ईंट नहीं मिली। निगम जाओ तो बाबू हंसकर कहता है - तुम्हारा नाम कंप्यूटर में नहीं चढ़ा। क्या हम गरीब हैं इसलिए हमारा नाम नहीं चढ़ता जिनके तीन मंजिला मकान हैं उनका नाम कैसे चढ़ जाता है?

बर्बाद हो गए लाडली बहना का पैसा भी नहीं मिला : सलमा- सलमा पत्नी अजय कोल ने कहा - हमारे पड़ोस में गए। घर गिरा तो खाने का दाना तक बर्बाद

हो गया। मजदूरी नहीं लग रही लाडली बहना योजना का एक रुपया नहीं मिला। भूखे मरने की कगार पर हैं। पूर्व पार्षद श्याम लाल के समय फॉर्म भरा था आज तक कोई झांकने नहीं आया। हम पुरतैनी निवासी हैं, लेकिन नेता हमें ईसान ही नहीं समझते।

गरीबों से रिश्त मांग रहे

सगुनिया कोल विमला कोल पासी कोल ललितला कोल शकुंतला रावत बेला कोल सहित दर्जनों महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने कहा - हमारे पड़ोस में जिनके पहले से पक्के मकान हैं, उन्होंने 20-

20 हजार रुपये देकर पीएम आवास ले लिया। हम गरीब हैं, रिश्त नहीं दे सकते इसलिए हमें पत्नी में सड़ने के लिए छोड़ दिया गया है। नगर निगम में गरीबों की नहीं, नोटों की सुनी जाती है।

पार्षद बोले - विकास हुआ है जनता बोली कागजों में- जब इस संबंध में वार्ड पार्षद अच्छे लाल से पूछा गया तो उन्होंने रटा-रटया जवाब दिया - वार्ड में 4 करोड़ का विकास हुआ है सीसी रोड बनी है संजीवनी अस्पताल खोला है, पानी की टंकी बन रही है। 30 लाख की नाली और 25 लाख की पेवर रोड बनने वाली है।

लेकिन बस्ती में जाकर देखो तो हकीकत कुछ और ही है। गीता और सलमा की पत्नी की झोपड़ी पार्षद के 4 करोड़ के विकास के दावों को मुंह चिढ़ा रही है। अगर विकास हुआ है तो 8 साल से गरीब पत्नी के नीचे क्यों पड़ा है? अगर आवास मिले हैं तो हरिजन बस्ती के गरीबों की क्यों नहीं मिले? यह विकास है या गरीबों के नाम पर बंदरबांट? गरीब पूछ रहे हैं क्या हमारी सुनवाई होगी या हम ऐसे ही पत्नी के नीचे मर जाएंगे?

भरहुत नगर में हाउसिंग बोर्ड का तानाशाही फरमान

सतना। शहर की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित भरहुत नगर कॉलोनी में हाउसिंग बोर्ड ने तानाशाही की सारी हदें पार कर दी हैं। एक रिटायर होते अफसर ने कुर्सी छोड़ने से ठीक एक दिन पहले अपनी कलम से 6 परिवारों की जिंदगी भर की पूंजी पर ताला लगावा दिया और 24 परिवारों को बर्बादी का नोटिस थमा दिया। बोर्ड की इस सनक भरी कार्रवाई से पूरी कॉलोनी में भूचाल आ गया है और रहवासी सड़क पर उतर आए हैं। रहवासियों का आरोप है कि हाउसिंग बोर्ड के कार्यपालन यंत्री ने रिटायरमेंट से एक दिन पहले बिना किसी सुनवाई, बिना किसी मौके के आनन-फानन में 6 मकानों की लीज निरस्त कर दी। जिन दुकानों से 40 साल से परिवारों का चूल्हा जल रहा था, उन पर ताले लटक गए हैं। दुकान में काम करने वाले मजदूर बेरोजगार हो गए हैं। सवाल यह है कि जब भरहुत नगर कॉलोनी 40 साल पहले बसाई गई थी, तब हाउसिंग बोर्ड ने यहां एक भी मार्केट क्यों नहीं बनाया? व्यावसायिक गतिविधियों के लिए कोई जगह क्यों नहीं छोड़ी? तब मजबूरी में लोगों ने 60 फीट चौड़ी मुख्य सड़क के किनारे अपनी ही जमीन पर छोटी-छोटी दुकानें बनाकर अपने बच्चों का पेट पालना शुरू किया। बोर्ड 40 साल तक सोता रहा और अब जब लोगों ने अपना सब कुछ लगा दिया, तो नियमों का डंडा चलाकर उन्हें सड़क पर ला दिया। कार्रवाई के बाद कॉलोनी में हाहाकार मचा है। किराना दूध सब्जी मेडिकल की दुकानें बंद होने से हजारों रहवासियों को रोजमर्रा की चीजों के लिए 2-2 किलोमीटर भटकना पड़ रहा है। बुजुर्ग महिलाएं और बच्चे सबसे ज्यादा परेशान हैं। आक्रोशित रहवासियों ने कहा कि यह कार्रवाई नहीं गरीब और मध्यम वर्गीय दुकानदारों की रोजी-रोटी पर हमला है। रहवासियों ने कलेक्टर से हस्तक्षेप की मांग की है। उनकी दो दूक मांग है- भरहुत नगर कॉलोनी को तत्काल फ्री-होल्ड किया जाए ताकि हाउसिंग बोर्ड की गुलामी खत्म हो। निरस्त की गई 6 लीज तत्काल बहाल की जाए और 24 लोगों को दिए गए नोटिस वापस लिए जाएं। रहवासियों ने चेतावनी दी है कि अगर 7 दिन में लीज बहाल नहीं हुई तो वे हाउसिंग बोर्ड कार्यालय का घेराव करेंगे और कलेक्टर कार्यालय के सामने भूख हड़ताल पर बैठेंगे।

पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने विधायक निवास में की जनसुनवाई

243 आवेदनों पर लोगों की समस्याएं सुनीं, निराकरण के दिए निर्देश

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश शासन के पूर्व राज्यमंत्री एवं



नरसिंहपुर जिले के पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल ने विधायक निवास में जनसुनवाई आयोजित की जिलेभर से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याओं से संबंधित 243 आवेदन प्रस्तुत किए जालम सिंह पटेल ने प्रत्येक आवेदक से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं एवं मांगों को विस्तार से सुना। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर पात्र प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई एवं

निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, बिजली, सड़क, पानी, आवास, पेंशन, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित विभिन्न विषयों से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर जालम सिंह पटेल ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान करना जनप्रतिनिधियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आने वाले लोगों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए परेशान न होना पड़े, इसके लिए संबंधित अधिकारियों तक उनकी बात पहुंचाकर समाधान का प्रयास किया जाता है जनसुनवाई में

बड़ी संख्या में महिला-पुरुष एवं ग्रामीणजन पहुंचे। लोगों ने अपनी समस्याएं आवेदन के माध्यम से प्रस्तुत कीं जालम सिंह पटेल ने अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उक्त जानकारी देते हुए विधायक मंडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान उपस्थित लोगों ने अपनी समस्याओं को सीधे पूर्व राज्यमंत्री के समक्ष रखने का अवसर मिलने पर संतोष व्यक्त किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आज जिले में होंगी विभिन्न गतिविधियां

नरसिंहपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छ, स्वस्थ एवं हरित वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से जिलेवासियों को स्वच्छता अपनाने, नशे से दूर रहने, पर्यावरण की रक्षा करने तथा स्वस्थ एवं बेहतर समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया जाएगा। इसी क्रम में 2 अक्टूबर को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विभागों द्वारा स्वच्छता, नशामुक्ति जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सेवा संकल्प अभियान के तहत जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जिले के समस्त छात्रावासों में छात्रावास परिसर की स्वच्छता एवं सफाई का विशेष अभियान चलाया जाएगा। छात्रावास परिसरों को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने के साथ विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता विकसित करने का संदेश दिया जाएगा। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा बीज निगम, गाइडराना में ‘स्वच्छता ही सेवा’ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता के महत्व को रेखांकित करते हुए

परिसर की साफ-सफाई एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए जनजागरूकता का संदेश दिया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिले के सभी स्कूलों में नशामुक्त भारत जागरूकता एवं स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशे से दूर रहने तथा स्वच्छता के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया जाएगा। विद्यार्थियों के माध्यम से परिवार एवं समाज तक नशामुक्ति और स्वच्छता का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जिले के समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों में स्वच्छता एवं सफाई कार्य किया जाएगा। स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से परिसर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चाचरपाठा परियोजना क्षेत्र में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार तथा पौधों के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया जाएगा।

सतना की जर्जर सड़कों को लेकर शिवसेना ने खोला मोर्चा

सतना। शहर की जर्जर सड़कों भ्रष्टाचार और नगर निगम की लापरवाही को लेकर शिवसेना ने मोर्चा खोल दिया है और जयसतम चौक में धरने में बैठ गई है। शिवसेना के जिला अध्यक्ष आलोक शर्मा ने मुख्यमंत्री के नाम एक मांग पत्र जारी कर 7 सूत्रीय मांगों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है उन्होंने कहा जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होती तब तक हम धरने पर बैठे रहेंगे और उसके बाद भी अगर मांग पूरी नहीं हुई तो हम आंदोलन करने में मजबूर हो जाएंगे सरकार के खिलाफ। शर्मा ने कहा कि सतना शहर की सड़कों की हालत बद से बदतर हो गई है। गड्डों के कारण रोज हानिसे रहे रहे हैं और जनता परेशान है, लेकिन नगर निगम और जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं। शहर की सभी जर्जर सड़कों की तत्काल मरम्मत कर गड्डों को भरकर यातायात के लिए सुरक्षित बनाया जाए। रेस्टोरेशन घोटाले की जांच हो



रेस्टोरेशन के नाम पर खर्च की गई करोड़ों की राशि की जांच कराई जाए। हाल ही में जिन सड़कों का रेस्टोरेशन हुआ है, उनकी गुणवत्ता की तकनीकी जांच हो। हाइड्रोलिक मशीन की जांच हो नगर निगम में करोड़ों की लागत से खरीदी गई हाइड्रोलिक मशीन की उपयोगिता और कार्यक्षमता की जांच हो। हाल ही में आगजनी की घटना में मशीन प्रभावी रूप से काम क्यों नहीं आई इसकी भी जांच जरूरी है। लवार्धन योजना से उखड़ी सड़कों का रेस्टोरेशन हो जलवर्धन योजना के कार्यों की समीक्षा की जाए।

पाइपलाइन डालने के बाद क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का व्यवस्थित रेस्टोरेशन किया जाए ताकि नागरिकों को परेशानी न हो। सड़क निर्माण में गुणवत्ता की निगरानी के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए और लापरवाही मिलने पर संबंधित एजेंसी व अधिकारियों में नियमानुसार कार्रवाई हो। कार्यों में पारदर्शिता लाई जाए शहर में चल रहे सभी सड़क कार्यों की स्थिति लागत ठेकेदार का नाम और कार्य पूरा होने की अवधि सार्वजनिक की जाए।

एनटीपीसी-विंध्याचल द्वारा 03 कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने पर दी गई गरिमामयी विदाई

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)

एनटीपीसी-विंध्याचल परियोजना मे दिनांक 30.09.2026 को अपनी दीर्घ सेवा देने के पश्चात कुल 03 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी इस प्रकार से हैं - - श्री राधाकांत हालदार, अभियंता एस एल पीएस (प्रचालन), श्री राजकुमार, अभियंता एस एल पीएस (बीएमडी), श्री देवपति सिंह, प्रचालक (फ्यूल हैंडलिंग)। सर्वप्रथम सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी द्वारा उमंग भवन के प्रांगण मे पर्यावरण संरक्षण की प्रतिबद्धता को दोहराते हुये वृक्षारोपण किया गया। इसके पश्चात सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी का सम्मान परियोजना के उमंग भवन सभागार में किया गया। स्वागत की कड़ी में कार्यकारी निदेशक(विंध्याचल) श्री किशोर कुमार पश्चात एवं महाप्रबंधक(प्रचालन एवं अनुरक्षण) श्री एम सुरेश ने सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों का



पुष्पमाला से स्वागत किया। साथ ही परियोजना की युनियन/एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भी पुष्पमाला पहनाकर अतिथि कर्मचारियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक(विंध्याचल) श्री किशोर कुमार होता ने सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि एनटीपीसी-विंध्याचल को वर्तमान ऊंचाइयों तक पहुंचाने में आपके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा और एनटीपीसी-

विंध्याचल सदा ही आपकी सेवा के लिए आपका कृतज्ञ रहेगा। साथ ही महाप्रबंधक(प्रचालन एवं अनुरक्षण) श्री एम सुरेश ने भी सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को अपने जीवन की नई पारी की नए सिरे से शुरुआत करने हेतु शुभकामनायें दीं तथा सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इसी कड़ी मे विभागाध्यक्षों ने भी सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को शुभकामनायें दीं तथा सभी के उत्तम स्वास्थ्य

की कामना की। सम्मान की कड़ी में सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों का कार्यकारी निदेशक(विंध्याचल) श्री किशोर कुमार होता एवं अन्य महाप्रबंधकगणों द्वारा श्रीफल, शाल एवं स्मृति-चिन्ह से सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को एनटीपीसी मे उनके द्वारा दी गई दीर्घ सेवाओं के लिए दीर्घ सेवा प्रमाण-पत्र आदि भी प्रदान किया गया । तत्पश्चात सेवानिवृत्त कर्मचारीगण ने भी मंच पर आकर अपने अनुभव साझा किए और एनटीपीसी के साथ बिताए गए समय को अविस्मरणीय बताया। उन्होंने कहा कि उनकी पहचान एनटीपीसी के कारण ही बनी है और वे सदैव इसकी आभारी रहेंगे। उन्होंने सहकर्मियों के सहयोग और स्नेह के लिए विशेष धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्षगण, युनियन एवं एसोसिएशन प्रतिनिधिगण, संबंधित विभागों के कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित रहे।

सितंबर माह में एनसीएल से सेवानिवृत्त हुए 40 कर्मी

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)

सोमवार को सिंगरौली स्थित कोल इंडिया की अनुपंगी कंपनी नॉर्डन कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) से सितंबर माह के अंत में 4 अधिकारी और 36 कर्मचारी सहित कुल 40 कर्मी सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर एनसीएल मुख्यालय में सेवानिवृत्त कर्मियों के सम्मान में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यालय से महाप्रबंधक (खनन/सीईटीआई), राजन मेक, सीएमएस, केंद्रीय चिकित्सालय, डॉ संगीता तिवारी और पंप ऑपरेटर, नगर प्रशासन (सिविल), किशन चंद सेवानिवृत्त हुए।



अभिनंदन समारोह के दौरान एनसीएल सीएमडी, एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन), मनीष कुमार, निदेशक (तकनीकी), आशुतोष द्विवेदी, मुख्यालय से महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्षगण, अधिकारी, कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन उपस्थित रहे। इस दौरान अपने उद्बोधन में सीएमडी

एनसीएल, एन. फ्रैंकलिन जयकुमार ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अनुभवी कर्मियों की विदाई कंपनी के लिए एक बड़ी क्षति है, और उन्होंने एनसीएल की सफलता में उनके उकृष्ट योगदान की सराहना की। इसी क्रम में निदेशक (मानव संसाधन), मनीष कुमार और

निदेशक (तकनीकी), आशुतोष द्विवेदी ने भी सेवानिवृत्त कर्मियों के सुखद एवं मंगलमय भविष्य की कामना करते हुए उन्हें जीवन की नई पारी के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। अभिनंदन समारोह के दौरान सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों ने भी अपने सेवाकाल के अनुभव साझा किए। उन्होंने एनसीएल और कोल इंडिया परिवार के प्रति आभार जताया एवं कंपनी की उत्तरोत्तर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एनसीएल की विभिन्न परियोजनाओं एवं इकाइयों में भी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के सम्मान में विदाई एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किए गए।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर					
सार्वजनिक उद्घोषणा					
रा.मा.क्र. 283 अ-20(1) सन् 2026-27					
एतद द्वारा सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची मे उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितवद्ध व्यक्ति दिनांक 23/10/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर मे इस न्यायालय के समक्ष या स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।					
नजूल शीट क्रमांक	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लॉट नं.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में अंकित/धारक/ धारकों का नाम/ पिता/माता/ पिता का नाम तथा पूर्ण पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता/ माता/ पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
1	2	3	4	5	6
15	कंदेली	4/31	2531 वर्गफुट	नীর वन्द एन.पी. प्रजापति निवासी शहडोल हाल मुकाम कन्देली	नীর वन्द एन.पी. प्रजापति निवासी शहडोल हाल मुकाम कन्देली
आज दिनांक 03/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।					
नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर					

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर					
सार्वजनिक उद्घोषणा					
रा.मा.क्र. /अ-6/सन् 2026-27					
एतद द्वारा सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची मे उल्लेख अनुसार फौली के आधार पर नामांतरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितवद्ध व्यक्ति दिनांक 16/10/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर मे इस न्यायालय के समक्ष या स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।					
नजूल शीट क्रमांक	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लॉट नं.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में अंकित/धारक/ धारकों का नाम/ पिता/माता/ पिता का नाम तथा पूर्ण पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता/माता/ पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
1	2	3	4	5	6
16	कंदेली	48/3	639.7 वर्गफुट	श्रीमति आरती गुप्ता पति अरुण गुप्ता सा. कंदेली	अरुण गुप्ता आ. गुप्तापति अरुण गुप्ता सा. कंदेली
आज दिनांक 29/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।					
नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर					

महुआ लहान को कराया नष्ट

मण्ड ला (स्वतंत्रमत) । आबकारी दल ने ग्राम गोंझी के जंगल क्षेत्र में अवैध रूप से शराब निर्माण करने वाले अड्डों पर दबिश दी। कार्यवाही के दौरान मौके से लगभग 120 डब्बों में भरा महुआ लहान बरामद किया गया। प्रत्येक डब्बे में लगभग 10 किलोग्राम महुआ लहान पाया गया जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इस प्रकार कुल 1200 किलोग्राम महुआ लहान नष्ट किया गया। इसके साथ ही शराब निर्माण में प्रयुक्त बर्तनों को भी घटनास्थल पर नष्ट किया गया आबकारी बल को देखकर अवैध शराब निर्माण में संलिप्त व्यक्ति मौके से फरार हो गए जिनकी तलाश की जा रही है।

श्रमिक संवाद से अनुभव साझा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। सेवा संकल्प अभियान के तहत वडनार-वाराणसी यात्रा के अंतर्गत मंडला पहुंचे बाइकर्स की उपस्थिति में निर्माणधीन मेडिकल कॉलेज ग्राम खैरी में श्रमिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल एवं कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपत्तिया उइके ने श्रमिकों से संवाद कर शासन द्वारा संचालित श्रमिक हितैषी योजनाओं एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी ली यात्रा के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में गुजरात से सांसद श्री प्रभु वसावा भी निरंतर उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री दौरे पर निरीक्षण

मण्ड ला (स्वतंत्रमत) । मुख्यमंत्री के जिले के प्रस्तावित दौरे को लेकर कलेक्टर ने खैरी पहुंचकर प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम के दृष्टित की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की कलेक्टर ने स्थल पर आवागमन, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को सभी तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

विधिक जागरूकता कार्यक्रम

मण्ड ला (स्वतंत्रमत) । मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कमल जोशी के निर्देशन तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तपन धारणा के मार्गदर्शन में ग्राम सिंगौधा एवं पड़रिया में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी विजय कुमार खोब्रागड़े, पैरालीगल वालेंटियर श्रीमती शिखा श्रीवास्तव, ग्राम पंचायत के सरपंच एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

एक दिवसीय कुंडीय यज्ञ सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट में अनन्त चतुर्दशी के अवसर पर गात्रत्री परिवार के तत्वावधान में एक कुंडीय यज्ञ आयोजित किया गया। छात्र-छात्राओं और संस्थान के स्टाफ ने सहभागिता की कार्यक्रम प्राचार्य के मार्गदर्शन एवं श्रीमती अनुपमा उपाध्याय के नेतृत्व में संपन्न हुआ। आयोजन में वेद प्रकाश गुप्ता सहित स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। छात्राओं नैना, सान्या, प्रतिमा, दिशा, महक, वंशिका,मीना पवित्रा, ज्योति, प्रियंका, साक्षी, श्रेयांस, शिवनारायण, ओमश्री, नरेंद्र, रूपेश व अन्य छात्राओं व छात्रों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई यज्ञ के दौरान प्रतिभागियों ने एक बुराई छोड़ने का संकल्प लिया।

तरु मित्र फाउंडेशन का पौधारोपण

मण्डला/नारायणगंज। तरु मित्र सोशल फाउंडेशन सोसायटी द्वारा हर गुरुवार पौधारोपण किया जाता है। इसी कड़ी में वन विभाग टिकरिया के परिसर में वृक्षारोपण किया गया। रंजर मयंक उपाध्याय की मौजूदगी में फाउंडेशन के सदस्यों ने अशोक एवं गुलमोहर के सात पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर रंजर मयंक उपाध्याय ने पौधारोपण के महत्व एवं पौधों की देखभाल संबंधी जानकारी दी।

जनता का दर्द समझो न समझो साहब अपने कर्मचारी का दर्द तो समझ ही सकते हो! क्यों कर रहे हो पटवारियों को प्रताड़ित

फोटो एमडीएल-01,02

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला पटवारी संघ के अध्यक्ष गीतेन्द्र गीतू बैरागी ने राजस्व विभाग के अधिकारियों पर आरोप लगाए हैं उनका कहना है कि उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है। पहले पुराना प्रकरण निकालकर उसमें जांच बैठाने की बात करते हुए नोटिस भेजा गया जिस पर जबाब देने के बाद भी निराकरण नहीं किया गया और अब पुनः उसी मामले में वर्तमान एसडीएम द्वारा नोटिस भेजा रहा है। जबकि इस मामले के समस्त दस्तावेज की मांग सूचना अधिकार के अंतर्गत की जा रही है। जिसकी जानकारी अभी तक नहीं मिली है। यही नहीं उनका वेतन भी रोका जा चुका है। जिला प्रशासन पटवारी संघ की एकता को तोड़ने के लिए तरह-तरह से पटवारियों को परेशान कर रहा है। इसके पहले भी पटवारी संघ के अनेक पदाधिकारी और सदस्यों पर औचित्यहीन कार्यवाही की जा चुकी है। श्री बैरागी ने बताया कि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मंडला के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत कर आरटीआई के तहत मांगे गए दस्तावेजों की सत्य प्रतियां उपलब्ध नहीं होने के संबंध में स्पष्टीकरण दिया है। पटवारी ने अपने आवेदन में कहा है कि संबंधित पत्रों के माध्यम से मांगी गई



जानकारी और दस्तावेजों की प्रतियां प्राप्त नहीं होने के कारण वे निर्धारित समयावधि में अपना संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं कर पा रहे हैं। आवेदन में बताया गया है कि कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मंडला द्वारा जारी पत्र क्रमांक आ.वि.अ./प्र.-1/2026/1390, दिनांक 23 सितंबर 2026 तथा पूर्व में जारी पत्र क्रमांक आ.वि.अ./अ./2026/321/ए, दिनांक 9 मार्च 2026 के संदर्भ में संबंधित कार्रवाई की जा रही है। पटवारी के अनुसार 23 सितंबर को शाम करीब 5:43 बजे उन्हें तहसील कार्यालय मंडला में तहसील कार्यालय के पदस्थ माल जमादार के

माध्यम से कारण बताओ नोटिस प्राप्त हुआ पटवारी गीतेंद्र बैरागी ने अपने आवेदन में कहा है कि संबंधित कारण बताओ नोटिस में पूर्व पत्र का उल्लेख करते हुए जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके संबंध में वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए उन्होंने दोनों संदर्भित पत्रों को जारी किए जाने से संबंधित शिकायत आवेदन सहित प्रकरण के संपूर्ण दस्तावेजों की सत्य प्रतियां सूचना के अधिकार के तहत मांगी थीं। आवेदन के मुताबिक इन दस्तावेजों की सत्य प्रतियां प्राप्त करने के लिए उन्होंने स्वयं तथा अपने अधिकृत अधिकर्ता अविनाश



अग्रवाल के माध्यम से संबंधित कार्यालयों में आवेदन प्रस्तुत किए। दस्तावेजों के लिए निर्धारित शुल्क भी जमा किया गया।

आवेदन 14 मार्च 2026 और 18 मार्च 2026 को कार्यालय में जमा किए जाने का उल्लेख है। इसके बावजूद आवेदनकर्ता का कहना है कि मांगी गई दस्तावेजों की प्रतियां अभी तक उपलब्ध नहीं कराई गई हैं पटवारी ने यह भी बताया कि सूचना के अधिकार के तहत निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद लोक सूचना अधिकारी द्वारा दस्तावेजों की प्रतियां उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की गई थी। इसके लिए उन्होंने चालान रसीद के माध्यम से राशि भी जमा

की लेकिन इसके बावजूद संबंधित अधिकारियों की प्रतियां उपलब्ध नहीं होने से उनके लिए पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करते हुए जवाब तैयार करना मुश्किल हो रहा है। आवेदन में पटवारी ने कहा है कि संदर्भित दोनों पत्रों में से एक पत्र का उल्लेख करते हुए दोबारा नोटिस जारी किया गया है जबकि संबंधित प्रक्रिया को शुरू हुए लगभग छह माह से अधिक समय बीत चुका है। उनका कहना है कि पूर्व में भी उन्होंने दस्तावेज उपलब्ध कराने की मांग की थी लेकिन अपेक्षित अभिलेख प्राप्त नहीं हो सके। पटवारी ने अपने आवेदन में यह भी उल्लेख किया कि 18 सितंबर 2026 को तहसील मंडला के

समस्त पटवारियों द्वारा उनके साथ कथित तानाशाही गुंडागर्दी तथा मानसिक प्रताड़ना संबंधी शिकायत जिला कलेक्टर मंडला के समक्ष सामूहिक रूप से प्रस्तुत की गई थी। इसके बाद उन्होंने 23 सितंबर 2026 को जारी पत्र का उल्लेख करते हुए यह आरोप लगाया कि उनके प्रति दृष्टित भावना से कार्रवाई किए जाने की स्थिति बन रही है। हालांकि यह संबंधित पक्ष की ओर से आवेदन में व्यक्त की गई बात है। पटवारी ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व से अनुरोध किया है कि आरटीआई के तहत मांगे गए दस्तावेजों की संपूर्ण सत्य प्रतियां संबंधित कार्यालय तहसील अभिलेखागार तथा वर्तमान में पदस्थ पटवारी के पास उपलब्ध अभिलेखों से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा है कि दस्तावेज प्राप्त होने के बाद उन्हें और उनके अधिकृत अधिकर्ता को मामले का अध्ययन कर जवाब प्रस्तुत करने के लिए कम से कम 15 दिन का अतिरिक्त समय दिया जाए। उन्होंने आवेदन में यह भी अनुरोध किया है कि दस्तावेज उपलब्ध होने के बाद ही संबंधित पत्रों में उल्लेखित अभिलेखों की वास्तविक स्थिति स्थल और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं को स्पष्ट करते हुए अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाए।



मण्डला /मवई (स्वतंत्रमत)। नेशनल हाईवे-30 पर चारटोला टोल प्लाजा के पास सड़क की बदहाल स्थिति से नाराज ग्रामीणों ने गुरुवार को चक्काजाम कर विविध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने हाईवे पर जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्ढों और सड़क सुधार के नाम पर खोदे गए खुले गड्ढों को लेकर नाराजगी जताई। प्रदर्शन के कारण हाईवे पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही और दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई ग्रामीणों का कहना है कि चारटोला टोल प्लाजा के आसपास हाईवे की सड़क लंबे समय से खराब स्थिति में है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं जिनसे वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार सड़क सुधार के लिए कुछ स्थानों पर गड्ढे खोदे गए हैं, लेकिन उन्हें व्यवस्थित तरीके से बंद नहीं किया गया है। ऐसे में रात के समय दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने टोल वसूली को लेकर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि जब हाईवे की सड़क ही सुरक्षित और सुगम नहीं है तथा वाहन चालकों को गड्ढों से होकर गुजरना पड़ रहा है तो उनसे टोल किस आधार पर वसूला जा रहा है।

सेवा संकल्प यात्रा पहुंची सलवाह हुआ महिला हितग्राही सम्मेलन

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत) ।

सेवा संकल्प यात्रा भाजपा सलवाह मंडल पहुंची जहां महिला हितग्राही सम्मेलन आयोजित किया गया सलवाह मंडल अध्यक्ष राजकुमार चौकसे ने बताया कि सम्मेलन में महिलाओं से उनके जीवन के अनुभव साझा किए गए और यह जानकारी ली गई कि उन्हें किन-किन सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है तथा कौन-सी योजनाओं का लाभ अभी नहीं मिल पाया है। महिला हितग्राहियों ने उज्ज्वला गैस योजना किसान सम्मान निधि लाइली बहना योजना और पेंशन योजना सहित विभिन्न योजनाओं से मिल रहे लाभों की जानकारी दी सलवाह मंडल के कार्यक्रम के बाद भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा एवं जिला यात्रा प्रभारी विकास यादव ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ सेवा संकल्प यात्रा को डिंडोरी जिले



के अमरपुर के लिए रवाना किया। अमरपुर में युवा मोर्चा प्रदेश महामंत्री राकेश परस्ते एवं अन्य पदाधिकारियों को यात्रा की जिम्मेदारी सौंपी गई। यात्रा के दौरान बारडोली सांसद प्रभु भाई वसावा, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. संजय कुशराम, पूर्व मंत्री देवसिंह सैयाम, पूर्व विधायक डॉ. शिवराज शाह, अजंजा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज मरकाम, जिला महामंत्री नरेश चंद्रोल,

जिला उपाध्यक्ष जयदत्त झा, श्रीमति कौशल्या मरावी, जनपद अध्यक्ष घुघरी जनिया बाई, डॉ. विजय आनंद मरावी सहित पार्टी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सर्वप्रथम भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने सेवा संकल्प कलश यात्रा में मां नर्मदा का जल अर्पित किया। इसके बाद यात्रा रामनगर की ओर रवाना हुई। बायपास स्थित बब्बू ढाबा के सामने बाइकर्स एवं कार्यकर्ताओं

ने पुष्पवर्षा कर सेवा यात्रियों का स्वागत किया। तत्पश्चात् सेवा संकल्प यात्रा पदमी चौराहा पहुंची जहां शहीद उमराव सिंह लोधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान बाइकर्स यात्रियों को शहीद उमराव सिंह लोधी के जीवन और योगदान की जानकारी दी गई। इसके बाद यात्रा रामनगर के लिए रवाना हुई। रामनगर चौराहे पर अंजनिया मंडल के कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया सेवा संकल्प यात्रा गोंड शासन के ऐतिहासिक रामनगर महल पहुंची। घुघरी से करीब 10 किलोमीटर पहले युवा कार्यकर्ताओं और बाइकर्स ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। इसके बाद यात्रा घुघरी में आयोजित लाभार्थी सम्मेलन में पहुंची। यहां घुघरी मंडल के कार्यकर्ताओं ने यात्रा का स्वागत किया। सांसद प्रभुभाई वसावा सहित जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों से सीधा संवाद किया।

नमो गाथा नाटक का हुआ मंचन



मण्डला/नारायणगंज।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत भारतीय संस्कृति संचालनालय के तत्वावधान में जिले के विभिन्न स्थानों पर नमो गाथा नाटक एवं नुक्रड़ नाटक का मंचन किया गया। इसी क्रम में ब्लॉक नारायणगंज के बस स्टैंड

परिसर तथा ब्लॉक बीजाडांडी में कार्यक्रम आयोजित किए गए जहां स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की संस्कृति संचालनालय के नोडल के मार्गदर्शन में सुयश लोकर्ग संस्थान की टीम द्वारा नुक्रड़ नाटक के माध्यम से सामाजिक

साड़ी से किसी ने बनाया श्रग तो किसी ने लहंगा

मण्डला (स्वतंत्रमत) ।

नारी विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित साड़ी ड्रेपिंग प्रतियोगिता में महिलाओं ने उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता की। नारी विकास समिति की प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य यह था कि एक ही साड़ी को कितने अलग-अलग अंदाज और शैलियों में पहनकर उसे नया आयाम दिया जा सकता है। महिलाओं ने अपनी प्रतिभा से इस विचार को साकार कर दिखाया किसी ने साड़ी को श्रग का रूप दिया तो किसी ने पारंपरिक लहंगे का खूबसूरत रूप प्रदान किया इंडो-वेस्टर्न से लेकर पारंपरिक परिधानों तक विभिन्न शैलियों ने



कार्यक्रम में आकर्षण बढ़ाया प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिली रॉय ने प्राप्त किया उन्होंने ओड़िया शैली में साड़ी को बेहद खूबसूरत और गरिमापूर्ण अंदाज में प्रस्तुत किया द्वितीय स्थान संगीता तिवारी ने प्राप्त किया जिन्होंने इंडो-वेस्टर्न शैली में साड़ी को आकर्षक रूप दिया तृतीय स्थान माया डोंगसरे ने प्राप्त किया उन्होंने साड़ी को श्रग स्टाइल में पहनकर उसे एक खूबसूरत और स्टाइलिश परिधान

का रूप दिया। चतुर्थ स्थान नीता डोंगसरे ने प्राप्त किया जिन्होंने साड़ी से पारंपरिक लहंगा तैयार कर उसे गरिमामय ड्रेस का रूप प्रदान किया पांचवें स्थान पर ज्योति वीरानी रही जिनकी इंडो-वेस्टर्न साड़ी विद दुपट्टा ने सभी की खूब वाहवाही बटोरी अन्य प्रतिभागियों ने भी अपनी-अपनी रचनात्म कता के साथ बेहद सुंदर और स्टाइलिश साड़ी ड्रेपिंग प्रस्तुत की कार्यक्रम का संचालन अर्चना जैन ने अपने

आकर्षक एवं प्रभावी अंदाज में किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल की जिम्मेदारी अंजना चौरसिया एवं अनीता दुबे ने संभाली कार्यक्रम में साड़ी ड्रेपिंग के साथ म्यूजिकल चेयर रेस एवं तंबोला जैसे मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया। विजेताओं एवं प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण अर्चना जैन एवं मिली रॉय के सौजन्य से किया गया।

सफाईकर्मियों की मेडीकल जांच, बांटे उपकरण

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्रमत) ।

स्वच्छता महासंकल्प अभियान एवं स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत नगर परिषद बम्हनी बंजर द्वारा सफाई मित्रों की सुरक्षा स्वास्थ्य एवं कल्याण को ध्यान में रखते हुए सफाई मित्र सुरक्षा शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य सफाईकर्मियों को कार्यस्थल पर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ उनके स्वास्थ्य की जांच और आवश्यक सुविधाओं से जोड़ना रहा शिविर के दौरान नगर परिषद में कार्यरत सफाई मित्रों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच की गई। चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श देते हुए बेहतर



स्वास्थ्य के लिए जरूरी सावधानियों की जानकारी दी गई। सफाई कर्मियों को कार्य के दौरान सुरक्षा उपकरणों के उपयोग व्यक्तिगत सुरक्षा तथा स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी प्रदान की गई साथ ही उन्हें आवश्यक पीपीटी किट वितरित किए गए शिविर के दौरान सफाई मित्रों के साथ भोजन कार्यक्रम भी

आयोजित किया गया कार्यक्रम को जीरो वेस्ट की अवधारणा पर आधारित रखा गया इसके माध्यम से स्वच्छता के साथ-साथ अपशिष्ट को कम करने और संसाधनों के बेहतर उपयोग का संदेश दिया गया नगर परिषद द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सफाई मित्रों की सुरक्षा और

टेक्निकल, अग्निवीर ट्रेड्समैन 10वीं पास और अग्निवीर ट्रेड्समैन 8वीं पास। इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज, सागर म.प्र. में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के लिए रैलियां आयोजित की जा रही हैं। अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कोपर (टेक्निकल) - 11 अक्टूबर 2026, अग्निवीर महिला म.प्र. जनरल ड्यूटी - 14 अक्टूबर 2026 प्रवेश पत्र और जरूरी निर्देश सेना द्वारा जून 2026 में आयोजित ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन में उत्तीर्ण उम्मीदवारों को ही शारीरिक दक्षता सहित भर्ती प्रक्रियाओं में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।

नैनपुर नगर पालिका कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बने सुरेश नाथ



नैनपुर (स्वतंत्र मत) ।

नगर पालिका नैनपुर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पद पर सुरेश नाथ का चयन सर्वसम्मति से किया गया। कर्मचारियों ने उम्मीद जताई कि सुरेश नाथ के नेतृत्व में कर्मचारी संघ कर्मचारियों की समस्याओं, अधिकारों एवं हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से नगर पालिका प्रशासन के समक्ष रखेगा तथा कर्मचारियों के हित में सकारात्मक पहल की जाएगी नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुरेश

नाथ ने कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी कर्मचारियों को साथ लेकर संगठन को मजबूत बनाने और उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए प्रयास करेंगे।

इसी तरह कोषाध्यक्ष के पद पर नसीम खान उपाध्यक्ष संतोष हट्टेल, सचिव श्रीमती विद्या डेहरिया को चयनित कर जुम्बेवारी सोपी गई। इस दौरान मंडला नगरपालिका कर्मचारी संघ के अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर, कमाल बैग , मनोज त्रामका , मनोज कुमार,

नैनपुर नगरपालिका संघ के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार पंजवानी, प्रभारी सीएमओ अरूण यादव, मुख्य लिपिक राजकुमार साहू , यशवंत रौतकर, राजस्व निरीक्षक प्रेम चौटेल, लोकस्वास्थ्य प्रभारी नरेश करोंसे , यदुनाथ ठाकुर,गोपी नन्दा, डीसी नन्दा , अभय शुक्ला, बसीम खान, नसीम खान, रोहित चोटेल, नोरेन्द्र झारिया, शिखा राय , बलराम भारद्वाज ,म्वन नन्दा , रंजन राजपूत, नोमेश ठाकुर, घनश्याम ठाकुर, शिवा श्रीवास , सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

मंत्री का थप्पड़

क्या कोई मंत्री जनता के बीच शिकायतों के माहौल में किसी युवक को सरेआम थपड़ मार सकता है? क्या कोई राजनीतिक कार्यकर्ता मंत्री के सामने, मंत्री के परिवार को गालियां देने का दुस्साहस कर सकता है? दिल्ली सरकार के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने आवेश में आकर एक युवक को थपड़ मारा है। यह संज्ञेय और दंडनीय अपराध है। चौतरफा राजनीतिक दबाव के बाद पुलिस ने शिकायत तो दर्ज की है, लेकिन वह ‘गैर-संज्ञेय अपराध सूचना’ (एनसीआर) ही है, जो महज खानापूती है। आम आदमी पार्टी के जिस विधायक जर्नेल सिंह ने सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार की परतें उखाड़ कर मंत्री जी के सामने सब कुछ बेपर्दा कर दिया था, उनके खिलाफ भी पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। मंत्री ने विधायक पर ही 50 लाख की ‘कमीशन’ मांगने का आरोप चप्सा कर दिया है और विभाग के इंजीनियर से पुलिस में भ्रष्टाचार की शिकायत दर्ज कराई है। सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप लगाया गया है। वह प्राथमिकी है या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। मंत्री प्रवेश वर्मा को सफाई है कि जब इंजीनियर और ठेकेदार ने ‘घूस’ देने से साफ इंकार कर दिया, तो ‘आप’ विधायक ने सड़क उखाड़ कर साबित करने की कोशिश की कि देश की राजधानी दिल्ली में सड़कों का निर्माण और उनकी गुणवत्ता ‘खस्ताहाल’ है। वास्तव में देखा जाय तो राजधानी दिल्ली में मॉनसून की बारिश सारी पोल खोल देती है। सड़कों की गुणवत्ता ही ‘खस्ताहाल’ नहीं है, बल्कि गहरे, खुले गड्ढे भी हैं, जो ‘मौत के कुएं’ साबित हो रहे हैं। और फिर विधायक जर्नेल सिंह ने अपने हाथों से सड़क के टुकड़े उखाड़ कर मंत्री के सामने रखे थे, उन पर संबद्ध अधिकारियों और ठेकेदार को तलब क्यों नहीं किया गया? इंजीनियर को तुरंत निलंबित क्यों नहीं किया गया? विधायक ने तो काले, कुरूप सच को नंगा कर दिया था। क्या दिल्ली सरकार ऐसे ठेकेदारों को भी संरक्षण दे रही है? बहरहाल विधायक के सहयोगी युवक ने ‘उखड़ी सड़क’ का वीडियो बनाया, तो उसे थपड़ रसीद कर दिया गया! जब वह यमुना के पानी और सफेद झाग वाले प्रदूषण का मुआयना करने गए थे, तब उन्होंने एक आलाा अधिकारी को सभी के सामने बुरी तरह फटकार लगाई थी। वह ‘थपड़’ से भी करारा दुर्व्यवहार था। क्या नए भारत की, नई भाजपा की, यही नई संस्कृति और राजनीति है? यही नहीं, पंजाब में भाजपा मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को थपड़ मारने वाले फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर रही है, तो क्या ऐसा व्यवहार ‘लोकतांत्रिक’ माना जा सकता है? अर्द्धराज्य दिल्ली ने विधानसभा के लिए केजरीवाल की ‘आप’ के खिलाफ जनादेश दिया था, तो कुछ अपेक्षाएं थीं, कुछ उम्मीदें और आकांक्षाएं थीं, कमोबेश जनता या किसी भी नागरिक को थपड़ मारने का जनमत नहीं दिया गया था। मौजूदा संदर्भ में विधायक ने ‘घूस’ मांगी या नहीं, ‘आप’ के युवा कार्यकर्ता ने मंत्री के परिवार को गालियां दीं या नहीं, ये सभी जांच के विषय हैं। यदि दिल्ली पुलिस तटस्थ, गंभीर होकर जांच करेगी, तो निश्चित रूप से ‘काला यथार्थ’ सामने आएगा, लेकिन लगता नहीं कि पुलिस मंत्री के खिलाफ कुछ जांच करेगी, क्योंकि दिल्ली पुलिस सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है। गृहमंत्री अमित शाह अपनी ही पार्टी की सरकार के मंत्री के खिलाफ कार्रवाई क्यों करेंगे? सवाल तो यह भी है कि यदि विधायक जर्नेल सिंह ने इंजीनियर, ठेकेदार से ‘कमीशन’ मांगी थी, तो उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की धाराओं में पहले ही केस दर्ज क्यों नहीं किया गया? क्या भाजपा की सियासत यही है? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस संदर्भ में सही ही लगते हैं कि यह सत्ता का ऐसा चेहरा है, जिसे वोटर का डर नहीं है। सत्ता से सवाल करोगे, तो इसी तरह थपड़ रसीद किए जाते रहेंगे। विपक्ष इस विषय पर लामबंद हो रहा है और आंदोलन छेड़ने के मूड में है।

पंजाबियों की विवेकशीलता की परीक्षा होंगे आसन्न चुनाव

अश्विनी कुमार

अगले वर्ष के आरंभ में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव राज्य के उथल-पुथल भरे राजनीतिक इतिहास में एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकते हैं। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए, आगामी चुनाव राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के तुरंत-तरीकों और समीकरणों को नए सिरे से परिभाषित कर सकते हैं। स्वतंत्रता के बाद पहली बार पांच प्रमुख राजनीतिक दल सत्ता के लिए चुनावी मैदान में आमने-सामने होंगे। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी यानी आप को चुनौती देने वाले चार विपक्षी दलों में ‘बारिस पंजाब दे’ भी शामिल है। यह एक नवोदित राजनीतिक संगठन है, जिसने अपने सुधारवादी तैवर और राजनीतिक बदलाव के वादे के कारण

ग्रामीण सिख युवाओं के बीच उल्लेखनीय समर्थन हासिल किया है। यह स्थिति पारंपरिक राजनीतिक दलों के प्रति घटती जन-रूचि का भी संकेत देती है। पंजाब की अस्मिता से जुड़े मुद्दों से काफ़ी हद तक लोकप्रियता हासिल करने वाला यह नया राजनीतिक दल–अन्य दलों, विशेषकर अकाली दल, के मत प्रतिशत में सेंध लगा सकता है। हालाँकि, संभवतः वह सत्तारूढ़ दल के लिए गंभीर चुनौती पेश करने की स्थिति में न हो।

फिर भी, चुनावी मैदान में इसकी स्पष्ट उपस्थिति ने पंजाब के राजनीतिक संतुलन को प्रभावित किया है और उग्र राजनीति की वापसी को लेकर आशंकाओं को प्रसन्न दिया है। राजनीतिक प्रासंगिकता पुनः हासिल करने का प्रयास कर रहे अकाली दल

का सिमटता प्रभाव, तेजी से उभरती भाजपा और कांग्रेस द्वारा स्वयं को पहुंचाया गया राजनीतिक नुकसान–इन सभी ने मिलकर पंजाब की राजनीति का चेहरा बदला है। इसके साथ ही, अकाली दल और भाजपा के बीच संभावित गठबंधन चुनाव से पहले और चुनाव के बाद के राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह बदल सकता है। यह गठबंधन आप के सामने प्रमुख चुनौती के रूप में उभर सकता है। इन परिस्थितियों में, खंडित जनादेश और उससे पैदा होने वाली राजनीतिक अस्थिरता की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विभिन्न विकास सूचकांकों पर पंजाब की आ रही गिरावट को तब तक पलटा नहीं जा सकता, जब तक राज्य के पुनर्निर्माण और नवोदय के लिए महत्वपूर्ण नीतियों

पर व्यापक राजनीतिक सहमति न बने। जमीनी परिस्थितियां और एक सुदृढ़ लोकतंत्र की आवश्यकताएं राजनीतिक संवाद में शालीनता तथा संबंधों में मर्यादा-सौहार्द की मांग करती हैं। राजनीतिक नेताओं के बीच संवाद के सौहार्दपूर्ण माध्यम बने रहना आवश्यक है, क्योंकि राज्य के विकास के लिए विवेकपूर्ण नीतियों पर व्यापक सहमति है। यह गठबंधन आप के बीच संवाद और पुनर्र्थान के लिए उपर्युक्त है। शोशल मीडिया पर राजनीतिक नेताओं के बीच सार्वजनिक रूप से होने वाली कटु और अवस्थ्य बहसें, जो अब एक अंतहीन तमाशे का रूप ले चुकी हैं, उनकी व्यक्तिगत विश्वसनीयता को कमजोर कर रही हैं। किसी की प्रतिष्ठा-गरिमा को कर्त्ताकित करना लोकतांत्रिक संवाद के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन है। हिंसक या

भय उत्पन्न करने वाले स्वर में दिया गया वक्तव्य लोकतंत्र की उस सौम्यता और प्रभावकारी शक्ति को कमजोर करता है, जो राजनीतिक और सामाजिक जीवन को व्यवस्थित करने में उसकी केंद्रीय विशेषताएं हैं। इसलिए अब समय आ गया है कि सार्वजनिक संवाद का स्तर ऊंचा उठाया जाए। एक जीवंत और समृद्ध राज्य के रूप में पंजाब को पुनर्र्थान के लिए उपर्युक्त और विशाल हृदय वाले नेतृत्व की आवश्यकता है। आज पंजाब को ऐसा नेता चाहिए, जो स्वयं से ऊपर उठ सके, वंचित और हाशिये पर खड़े लोगों के प्रति करुणा और संवेदनशीलता को शासन का मूल भाव बना सके, सत्ता-प्राप्ति के आकर्षण का प्रतिरोध कर सके।

(लेखक केंद्रीय विधि और न्याय मंत्री रहे हैं)

भारत को वैश्विक पूंजी युद्ध के लिए तैयार रहना होगा

टी.एन. निनान

वैश्वीकरण से पीछे हटती दुनिया में सीमाओं के पार लोगों की आवाजाही पर पहले ही कई तरह के प्रतिबंध बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर वापसी और नीतिगत दबाव के औजार के रूप में शुल्क (टैरिफ) के इस्तेमाल के बाद वैश्विक स्तर पर वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को भी झटका लगना तय है। इसके बाद अगला कदम अंतर देशों की ओर से पूंजी की अनैरराष्ट्रीय आवाजाही पर प्रतिबंधों के रूप में सामने आ सकता है। विकासशील देशों में पूंजी नियंत्रण लंबे समय से सामान्य बात रही है।

इस तरह के बड़े बदलाव की प्राथमिक वजह अमेरिका में दिखाई दे रही है, जहां कंपनियों की बढ़ती कर्ज जरूरत और अमेरिका के बजट घाटे के बीच टकराव बढ़ रहा है। तकनीक और कुत्रिम मेधा (एआई) की दौड़ में आगे चल रही बड़ी कंपनियां कुछ समय पहले तक अपने पूंजीगत खर्च की जरूरतें अपनी कमाई से पूरी कर रही थीं। अब ऐसा नहीं है। निवेश योजनाओं में भारी विस्तार के कारण ये कंपनियां बाजार से बड़ी मात्रा में कर्ज उठा रही हैं। अमेरिका में कॉरपोरेट बॉन्ड जारी किए जाने की मात्रा दो वर्षों में 80 प्रतिशत

बढ़ गई है। दूसरी ओर, संघीय बजट घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 7 प्रतिशत तक पहुंच गया है और इसके जल्द नियंत्रित होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे।

अमेरिका की घरेलू बचत इन बढ़ती पूंजी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। यही वजह है कि अमेरिका दशकों से दुनिया का सबसे बड़ा कर्ज लेने वाला देश बना हुआ है। लेकिन विदेशों से पूंजी की उसकी बढ़ती जरूरत ऐसे समय में सामने आ रही है, जब लगभग सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अमेरिकी प्रतिभूतियों से दूरी बना रही हैं। चीन ने पिछले कुछ वर्षों में अमेरिकी प्रतिभूतियों में अपनी हिस्सेदारी को घाट कर दी है, जबकि अब अमेरिकी प्रतिभूतियों का सबसे बड़ा धारक जापान भी इससे दूरी बनाना शुरू कर चुका है। बजट वार में कारोबार योग्य अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिभूतियों में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 2015 में 30 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 50 प्रतिशत रह गई है। केंद्रीय बैंक जहां अपने डॉलर भंडार में कटौती कर रहे हैं, वहीं उन्होंने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी बढ़ाई है। पिछले साल की रिजर्व परिसंपत्तियों में सबसे बड़ी हिस्सेदारी हासिल कर ली।

एक साल में सोने की कीमत 25 प्रतिशत बढ़ चुकी है और भारतीय अब भी सोने के बड़े खरीदारों में शामिल हैं।

अमेरिकी डॉलर में बढ़ते कर्ज और इस कर्ज को लेकर घटती वैश्विक मांग के बीच इसका स्वाभाविक असर व्याज दरों पर पड़ा है। अमेरिकी ट्रेजरी की व्याज दरें अब दो दशकों के उच्चतम स्तर पर हैं और लगातार बढ़ रही हैं। इसके बावजूद नए अमेरिकी कर्ज की नीलामी में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की हिस्सेदारी पहले के मुकाबले कम हो गई है। पांच साल की ट्रेजरी प्रतिभूतियों पर व्याज दर महज एक महीने में 0.64 प्रतिशत बढ़ गई है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट पिछले कुछ सप्ताह से बाजार को शांत करने के लिए कई प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उनका कोई खास असर नहीं हुआ है।

आगर ऊंची व्याज दरों के बावजूद अमेरिका को दूसरे देशों से अपनी जरूरत के मुताबिक पूंजी नहीं मिलती है तो वह डॉलर की अपूर्ति बढ़ा सकता है। इससे बाजार में अधिक पैसा आने के कारण महंगाई बढ़ सकती है और वास्तविक यानी महंगाई-समायोजित अर्थों में उसके कर्ज का बोझ कम हो सकता है। भारत दशकों से ऐसा करता रहा है। वास्तव में, पश्चिमी देशों का कर्ज बढ़ने के साथ पिछले पांच वर्षों में



अमेरिका में महंगाई पिछले दशक की तुलना में दोगुने से अधिक, यूरोप में तीन गुना और जापान में पांच गुना अधिक रही है। इसे कर्ज के बोझ को नियंत्रित करने के लिए छोड़े गए महंगाई युद्ध के रूप में देखा जा सकता है।

एक और संभावना है– हालांकि अभी यह दूर की बात लगती है, लेकिन पूरी तरह असंभव नहीं है–कि अमेरिका व्यापार की तरह पूंजी के मामले में भी दबाव की नीति अपना सकता है। ट्रंप पहले ही कुछ द्विपक्षीय व्यापार समझौतों में निवेश प्रतिबद्धताओं को शामिल कर चुके हैं। आज वह पूंजी के प्रवाह को अमेरिका में आने के लिए मजबूर कर रहे हैं, कल पूंजी के बाहर जाने पर भी अंकुश लगाया जा सकता है।

इस आशंका को देखते हुए कुछ देशों ने रक्षात्मक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। नीदरलैंड ने पिछले कुछ महीनों में न्यूयॉर्क से 78 टन

सोना लंदन स्थानांतरित किया है। इसके पीछे संभावित ‘भूराजनीतिक अस्थिरता’ को कारण बताया गया। इससे कुछ समय पहले फ्रांस ने भी अमेरिका में रखा अपना पूरा सोना वापस निकाल लिया था। जर्मनी में भी ऐसा ही करने की मांग उठ रही है। कुछ समय पहले तक जिसकी कल्पना भी मुश्किल थी, अब अमेरिकी पूंजी बाजार के लगातार खुले रहने को लेकर भरोसे में मामूली ही सही, लेकिन कमी आने लगी है। इसी बीच यूरोप के विशेषज्ञों ने यूरोपीय पूंजी के अमेरिका जाने को हतोत्साहित करने की वकालत की है, क्योंकि यूरोप को अपने भीतर निवेश करने की जरूरत है। यूरोप की ओर से ऐसा कोई भी कदम उठाए जाने पर वाशिंगटन की ओर से जवाबी कार्रवाई की संभावना लगभग तय मानी जा रही है। ‘फाइनंशियल टाइम्स’ में सितंबर की शुरुआत में प्रकाशित एक शीर्षक–‘पूंजी युद्ध

आ रहे हैं’–इस बदलते माहौल को रेखांकित करता है। इन घटनाक्रमों से भारत को गंभीर चिंता होनी चाहिए। पिछले कुछ वर्षों से पोर्टफोलियो पूंजी भारत से बाहर जा रही है और रुपये के मूल्य में 13 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह गिरावट भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सक्रिय हस्तक्षेप के बावजूद हुई है। इस बीच बढ़ती ऊर्जा कीमतों ने व्यापार संतुलन पर भी दबाव डाला है। प्रमुख शेयर बाजार सूचकांक भी उस स्तर पर लौट आए हैं, जहां वे करीब ढाई साल पहले थे। पिछली बार शेयर बाजार ने इतने लंबे समय तक निवेशकों को निराश 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद किया था।

इन परिस्थितियों में आरबीआई की सबसे बड़ी पहल अनिवार्य भारतीयों (एनआरआई) को आकर्षक व्याज दर और मुद्रा सुरक्षा के साथ जमा योजना की पेशकश करना रही। हालांकि, संभव है कि केंद्रीय बैंक ने इस मामले में कुछ ज्यादा ही उदार रूप अपनाया हो। योजना से अनुमान से दोगुनी राशि–130 अरब डॉलर से अधिक–जमा हुई। एनआरआई जाहिर तौर पर ऐसे ‘मुफ्त फायदे’ को पहचानना जानते हैं। इस योजना की आरबीआई पर लागत मुद्रा विनिमय दर में होने वाले बदलाव पर निर्भर करेगी और

पूरी योजना की अवधि में यह 10 से 20 अरब डॉलर के बीच हो सकती है। इस योजना के आलोचकों ने मुख्य रूप से दो तर्क दिए हैं। पहला, भारत की विदेशी मुद्रा भंडार स्थिति आरामदायक है, जबकि अतीत में एनआरआई को आकर्षक जमा योजनाओं की पेशकश तब की गई थी जब विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति इतनी मजबूत नहीं थी। उस समय मिलेनियम बॉन्ड और रीसर्जेंट इंडिया बॉन्ड जैसी योजनाएं लाई गई थीं। दूसरा तर्क यह है कि इस बार पेश किए गए नियम जरूरत से ज्यादा उदार थे। इनमें दूसरा तर्क अधिक ठोस नजर आता है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाजार में अनिश्चितता और तनाव को देखते हुए किसी तरह के एहतियाती कदम की जरूरत थी।

फरवरी के अंत से अगस्त के अंत तक के छह महीनों में, जब अमेरिका ने ईरान पर हमला किया था, आरबीआई का विदेशी मुद्रा भंडार 50 अरब डॉलर से कुछ अधिक बढ़ा। इस अवधि में एफसीएनआर (बी)–फॉरेंन करेंसी नॉन-रेंजिडेंट (बैंक)–जमा के रूप में करीब 130 अरब डॉलर आए। न तो चालू खाते का घाटा और न ही शुद्ध पूंजी प्रवाह इस अंतर की पूरी तरह व्याख्या कर सकता है। जाहिर है कि आरबीआई

ने पूंजी के देश से बाहर जाने के कारण रुपये की संभालने में बड़ी मात्रा में डॉलर खर्च किए हैं। ऐसे में अतिरिक्त डॉलर हासिल करना किसी नुकसान का सौदा नहीं है। अब दो संभावनाएं बनती हैं। यदि एआई में निवेश का बुलबुला फूटता है तो वैश्विक स्तर पर भारी उथल-पुथल हो सकती है, क्योंकि अमेरिकी शेयर बाजार का हिस्सा वैश्विक बाजार पूंजीकरण में दो–तिहाई से अधिक है। दूसरी ओर, यदि ऐसा नहीं होता और सरकारों तोड़ जारी रहती है तो पूंजी के लिए अभूतपूर्व प्रतिस्पर्धा पैदा होगी। इससे महंगाई बढ़ सकती है और/या देशों के बीच पूंजी के प्रवाह पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इसलिए भारत के लिए विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करना, बजट घाटे और सरकारी कर्ज को कम करके आर्थिक सुरक्षा बढ़ाना तथा देश को निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनाना महत्वपूर्ण है। अतिरिक्त विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल रुपये में अस्थिरता से निपटने और जरूरत पड़ने पर पूंजी के बाहर जाने की स्थिति में किया जा सकता है। इससे उस समय अर्थव्यवस्था की बाहरी भुगतान क्षमता को लेकर भरोसा भी बढ़ेगा, जब यह स्पष्ट नहीं है कि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां किस दिशा में जाएंगी।

गांधी जी चरखा इसलिए नहीं चलाते थे कि उन्हें कपड़ा बुनना अच्छा लगता था, बल्कि चरखा उनके लिए आत्मनिर्भरता का प्रतीक था। उन्होंने कहा था, हर भारतीय अगर अपना कपड़ा खुद बनाएगा, तो लंकाशायर की मिलें खुद बंद हो जाएंगी और यही हुआ।

आज के दौर में जब हम छोटी-छोटी सुविधाओं के लिए अपने सिद्धांतों से

समझौता कर लेते हैं, गांधी हमें सिखाते हैं कि सिद्धांतों पर अडिग रहना ही असली सफलता है।

कुर्सी, पद, लोकप्रियता सब आती-जाती है, पर सिद्धांत अमर रहते हैं। इसीलिए गांधी शरीर से गए, पर उनके सिद्धांत आज भी जीवित हैं। वही एक सच्चे सिपाही की निशानी है – जो युद्ध के बाद भी अपने झंडे को झुकने नहीं देता।

पछतावे में भी जीवन के लिए एक संदेश है अतीत में न जीने का सूत्र सार्थक



ज्योति भास्कर

ज्यादातर लोग पछतावे को एक ऐसी भावना मानते हैं, जिससे बचना चाहिए। हम कहते हैं कि जो हो गया, उसे भूल जाओ या अतीत को बदल नहीं सकते या पीछे मुड़कर देखने से क्या फायदा, और कभी-कभी हम गर्व से यह भी कहते हैं कि मुझे किसी बात का पछतावा नहीं। लेकिन, क्या वास्तव में पछतावे से मुक्त होना हमेशा अच्छी बात है? शायद नहीं। पछतावा इस बात का प्रमाण नहीं है कि हमने अपने जीवन से कुछ सीखा है। हम पीछे मुड़ कर देखते हैं और पहली बार साफ-साफ देख पाते हैं कि कहां हमने गलत

ऐसा किया होता! यही पछतावा है। पछतावा हमारे भीतर एक संदेश लेकर आता है। पछतावा हमारे मूल्यों का एक प्रकार का आईना है कि जिस चीज के खोने का हमें अफसोस है, अवसर वही चीज हमारे लिए वास्तव में महत्वपूर्ण थी। पछतावा यदि सीख में न बदले, तो वह आत्म-दोष बन सकता है। हम बार-बार उसी घटना को याद करते हैं और अपने आप को कोसते रहते हैं कि मैंने ऐसा क्यों किया? इसलिए, पछतावे के साथ व्यवहार करने का एक बेहतर तरीका यह है कि पहले घटना को स्वीकार करें, फिर अपनी भावना को। उसके बाद स्वयं से पूछें कि इस अनुभव से मैं अपने भविष्य के लिए क्या नियम बना सकता हूं।

मैंने अवसर खो दिया-यह पछतावा है। अगली बार डर के कारण अवसर नहीं छोड़ूंगा-यह सीख है। यानी पछतावा तब उपयोगी होता है, जब वह व्यवहार को बदलता है। मैंने कुछ वर्षों को व्यर्थ जाने दिया, इसलिए अब अपने बचे हुए समय के प्रति अधिक सजग रहूंगा। यह दृष्टि अतीत को बदलती नहीं, पर उसका अर्थ बदल देती है। और, कभी-कभी यही हमारे पास उपलब्ध सबसे बड़ी स्वतंत्रता होती है। अतीत हमारा घर नहीं है। वह एक स्कूल है, बशर्ते हम उससे सीखना चाहें। जो बीत गया, उसे बदला नहीं जा सकता, पर उससे मिली सीख आने वाले कल को जरूर बदल सकती है। अपनी गलतियों को स्वीकार करें, खुद को क्षमा करें और हर पछतावे से एक नया सबक लें। अतीत में मत ठहरिए, उससे सीखकर आगे बढ़िए। क्योंकि, पछतावा तब बोझ बनता है, जब हम उसमें जीते हैं और बुद्धि तब बनती है, जब हम उससे सीखते हैं।

न्यूक्लियर टेस्ट पहचानने के लिए यूएस ने जमीन के नीचे किए धमाके

चीन पर लगाया परमाणु परीक्षण करने का आरोप**वाॅशिंगटन**

एनर्जी डिपार्टमेंट ने बताया कि यूएस नेशनल न्यूक्लियर सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन ने बुधवार को नेवादा नेशनल सिक्योरिटी साइट पर जमीन के नीचे बिना परमाणु वाले केमिकल हाई-एक्सप्लोसिव का एक टेस्ट किया। इस टेस्ट का मकसद कम क्षमता वाले परमाणु धमाकों का पता लगाने की अमेरिका की क्षमता को बेहतर बनाना था। खासकर उन धमाकों का, जो भूकंपीय निगरानी की असरदार क्षमता को कम कर सकते हैं।

एनर्जी डिपार्टमेंट के अनुसार, यह टेस्ट एरिया 12 की पी टनल में केमिकल हाई-एक्सप्लोसिव और रेडियोट्रेसर का इस्तेमाल करके किया गया था। एक्सपेरिमेंट के दौरान इकट्ठा किए गए डेटा का इस्तेमाल साइंटिफिक मॉडल को वेरिफाई करने और यूएस के



न्यूक्लियर धमाके का पता लगाने की कोशिशों में इस्तेमाल होने वाले एल्गोरिदम को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा। यह परीक्षण चीन की कथित परमाणु गतिविधियों को लेकर अमेरिका की चिंताओं के बीच हुआ है। इससे पहले इस साल वाॅशिंगटन ने

बीजिंग पर जून 2020 में एक गुप्त परमाणु परीक्षण करने का आरोप लगाया था। आरोप था कि इस परीक्षण में ऐसे तरीकों का इस्तेमाल किया गया था जिनसे भूकंपीय संकेत कम हो सकें। चीन ने इस आरोप को पूरी तरह से बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया और

कहा कि यह अमेरिका द्वारा परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने के लिए बहाने गढ़ने की कोशिश है। परमाणु विस्फोटों का पता लगाने और उनकी निगरानी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच अमेरिका ने हथियारों पर नियंत्रण के लिए एक व्यापक संधि की भी मांग की है।

एफसीआरए संशोधन विधेयक पर जेपीसी की कार्यप्रणाली को लेकर वेणुगोपाल ने बिरला को लिखा पत्र

नयी दिल्ली (वार्ता)

कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखा है। यह विधेयक अगस्त में संसद की मंजूरी के बाद 31 सदस्यीय जेपीसी को विस्तृत जांच के लिए भेजा गया था। श्री वेणुगोपाल ने कहा कि एफसीआरए संशोधन विधेयक बेहद संवेदनशील है और इसके व्यापक प्रभाव हो सकते हैं। उनके अनुसार, विधेयक का असर अल्पसंख्यकों और नागरिक समाज से जुड़े संगठनों के संवैधानिक अधिकारों पर पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि जेपीसी का उद्देश्य सभी संबंधित पक्षों से सुझाव लेना और विधेयक के मसौदे की गहन समीक्षा करना था। कांग्रेस नेता ने पत्र में चिंता जतायी कि क्या समिति ने व्यापक परामर्श और समुचित जांच की प्रक्रिया पूरी की है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष का ध्यान आकर्षित किया है। श्री वेणुगोपाल ने कहा कि जेपीसी से निकलने वाला कोई भी विधेयक त्रुटिरहित होना चाहिए और संसद को यह भरोसा होना चाहिए कि प्रस्तावित कानून व्यापक विचार-विमर्श और कठोर जांच की प्रक्रिया से गुजर चुका है। उन्होंने कहा कि ऐसा सुनिश्चित नहीं होने पर जेपीसी की पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य ही निरर्थक हो जाता है।

ज्योतिषी उन्हें यूएस का राष्ट्रपति भी बना सकते हैं

सचिवालय की योजनाओं को लेकर कनिमोड़ी ने विजय का उड़ाया मज़ाक**चेन्नई**

डीएमके सांसद कनिमोड़ी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ की नई सचिवालय बनाने की योजना पर तीखा तंज कसा। उन्होंने इस कदम को मुख्यमंत्री के ज्योतिषी से जोड़ते हुए मज़ाक उड़ाया और कहा कि हो सकता है कि ज्योतिषी उन्हें अमेरिका का राष्ट्रपति बनाने की भी योजना बना रहे हों। कनिमोड़ी ने मंगलवार को छ्ब्ब के एक कार्यक्रम में ये बातें कहीं। उन्होंने ज्योतिषी रिकी राधन पंडित वेट्टिवेल के साथ मुख्यमंत्री के जुड़ाव पर तंज कसते हुए उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का मज़ाक उड़ाया। 1,200 एकड़ में बनने वाले नए सचिवालय काम्प्लेक्स की योजनाओं का जिक्र करते हुए छ्ब्ब सांसद ने कहा मुझे नहीं पता कि ज्योतिषी ने उनसे क्या कहा लेकिन वे एक नई विधानसभा बनाने जा रहे हैं। इसके बाद उन्होंने



मज़ाक करते हुए कहा कि हो सकता है ज्योतिषी ने विजय से कहा हो कि समुद्र को देखने से ही वह मुख्यमंत्री बन गए थे और उसे दोबारा देखने से वह प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

कनिमोड़ी ने कहा समुद्र के सामने वाले ऑफिस में जाने से पहले वह मुख्यमंत्री हैं। उस ऑफिस में जाने के बाद, शायद वह प्रधानमंत्री बनने की इच्छा रखेंगे। अपनी बात में तंज कसते हुए कनिमोड़ी ने कहा कि ज्योतिषी विजय को राष्ट्रपति बनने के लिए सीधे अमेरिका भेजने से पहले

दिल्ली में ताजमहल या हिमालय देखने की सलाह भी दे सकते हैं। नए सचिवालय के लिए विजय की योजनाओं ने एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। 1,200 करोड़ रुपये की लागत वाले इस प्रस्तावित प्रोजेक्ट को चेन्नई के तटीय इलाके पट्टिनापक्कम में तमिलनाडु हाउसिंग बोर्ड की जमीन पर बनाने की योजना है। इस प्रोजेक्ट को न सिर्फ राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ा है, बल्कि पट्टिनापक्कम और आस-पास के इलाकों में रहने वाले मछुआरा समुदायों ने भी इसका विरोध किया है।

1,500 से ज्यादा मछुआरा परिवार इस जमीन का इस्तेमाल नावों को खड़ा करने, मछली पकड़ने वाले जाल की मरम्मत करने और उन्हें सुखाने, मछलियाँ सुखाने और रोज़ाना बाज़ार लगाने जैसे कार्यों के लिए करते हैं। जहाँ मछुआरों ने चेतावनी दी है कि अगर प्रोजेक्ट आगे बढ़ा तो वे बड़े पैमाने पर विरोध करेंगे, वहीं पट्टिनापक्कम और मरीना लूप रोड इलाके के निवासियों का कहना है कि यह जमीन उनकी आजीविका और पारंपरिक जीवनशैली से गहराई से जुड़ी हुई है।

कनिमोड़ी की बातों ने उस विवाद को फिर से हवा दे दी है जो मई में विजय के अपने ज्योतिषी पंडित वेट्टिवेल को ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटीनियुक्त करने के फैसले के बाद शुरू हुआ था। 10 मई को पद संभालने के दो दिन बाद, विजय ने वेट्टिवेल को OSD नियुक्त किया।

स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, नियमित आदत और सामूहिक जिम्मेदारी : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली, (वार्ता)

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि कहा कि स्वच्छता किसी एक दिन या विशेष अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे नियमित आदत और सामूहिक जिम्मेदारी बनाया जाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने आज %स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026% के तहत आयोजित %एक दिन, एक घंटा, एक साथ% अभियान में कमला

नेहरू रिज पहुंचकर श्रमदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में लोग सेवा के विभिन्न कार्यों में भाग ले रहे हैं। सुबह आठ से नौ बजे के निर्धारित समय में दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में भी हजारों लोगों ने स्वच्छता सहित विभिन्न गतिविधियों में योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि सड़क या सार्वजनिक स्थान पर कचरा फेंकने जैसी छोटी लापरवाही का प्रभाव



आसपास के लोगों और पूरे वातावरण पर पड़ता है। स्वच्छता

व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए प्रशासन और नागरिकों को अपनी-

अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। सफाई कर्मचारियों और संबंधित एजेंसियों को नियमित सफाई सुनिश्चित करनी होगी, वहीं नागरिकों का भी दायित्व है कि वे सार्वजनिक स्थानों को गंदा न करें और सफाई बनाये रखें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कमला नेहरू रिज और विश्वविद्यालय क्षेत्र में विद्यार्थियों, शिक्षकों और नागरिकों के साथ किया गया सामूहिक श्रमदान इसी भावना का उदाहरण है। युवा शक्ति की

भागीदारी स्वच्छता अभियानों को व्यापक जनभागीदारी में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने दिल्लीवासियों से अपने घर, सड़क, गली, पार्क, बाजार और आसपास के सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक घंटे का श्रमदान तभी सार्थक होगा, जब उसके बाद पूरे वर्ष स्वच्छता बनाए रखने की आदत कायम रहे।

फिल्म/टीवी मनोरंजन



शादी मेरी जिंदगी का सबसे बेहतरीन फैसला था : अनिल कपूर

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर ने कहा है कि शादी करना उनकी जिंदगी का सबसे बेहतरीन फैसला रहा है।स्टार प्लस के इंडिया के टॉप 1ब- द अनिल कपूर शो के आगामी एपिसोड में प्यार, रिश्तों और शादी को लेकर दिलचस्प बातचीत देखने को मिलेगी। इस दौरान पुणे के सुमीत मेलबानी ने बताया कि वह पिछले 35 वर्षों से एक मजबूत रिश्ते में हैं, लेकिन उन्होंने और उनकी पार्टनर ने कभी शादी नहीं की। वहीं, बड़ौदा के रोचक सक्सेना ने कहा कि वह सिंगल रहकर खुश हैं और केवल परिवार की इछा पूरी करने के लिए शादी नहीं करना चाहते। शादी को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए अनिल कपूर ने पत्नी सुनीता के साथ अपने सफर को याद किया। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं बोल सकता कि मैंने गलती की है या यह मेरी जिंदगी का सबसे अछा फैसला था। लेकिन मुझे लगता है कि शादी करना मेरी जिंदगी का सबसे बेहतरीन फैसला था। इसी दौरान गुजरात के शुभम बालांडे ने अपनी इछा बताते हुए कहा कि यदि वह एक करोड़ रुपये जीतते हैं तो अपनी पत्नी से दोबारा धूमधाम से शादी करना चाहेंगे और उन्हें दूसरे हनीमून पर ले जाएंगे। उनकी बात सुनकर अनिल ने अपनी शादी के शुरुआती दिनों को याद किया और बताया कि शादी के बाद सुनीता अकेले ही हनीमून पर गई थीं, क्योंकि वह शूटिंग में व्यस्त थे। शुभम की बात पर अनिल ने कहा, आपने मुझे आईडिया दिया कि हनीमून दोबारा प्लान किया जा सकता है।

माधुरी दीक्षित ने शुरु की कोण होणार करोडपती की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने लोकप्रिय क्रिज शो कोण होणार करोडपती के नए सीजन की शूटिंग शुरू कर दी है। माधुरी शूटिंग के पहले दिन खूबसूरत साड़ी और मुस्कान के साथ शो की मेजबान के रूप में नजर आईं। शूटिंग के पहले दिन सामने आई तस्वीरों में माधुरी का पारंपरिक और आकर्षक अंदाज देखने को मिला। अपने अभिनय और नृत्य से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाने वाली माधुरी अब अपनी मातृभाषा मराठी में प्रतिभागियों से संवाद करती नजर आएंगी। शो की मेजबानी के दौरान माधुरी का सहज और आत्मीय अंदाज सवाल-जवाब के खेल के साथ प्रतिभागियों की कहानियों और अनुभवों को भी खास बनाएगा। शूटिंग शुरू होने के साथ ही शो में उनकी नई भूमिका को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। कोण होणार करोडपती का प्रसारण 12 अक्टूबर से सोमवार से शनिवार रात नौ बजे सोनी मराठी पर होगा। शो को सोनी लिव पर भी देखा जा सकेगा।



मेरे लिए स्क्रिप्ट हमेशा सबसे पहले आती है :आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना का कहना है कि फिल्म चुनते समय उनके लिए निर्देशक का अनुभव नहीं, बल्कि कहानी और उसका विजन सबसे अधिक मायने रखता है।आयुष्मान एक दशक से अधिक समय से ऐसी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं, जो पारंपरिक सोच को चुनौती देने के साथ नए निर्देशकों को अपनी रचनात्मक आवाज रखने का अवसर देती हैं। आगामी फिल्म उड़ता तीर के साथ वह पहली फिल्म निर्देशित करने वाले या हिंदी सिनेमा में बतौर निर्देशक पदार्पण करने वाले फिल्मकारों के साथ काम करने वाली सात फिल्मों का सफर पूरा करेंगे।

इस सिलसिले की शुरुआत दम लगा है हंशा में शरत कटारिया के साथ हुई। इसके बाद उन्होंने शुभ मंगल सावधान में आर. एस. प्रसन्ना, डीम गर्ल में राज शांडिल्या, शुभ मंगल यादा सावधान में हितेश केवला, डॉक्टर जी में अनुभूति कश्यप, एन एक्शन हीरो में अनिरुद्ध अय्यर और अब उड़ता तीर में आकाश ए. कौशिक के साथ काम किया है। आयुष्मान ने कहा, मेरे लिए स्क्रिप्ट हमेशा सबसे पहले आती है। मैं यह नहीं देखता कि कोई फिल्ममेकर अपनी पहली फिल्म डायरेक्ट कर रहा है या दसवीं फिल्म। मैं यह देखता हूं कि क्या उसके पास ऐसी कहानी और विजन है, जो मुझे उत्साहित कर सके। मेरे करियर के कुछ सबसे यादगार अनुभव नए लोगों के साथ काम करने से आए हैं। वे अपने साथ एक भूख, ताजगी और किसी जानी-पहचानी चीज की अलग नजरिए से देखने का साहस लेकर आते हैं। उन्होंने कहा, जब किसी कहानी के पीछे का विश्वास मजबूत हो, तो उसे सपोर्ट किया जाना चाहिए। उड़ता तीर में आयुष्मान बिलाल अहमद नामक पाकिस्तानी जासूस की भूमिका निभा रहे हैं, जो याददाश्त खोने के बाद खुद को भारतीय समझने लगता है। आकाश ए. कौशिक लिखित एवं निर्देशित यह फिल्म देशभक्ति पर आधारित कॉमेडी है। आयुष्मान ने ट्रेलर लॉन्च के दौरान इसे पैट्रियॉटिक कॉमेडी बताया था और कहा था कि वह स्क्रिप्ट की मांग के अनुसार चलते हैं तथा खुद को डायरेक्टर का बेबी मानते हैं। आयुष्मान ने कहा, हर नया डायरेक्टर सेट पर एक अलग एनर्जी लेकर आता है। उड़ता तीर के साथ मुझे सिर्फ इसका जॉनर ही आकर्षित नहीं कर रहा था, बल्कि वह दुनिया भी, जिसे आकाश ने क्रिएट किया है। ऐसी स्क्रिप्ट मिलना दुर्लभ है, जो एक ही समय में अराजक, मजेदार, भावनात्मक और एक बड़े विचार से जुड़ी हुई हो।

हवा में सुरक्षा के लिए इजरायल के पास खास इंतजाम, लेकिन फ्लाई दुबई की घटना में कहां हुई चूक?

इससे पहले साल 2002 में केन्या के मोम्बासा में एक इजरायली होटल पर कार बम धमाके के ठीक उसी दिन, एक विमान को सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल से निशाना बनाने की कोशिश की गई थी, गनीमत रही कि मिसाइल चूक गई। 1976 की चर्चित एंटेबे रेड हो या 1972 का सबेना फ्लाइट



अपहरण, फलस्तीनी आतंकवादी समूहों द्वारा विमानों को बंधक बनाना पुराना इतिहास रहा है। 1968 में एल अल के एक विमान का अपहरण इसका पहला बड़ा उदाहरण था। जब आतंकवादियों के हाथ कोई विमान लगता है, तो सैकड़ों नागरिक उनके लिए सबसे बड़ा सौदेबाजी का हथियार बन जाते हैं। यही वजह है कि इजरायल ने अपनी हवाई सुरक्षा को दुनिया में सबसे मजबूत बना रखा है।

एक बात सो साफ है कि

इजरायल अपनी नागरिक उड़ानों को सुरक्षित रखने के लिए कई स्तरों पर कड़े उपाय करता है। विमान में बैठने से पहले ही यात्रियों की कड़ी सुरक्षा जांच और व्यवहार का विश्लेषण किया जाता है। इजरायल की सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में गुप्त रूप से हथियारबंद सुरक्षा गार्ड तैनात रहते हैं। एल

अल के विमानों में मिसाइल-रोधी प्रणाली लगी होती है। साथ ही, कॉकपिट के दरवाजे बुलेटप्रूफ और दोहरे दरवाजों वाले होते हैं ताकि कोई जबरन अंदर न घुस सके। इतना ही नहीं, यदि कोई विमान अपने रास्ते से भटकता है या कोई आपात स्थिति आती है, तो तुरंत वायु सेना के लड़ाकू विमान आसमान में गरत के लिए भेज दिए जाते हैं और जरूरत पड़ने पर इजरायली एयरफ़ोर्स बंद कर दिया जाता है। अब सोचने वाली बात यह है कि इतनी चाक-चौबंद सुरक्षा के बावजूद, हालिया घटना ने यह दिखा दिया है कि गैर-इजरायली एयरलाइंस के जरिए यात्रा करने वाले यात्रियों की सुरक्षा में अभी भी कुछ खामियां और कमजोरियां मौजूद हैं।

मैक्रों ने रक्षा, एआई के लिए ईयू बजट बढ़ाने की मांग की



पेरिस (वार्ता/ स्मृतनिक)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रक्षा खर्च, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) का बजट बढ़ाने की मांग की है। श्री मैक्रों ने मैड्रिड में स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज के साथ बातचीत के बाद बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमें ईयू बजट का आकार बढ़ाना होगा। इसमें कोई शक नहीं। मैं आपको याद दिलाता चाहूंगा कि पिछली बार हमने ऐसा कोविड महामारी के दौरान किया था। श्री मैक्रो के मुताबिक, रक्षा , हरित प्रौद्योगिकी , एआई , क्रांतिम प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए और फंड की जरूरत है।उन्होंने कहा, अगर हम अपना बजट नहीं बढ़ाते हैं, तो या तो हम ये खर्च नहीं करेंगे और नवाचार की दौड़ में हिस्सा नहीं लेंगे, या हम ज़िम्मेदारी हर देश पर डाल देंगे। श्री मैक्रों ने कहा कि बाद वाले परिदृश्य ईयू एकल बाजार के टूटने का खतरा है। फ्रांसीसी नेता ने कहा,हमारे पास 27 अंतरिक्ष नीति , 27 एआई नीति होंगी, यह बेवकूफी है, क्योंकि हमारे पास इसके लिए जरूरी पैमाने की कमी होगी। सितंबर के बीच में जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़, ऑस्ट्रियाई चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर, डच प्रधानमंत्री रॉब जेटन, डेनमार्क के प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन और फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेतेरी ओर्पो ने पोलिटिको में एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया, जिसमें 2028-2034 के लिए अगले बहुवर्षीय ईयू बजट के लिए यूरो आयोग के प्रस्तावों में कई सी अरब यूरो की कटौती करने की मांग की गयी। उनके हिसाब से बजट में लगभग 60 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी का प्रस्ताव पूरी तरह से आर्थिक एवं राजनीतिक रूप से अवास्तविक है। इसके अलावा कई देशों देशों में लोक वित्त की हालत कथित तौर पर गंभीर चिंता का कारण है।

नेतन्याहू ने भारतीय पायलट की बहादुरी को किया सलाम, 174 यात्रियों की बचायी थी जान

येरूशलेम, (वार्ता)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय पायलट कैप्टन स्मि्त मच्छर की असाधारण बहादुरी की जमकर सराहना की है। श्री नेतन्याहू ने एक्स पर लिखा कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद भारतीय कैप्टन मच्छर ने हिम्मत नहीं हारी और अपनी जान पर खेवकर 174 लोगों की जान बचायी। उन्होंने भारतीय पायलट को सच्चा हीरो बताते हुए उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। श्री नेतन्याहू ने अपने एक्स पर भारतीय पायलट की प्रशंसा में लिखा, मैं असाधारण बहादुरी के लिए भारतीय पायलट कैप्टन स्मि्त मच्छर को सलाम करता हूं। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने लड़ाई लड़ी, कॉकपिट का दरवाजा खोला और यात्रियों एवं करू को हमलावर को काबू करने में मदद की। उन्होंने 174 लोगों की जान बचायी। मैं उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूँ, वे एक सच्चे हीरो हैं। वुपे तरह लहलुहान होने के बावजूद कैप्टन मच्छर ने हमलावर से मुकाबला किया और कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया, जिससे यात्रियों और केबिन करू को कॉकपिट के अंदर आकर हमलावर को काबू करने का मौका मिला।

पेंच नेशनल पार्क के कोर क्षेत्र के प्रवेश द्वार पर्यटकों के लिए पुनः खुले

सिवनी। स्वतंत्र मत। 1 अक्टूबर 2026 से पेंच नेशनल पार्क के कोर क्षेत्र के सभी प्रवेश द्वार पर्यटकों के लिए पुनः खोल दिए गए हैं। मानसून अर्वाधि समाप्त होने के पश्चात पर्यटन सीजन की औपचारिक शुरुआत के साथ पेंच टाइगर रिजर्व में सफारी गतिविधियाँ फिर से प्रारंभ हो गई हैं।

इस वर्ष भी पर्यटन सीजन का शुभारंभ अत्यंत भव्य एवं सार्थक तरीके से किया गया। प्रत्येक प्रवेश द्वार पर बाधिन दीदी, पेंच मित्र दल के सदस्य तथा महिला गाइडों द्वारा पूजा-अर्चना के साथ सफारी का औपचारिक उद्घाटन किया गया। ‘बाधिन दीदी’ पहल के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। बाधिन दीदी ग्रामीण क्षेत्रों में वन्यजीव संरक्षण, मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम तथा जागरूकता के संदेश को प्रभावी ढंग से पहुँचाएँगी।



पेंच टाइगर रिजर्व मध्य प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। पिछले वर्ष यहाँ कुल 2.17 लाख पर्यटकों ने भ्रमण किया था। वर्ष 2023 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, पेंच टाइगर रिजर्व में पर्यटन से स्थानीय अर्थव्यवस्था को लगभग 254 करोड़ रुपये की आय प्राप्त होने का आकलन किया गया है। यह आँकड़ा न केवल पर्यटन की लोकप्रियता को दर्शाता है, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक स्थिति पर इसके सकारात्मक प्रभाव को भी रेखांकित करता है।



पर्यटन मात्र आर्थिक गतिविधि नहीं है। इसके माध्यम से स्थानीय ग्रामीणों को आजीविका के स्थायी एवं सम्मानजनक साधन उपलब्ध होते हैं। साथ ही, पर्यटकों एवं आम नागरिकों में वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता एवं सकारात्मक भावना का विकास भी होता है। मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने तथा संरक्षण के प्रति जन-सहभागिता बढ़ाने में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका है। सफारी शुभारंभ कार्यक्रम क्षेत्र संचालक देवाप्रसाद जे., उपसंचालक पुनीत गोयल,

सहायक संचालकों तथा समस्त वन परिक्षेत्र अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अधिकारियों ने पर्यटकों को बेहतर सुविधाएँ एवं सुरक्षित अनुभव प्रदान करने का आश्वासन दिया। पेंच प्रबंधन इस वर्ष पर्यटन में और अधिक वृद्धि होने तथा पर्यटकों को उच्च गुणवत्ता वाला अनुभव उपलब्ध कराने की आशा व्यक्त करता है। टाइगर रिजर्व प्रबंधन का पूर्ण प्रयास है कि पर्यटन के साथ-साथ संरक्षण के लक्ष्य भी पूर्ण रूप से साधित हों।

कान्हीवाड़ा पुलिस का अवैध शराब के ठिकानों पर प्रहार जवाना-अलीनगर में 15 क्विंटल महुआ लाहून नष्ट, भट्टी एवं उपकरण जब्त

सिवनी। स्वतंत्र मत। पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन में जिले में अवैध/नकली शराब के निर्माण एवं बिक्री पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री दीपक मिश्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस केवलारी श्री आशीष भराड़े के मार्गदर्शन में थाना कान्हीवाड़ा पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 29/09/2026 को सुबह करीब 6 बजे थाना प्रभारी कान्हीवाड़ा को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम जवाना-अलीनगर क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर अवैध कच्ची महुआ शराब बनाने का कार्य किया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार पंद्रे के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। पुलिस टीम को आता देख



मौके पर मौजूद शराब बनाने वाले आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर भाग गए। मौके पर तलाशी लेने पर लगभग 50 बोरियों एवं 10 प्लास्टिक के छोटे-बड़े ड्रम/डिब्बों में भरा करीब 15 क्विंटल महुआ लाहून बरामद हुआ। पुलिस टीम द्वारा समस्त लाहून एवं शराब बनाने के उपकरणों को मौके पर ही विधिवत नष्ट किया गया, जिससे

अवैध शराब निर्माण की प्रक्रिया को रोक जा सका। आरोपियों की तलाश जारी है।
सराहनीय भूमिका
थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार पंद्रे, सउनि संजय यादव, प्र.आर. 86 फूलवंत धुर्वे, प्र.आर. 759 अम्बरीश शुक्ला, प्र.आर. 519 सूरज भलावी, आर. 714 गौरी शंकर परते की सराहनीय भूमिका रही।

अस्पृश्यता निवारणार्थ सद्भावना शिविर आज

सिवनी। स्वतंत्र मत। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग सिवनी ने जानकारी देकर बताया कि मध्यप्रदेश शासन, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के निर्देशानुसार गांधी जयंती के उपलक्ष्य में आज 2 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10 बजे से जिला स्तरीय अस्पृश्यता निवारणार्थ सद्भावना शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का आयोजन सीनियर अनुसूचित जाति बालक छात्रावास क्रमांक-1, बींझावाड़ा, सिवनी के प्रांगण में किया जाएगा। शिविर में अस्पृश्यता निवारण एवं सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के साथ-साथ शासन के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी।

जिला कौशल समिति की बैठक 5 अक्टूबर को

सिवनी। स्वतंत्र मत। नोडल प्राचार्य, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सिवनी ने जानकारी देकर बताया कि कौशल विकास संचालनालय मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिला कौशल विकास योजना तैयार की जा रही है। जिला कौशल विकास योजना के अंतर्गत जिले के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित कौशल विकास, प्रशिक्षण, स्वरोजगार एवं रोजगारोन्मुखी गतिविधियों की जानकारी का संकलन किया जाना है। इस संबंध में जिला कौशल समिति की बैठक 5 अक्टूबर 2026 को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, सिवनी में कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी।

सेवा संकल्प अभियान में मंच पर जीवंत हुई ‘ अनकही कहानियां ’

परसवाड़ा के विद्यालय एवं महाविद्यालय में नाट्य मंचन के जरिए सेवा, समर्पण और सुशासन का दिया संदेश

बालाघाट। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत जिला प्रशासन बालाघाट एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को परसवाड़ा में ‘अनकही कहानियों’ का भव्य नाट्य मंचन आयोजित किया गया। सांदीपनी विद्यालय परसवाड़ा एवं शाक्यीय रानी दुर्गावती महाविद्यालय परसवाड़ा में विद्यार्थियों ने सेवा, समर्पण और सुशासन से जुड़े प्रेरक प्रसंगों को संवाद, अभिनय एवं



संगीत के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर अतिथियों द्वारा पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। नाट्य प्रस्तुतियों में समाज सेवा, स्वच्छता, शिक्षा तथा जनकल्याण से जुड़ी ऐसी कहानियों को मंच पर प्रस्तुत किया गया, जो सामान्यतः लोगों के बीच चर्चा में नहीं आ पातीं। विद्यार्थियों के अभिनय और प्रस्तुति ने उपस्थित

दर्शकों को प्रभावित किया तथा कार्यक्रम की खूब सराहना हुई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव केवल जनकल्याण से नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के सेवा भाव, जिम्मेदारी और सहभागिता से संभव है। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से समयबद्धता, समर्पण और सेवा

भावना को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर सांदीपनी विद्यालय के अध्यक्ष योगेश शरणागत, जनपद उपाध्यक्ष कांतिलाल रहांगडाले, जनपद पंचायत परसवाड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनाराम उडके, प्राचार्य सोनलराज वानखेड़े, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक महेश पटले, शासकीय महाविद्यालय परसवाड़ा के जनभागीदारी अध्यक्ष इशाराम तिल्लासी, प्राचार्य डॉ. एल.एल. घोरमारे, डॉ. देवश्रद्धा भलावी, सुनील साहू विकासखंड समन्वयक, नवांकुर संस्था प्रमुख टहल सिंह पटले सहित सुष्मा चौधरी, धुरवर्ति यादव, परामर्शदाता सोहेन्द्र पंचतोलक, दिनेश वरकड़े, इंदरलाल , योगेश्वरी रहांगडाले उपस्थित थे।

11 केवी फीडर के मेंटेनेंस से 3 से 10 अक्टूबर तक प्रभावित रहेगी बिजली

सिवनी। स्वतंत्र मत। आगामी रबी सीजन एवं दशहरा पर्व को देखते हुए विद्युत विभाग ने बंडोल वितरण केंद्र से संचालित 11 केवी फीडरों के आवश्यक रखरखाव एवं सुधार कार्य की तैयारी शुरू कर दी है। विभाग द्वारा 3 से 10 अक्टूबर 2026 के बीच चरितार्थित अवधि में मेंटेनेंस कार्य कराया जाएगा। इसके चलते संबंधित क्षेत्रों में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बिजली आपूर्ति प्रभावित अथवा बंद रह सकती है। मेंटेनेंस के दौरान विद्युत लाइनों, उपकरणों एवं अन्य विद्युत अधोसंरचना की जांच और आवश्यक सुधार कार्य किए जाएंगे। विभाग का कहना है कि समय रहते किए जा रहे इन कार्यों का उद्देश्य रबी सीजन के दौरान विद्युत व्यवस्था को सुचारु रखने के साथ ही त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं को बेहतर एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना है।

‘सिवनी की उड़ान’ से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को मिल रही नई दिशा 335 युवतियों और 220 युवकों सहित 555 अभ्यर्थी ले रहे निःशुल्क प्रशिक्षण

सिवनी। स्वतंत्र मत। जिले के युवाओं को पुलिस एवं सशस्त्र सेना सहित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा शुरू की गए ‘सिवनी की उड़ान’ प्रोजेक्ट में वर्तमान में 555 अभ्यर्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इनमें 335 युवतियां और 220 युवक शामिल हैं। प्रशिक्षण केंद्रों में नियमित कक्षाओं के साथ प्रश्नों का अभ्यास और मॉक टेस्ट कराए जा रहे हैं, जिससे अभ्यर्थी अपनी तैयारी को दिशा देने के साथ कमियों को पहचानकर उनमें सुधार कर रहे हैं। जिले के तीन प्रशिक्षण केंद्रों में कुल पांच बैच संचालित किए जा रहे हैं। इनमें युवकों के दो तथा युवतियों के तीन बैच शामिल हैं। अभ्यर्थियों को



भर्ती परीक्षाओं के लिए विषयवार तैयारी कराने के साथ बहुविधकलीय प्रश्नों का अभ्यास, मॉक टेस्ट और परीक्षा संबंधी मार्गदर्शन दिया जा रहा है। साथ ही शारीरिक दक्षता परीक्षण की तैयारी के लिए भी आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान अभ्यर्थियों को प्रश्न हल करने का नियमित अभ्यास कराया जा रहा है। मॉक टेस्ट के माध्यम से उन्हें परीक्षा पैटर्न के अनुरूप प्रश्न हल करने का अवसर मिल रहा है। इससे अभ्यर्थी अपनी तैयारी का

आकलन कर पा रहे हैं और जिन विषयों में उन्हें कठिनाई महसूस होती है, उन पर अतिरिक्त अभ्यास कर अपनी कमियों में सुधार कर रहे हैं। परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रश्नों को कम समय में हल करने तथा समय-प्रबंधन पर भी ध्यान दिया जा रहा है। नियमित अभ्यास से अभ्यर्थियों में परीक्षा को लेकर आत्मविश्वास बढ़ रहा है और वे आगामी भर्ती परीक्षाओं के लिए अधिक उत्साह के साथ तैयारी कर रहे हैं।



वन्यजीव संरक्षण सप्ताह के तहत सांदीपनी विद्यालय मलाजखंड में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

बालाघाट। वन्यजीव संरक्षण सप्ताह के अवसर पर सांदीपनी विद्यालय मलाजखंड में वन विभाग के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए वन्यजीव संरक्षण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कला एवं रचनात्मकता के माध्यम से वन्यजीवों और प्रकृति के संरक्षण का प्रभावी संदेश दिया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने चित्रों में बाघ सहित विभिन्न वन्यजीवों, वन क्षेत्रों, जैव विविधता तथा मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व को आकर्षक रूप से प्रस्तुत किया। चित्रों के माध्यम से विद्यार्थियों ने वन संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन के महत्व को रेखांकित किया। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन के महत्व को जानकारी दी। विद्यालय के प्राचार्य श्री गंगा प्रसाद करे ने कहा कि विद्यार्थियों में प्रकृति एवं वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना समय की आवश्यकता है। ऐसे आयोजन बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के उत्साह एवं रचनात्मक प्रतिभा की सराहना की गई। अंत में प्रतिभागी विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रयासों को प्रोत्साहित करते हुए च्वन बचाएं वन्यजीव बचाएं, पर्यावरण बचाएं का संदेश दिया गया।

मैंगनीज प्रोसेसिंग प्लांट के खिलाफ ग्रामीणों में उबाल

ग्रामीणों ने कहा रोजगार नहीं, बीमारी देगा दिव्या मिनरल्स का प्लांट

कटंगी। संवाददाता.

बालाघाट जिले की तिरोड़ी तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत चाकाहेटी के अर्जुनटोला में इन दिनों एक औद्योगिक इकाई को लेकर जनकर्म विरोध हो रहा है। तिरोड़ी से बम्हनी मार्ग पर निर्माणाधीन दिव्या मिनरल्स प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ स्थानीय ग्रामीण गुरुवार को खुलकर सामने आ गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इस प्रोसेसिंग यूनिट के शुरू होने से गांव की आबोहवा, जल और जमीन तीनों जहरीली हो जाएगी और आने वाली पीढ़ी को सिर्फ बीमारी मिलेगी। इस विरोध की अगुवाई जनपद सदस्य चमन डोंगरवार कर रहे हैं, जिनके साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण कलेक्टर और प्रदूषण नियंत्रण मंडल तक अपनी आपत्ति दर्ज कराने की तैयारी में हैं। ग्रामीण राकेश डहरवाल ने



बताया कि कंपनी यहां बाहर से मैंगनीज अयस्क लाकर प्रोसेस करेगी। जानकारी के अनुसार यह एमएम-2 ग्रेड का प्लांट बताया जा रहा है, जो पूरी तरह से ऑटोमैटिक रहेगा। यहीं पर ग्रामीणों की सबसे बड़ी चिंता है। एक ग्रामीण ने कहा कि इसमें मजदूरों की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। तो स्थानीय युवाओं को रोजगार कैसे मिलेगा? रोजगार के नाम पर सिर्फ 4-5 चौकीदार का नौकरी मिलेगी और बीमारी पूरे गांव को मिलेगी। ग्रामीणों के अनुसार यहां मैंगनीज डाइऑक्साइड प्रोसेस

होगा। इस प्रक्रिया में अत्यधिक गर्मी पैदा होती है और जहरीला धुआं निकलता है। ग्रामीणों का कहना है कि मैंगनीज डाइऑक्साइड की डस्ट और धुआं सांस के जरिए फेफड़ों में जाता है, जिससे अस्थमा, टीबी जैसी गंभीर बीमारियां होती हैं।
आंगनवाड़ी के पास प्लांट, खेतों में जाएगा जहरीला पानी- विरोध का एक बड़ा कारण प्लांट की लोकेशन है। जिस जगह प्लांट का निर्माण हो रहा है, उसके ठीक बगल में आंगनवाड़ी केंद्र है, जहां रोज छोटे-छोटे बच्चे आते हैं। कुछ ही

मीटर की दूरी पर किसानों की उपजाऊ खेती है। ग्रामीण आकाश भलावी ने चिंता जताते हुए कहा, प्लांट से जो प्रदूषित पानी निकलेगा, वह कहां जाएगा? सीधा हमारे खेतों में। मैंगनीज के पानी से खेती बंजर हो जाएगी। यह पानी नाले के जरिए हमारे कुओं और हैंडपंपों में जाएगा। भूमिगत जल प्रदूषित होगा तो पोलिया, टाइफाइड और चर्म रोग जैसी बीमारियां फैलेंगी। क्या कंपनी ने इसका कोई ट्रीटमेंट प्लांट बनाया है? ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि कंपनी ने पर्यावरणीय पहलुओं को

लेकर गांव में कोई जनसुनवाई नहीं की। जब इस संबंध में ग्राम पंचायत चाकाहेटी के सरपंच देवेन्द्र मरकाम से पूछा गया कि क्या पंचायत ने इस प्लांट को एनओसी जारी की है, तो उन्होंने एनओसी जारी करने की बात स्वीकार की। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत स्तर पर एनओसी देना एक औपचारिकता भर है, लेकिन असली अनुमति तो पर्यावरण विभाग और जिला प्रशासन को देनी है। उन्होंने मांग की है कि जब तक प्रदूषण नियंत्रण मंडल की रिपोर्ट और ग्राम सभा की सहमति नहीं

आती, तब तक निर्माण कार्य रोक जाए।
दो साल पुरानी कंपनी, दो निदेशक- मिल रही जानकारी के अनुसार दिव्या मिनरल्स प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड नाम की यह कंपनी करीब 2 साल पहले ही अस्तित्व में आई है। कंपनी के दस्तावेजों में इसके निदेशक पृथ्वीराज मुंद्रा और शरद कुमार मुंद्रा बताए जाते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि बाहर की कंपनी यहां आकर स्थानीय संसाधनों का दोहन करेगी और मुनाफा बाहर ले जाएगी, जबकि प्रदूषण और बीमारी गांव वालों के हिस्से में आएगी।
ग्रामीणों ने तत्काल प्लांट निर्माण पर रोक लगाने, ग्राम सभा की खुली बैठक बुलाकर कंपनी को अपना प्रदूषण नियंत्रण प्लान रखने, आंगनवाड़ी और खेतों से दूरी के मानकों का पालन किए जाने की मांग की है फिलहाल गांव में माहौल गरमाया हुआ है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन ने उनकी बात नहीं सुनी तो वे चक्काजाम और धरना देने को मजबूर होंगे।

भारत ने आखिरी मिनट में गोल कर पाकिस्तान को हराया

एशियन गेम्स में पुरुष हॉकी के फाइनल में पहुंचा, कप्तान हरमनप्रीत के 2 गोल

नागोया (जापान)

भारत ने पाकिस्तान की जबरदस्त वापसी का सामना करते हुए 4-3 से जीत हासिल करते हुए एशियाई खेल 2026 के पुरुष हॉकी फाइनल में प्रवेश किया। मैच के आखिरी कुछ सेकंड बाकी थे, तभी अभिषेक ने निर्णायक गोल दागा। इस रोमांचक मुकाबले में कुल सात गोल हुए। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल और सुखजीत सिंह के एक गोल की बदौलत भारत ने 3-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी और ऐसा लग रहा था कि सेमीफाइनल पर उनकी पकड़ मजबूत है। लेकिन पाकिस्तान ने हार नहीं मानी और लगातार तीन गोल करके मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। जब ऐसा लग रहा था कि मैच अतिरिक्त समय में जाएगा, तभी अभिषेक ने निर्णायक पल में कप्तान कर दिखाया।

उन्होंने मैच खत्म होने से कुछ सेकंड पहले गोल करके भारत को लगातार दूसरी बार एशियाई खेल के फाइनल में पहुंचाया। हरमनप्रीत ने पहले क्रांटर में पेनल्टी कॉर्नर से खाता खोला और फिर एक और



जबरदस्त ड्रैग-फ्लिक से भारत की बहुत को दोगुना कर दिया। इसके बाद दूसरे क्रांटर की शुरुआत में सुखजीत ने एक बेहतरीन मूव के बाद स्कोर 3-0 कर दिया। हालाँकि, पाकिस्तान ने जबरदस्त जन्बा दिखाया। अबू महमूद ने एक गोल किया और फिर हज़ान शाहिद ने अंतर को और कम कर दिया। इसके बाद चौथे क्रांटर में वहीद राणा ने वापसी पूरी करते हुए स्कोर 3-3 कर दिया, जिससे भारत के लिए सेमीफाइनल में बड़ी हार का ख़तरा पैदा हो गया। भारत ने

अंतिम क्षणों में संयम बनाए रखा और जीत दिलाने वाले गोल के लिए लगातार कोशिशें जारी रखीं। आखिरकार अभिषेक ने सफलता हासिल की और मैच खत्म होने से कुछ सेकंड पहले गोल करके टूर्नामेंट के सबसे रोमांचक मैचों में से एक का फैसला भारत के पक्ष में कर दिया। हरमनप्रीत के दो गोलों के साथ टूर्नामेंट में उनके कुल गोलों की संख्या 10 हो गई। वहीं, टूर्नामेंट में सबसे अधिक गोल करने वाली टीम के तौर पर नॉकआउट चरण में प्रवेश करने के

भारत-पाकिस्तान में होगा एशियन गेम्स फाइनल



नई दिल्ली। भारत ने श्रीलंका को 124 रन से हराकर एशियन गेम्स के फाइनल में जगह बना ली है। अब शनिवार को गोल्ड के लिए भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। यह पहला मौका है जब ये दोनों टीमों एशियन गेम्स में क्रिकेट मुकाबले में आमने-सामने होंगी। भारत ने जापान के निशिन में खेले गए सेमीफाइनल में पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 169 रन बनाए। जबवा में श्रीलंकाई टीम 9.5 ओवर में 45 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका के 6 बल्लेबाज खाता नहीं खोल सके। जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और अभिषेक शर्मा ने 2-2 विकेट झटके।

टीम इंडिया ने श्रीलंका को 124 रन से हराया, ईशान की फिफ्टी, वैभव ने 38 रन बनाए

3 बल्लेबाज रनआउट हुए। ईशान किशन ने नाबाद 80 रन की पारी खेली। वैभव सूर्यवंशी ने भी 21 गेंदों पर 38 रन बनाए। भारत ने श्रीलंका पर टी-20 क्रिकेट में अपनी सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड बनाया।सबसे बड़ी जीत 93 रन की थी, जो 2017 में कटक में मिली थी। पाकिस्तान ने मैस क्रिकेट के सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया। यह मैच बारिश से प्रभावित हुआ। इसे 13-13 ओवर का कर दिया गया था। बांग्लादेश ने पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट पर 111 रन बनाए। पाकिस्तान ने 11.3 ओवर में 4 विकेट पर जीत हासिल कर ली।

बल्लेबाज ने वक्त बर्बाद किया तो 5 रन की पेनाल्टी

महिला-पुरुष क्रिकेट में गेंद का वजन और साइज अलग होगा, आईसीसी के 9 नए नियम

दुबई

आईसीसी ने क्रिकेट के नए नियम जारी किए हैं। अब बैटिंग के दौरान अगर कोई बल्लेबाज जानबूझकर समय बर्बाद करता है तो फोल्डिंग टीम को 5 पेनल्टी रन मिलेंगे। इसके अलावा पुरुष, महिला और जूनियर क्रिकेट में इस्तेमाल होने वाली गेंद के साइज और वजन की अलग-अलग सीमा तय की गई है। ये सभी नए नियम 1 अक्टूबर 2026 या उसके बाद शुरू होने वाली इंटरनेशनल सीरीज पर लागू होंगे। जो सीरीज पहले से चल रही हैं, उनमें पुराने नियम ही लागू रहेंगे।अब बैटर के लिए अगली गेंद खेलने के लिए तय समय के भीतर तैयार रहना जरूरी होगा। अगर अंपायर को लगता है कि बैटर तय समय में अगली गेंद का सामना करने के लिए तैयार नहीं है, तो पहली गलती पर चेतावनी दी जाएगी। दूसरी गलती पर फाइनल वार्निंग मिलेगी।इसके बाद भी अगर बैटर समय बर्बाद करता है, तो तीसरी और हर अगली गलती पर फोल्डिंग टीम को 5 पेनल्टी रन दिए जाएंगे। बार-बार ऐसा करने पर कोड ऑफ कंडक्ट के तहत भी कार्रवाई हो सकती है।दिन के टेस्ट मैचों में पिंक बॉल के इस्तेमाल को मंजूरी दी है। इसका मुख्य मकसद खराब रोशनी के कारण



टेस्ट मैच में होने वाले समय के नुकसान को कम करना है। इसके लिए दोनों टीमों को टेस्ट शुरू होने से पहले सहमत जरूरी होगी। एक बार पिंक बॉल से खेलने का फैसला हो गया तो पूरे मैच में उसी गेंद का इस्तेमाल करना होगा। अभी केवल डे-नाइट टेस्ट मैचों में पिंक बॉल का इस्तेमाल किया जाता है। अब पुरुष, महिला और जूनियर क्रिकेट के लिए गेंद के साइज और वजन की अलग-अलग सीमा तय होगी। पुरुषों की गेंद का वजन 155.9 से 163 ग्राम और साइज 22.4 से 22.9 सेमी रहेगा। महिलाओं की गेंद का वजन 140 से 151 ग्राम और साइज 21 से 22.5 सेमी होगा। वहीं अंडर-13 क्रिकेट की गेंद का वजन 133 से 144 ग्राम और साइज 20.5 से 22 सेमी रहेगा।

ओवर-थ्रो के लिए नियम साफ

ओवरथ्रो को लेकर भी नियम साफ किया गया है। अगर फील्डर गेंद को स्टंप की ओर फेंककर रन रोकने या रन आउट करने की कोशिश करता है और गेंद आगे निकल जाती है, तो इसे ओवरथ्रो माना जाएगा।अब गेंद को चमाइनली सेटलडज् मानने के लिए उसका गेंदबाज या विकेटकीपर के हाथ में होना जरूरी नहीं होगा। अंपायर यह तय कर सकेंगे कि गेंद कब पूरी तरह से सेटल हो चुकी है। यह बदलाव खास तौर पर मैच को आखिरी गेंद जैसे करीबी मौकों पर अहम हो सकता है।रन आउट या स्टंपिंग के मामलों में अब सिर्फ गेंद को हाथ या ग्लव से छू लेना पर्याप्त नहीं होगा। फील्डर के पास गेंद पर पूरा कंट्रोल होना जरूरी होगा। टेस्ट क्रिकेट में अब दिन के आखिरी ओवर में विकेट गिरने से खेल अपने आप खत्म नहीं होगा। अगर आखिरी ओवर पूरा नहीं हुआ है और मौसम तथा मैदान की परिस्थितियां खेल जारी रखने के अनुकूल हैं, तो बची हुई गेंदें उसी दिन कराई जाएंगी। उन्हें अगले दिन के खेल में नहीं जोड़ा जाएगा।

महिला और पुरुष टीमों ने जीता कांस्य पदक



आइची-नागोया (जापान)। भारतीय स्क्वैश महिला और पुरुष टीमों ने एशियाई खेलों में कांस्य पदक हासिल किये। महिला टीम को सेमीफाइनल मुकाबले में हांगकांग से 1-2 से हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा जबकि पुरुष टीम को मलेशिया से 2-1 से हारने के बाद कांस्य पदक मिला। महिला वर्ग में आज यहां हुए रोमांचक मुकाबले में अनाहत सिंह की हार ने भारत को बैकफुट पर धकेल दिया, लेकिन तन्वी खन्ना ने चौंकाने वाली जीत दर्ज करते हुए भारत को टूर्नामेंट से बनाये रखा। हालांकि, निर्णायक मैच में जोशाना चिनप्पा हार गई। अनाहत सिंह को चान सिर युक् से 3-2 (11-9, 11-8, 6-11, 11-13, 10-12) से हार का सामना करना पड़ा, जबकि तन्वी खन्ना ने ली का यी को 3-1 (4-11, 13-11, 11-9, 13-11) से हराकर मुकाबला

बराबरी पर ला दिया। इसके बाद जोशाना चिनप्पा निर्णायक मैच में हो त्जे लोक से 3-0 (11-4, 11-7, 11-9) से हार गई। उल्लेखनीय है कि जोशाना चिनप्पा, तन्वी खन्ना और अनाहत सिंह उस भारतीय महिला टीम का भी हिस्सा थीं जिसने हांगझौउ 2023 में कांस्य पदक जीता था।

पुरुषों के टीम इवेंट में ब्रॉन्ज़ मेडल- सेमीफाइनल में मलेशिया से 2-1 से हारने के बाद भारत ने पुरुषों के टीम इवेंट में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। अभय सिंह को एनजी ईन यो से 3-0 (11-8, 11-8, 11-8) से हार का सामना करना पड़ा, वीर चोटरानी ने संजय जीवा को 3-0 (11-4, 11-8, 11-5) से हराकर बराबरी पर ला दिया। इसके बाद फूसले वाले मैच में वेलावन सैथिलकुमार को अमीशेनराज चंद्रन से 3-1 (10-12, 11-6, 11-8, 11-9) से हार मिली।

शेयर बाजार लगातार चौथे दिन टूटे

सेसेक्स डेढ़ साल के निचले स्तर पर

मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को लगातार चौथे दिन गिरावट रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेसेक्स डेढ़ साल के निचले स्तर पर बंद हुआ। सेसेक्स में शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव देखा गया। दोपहर बाद बाजार में बिकवाली तेज होने से यह 570.59 अंक (0.79 प्रतिशत) टूटकर 71,909.70 अंक पर बंद हुआ। यह 07 अप्रैल 2025 के बाद का इसका निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 198.50 अंक यानी 0.88 प्रतिशत उतरकर 22,421.95 अंक पर रहा। यह इसका 30 मार्च 2026 के बाद का निचला स्तर है। कारोबारियों ने बताया कि रिजर्व बैंक की अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में वृद्धि की आशंका से शेयर बाजारों में निवेश धारणा कमजोर बनी हुई है। इसका असर वृहत बाजार में भी देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.11 प्रतिशत और समालकैप-100 सूचकांक 0.97 प्रतिशत लुढ़क गया। निफ्टी आईटी को छोड़कर सेक्टर आधारित अन्य सभी सूचकांक लाल निशान में रहे। निफ्टी ऑटो 3.46 प्रतिशत की गिरावट में रहा। धातु में 2.35



प्रतिशत, मीडिया में 2.33, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद में 1.91, एफएमसीजी में 1.61, रसायन में 1.48, रियल्टी में 1.46 और तेल एवं गैस समूह में 1.32 प्रतिशत की गिरावट रही। एनएसई में कुल 3,707 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें से 2,572 शेयर लाल निशान में और 1,022 के हरे निशान में रहे। अन्य 113 कंपनियों के शेयर अपरिवर्तित बंद हुए। संसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयरों में गिरावट रही। मारुति सुजुकी का शेयर 4.59 प्रतिशत लुढ़क गया। महिंद्रा एंड महिंद्रा में 3.27 फीसदी और टाटा स्टील में 3.01 फीसदी की गिरावट रही। अडानी पोर्ट्स का शेयर 2.69 प्रतिशत, आईटीसी का 2.56 प्रतिशत, पावरग्रिड का 2.23 प्रतिशत और हिंदुस्तान स्नीलिवर का 2.17 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। इटरनल 1.86 प्रतिशत, एलएंडटी का 1.85, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.81, एनटीपीसी का 1.65, बीईएल का 1.63, अल्ट्राटेक

सीमेंट का 1.60, आईसीआईसीआई बैंक का 1.29, बजाज फोर्नेस का 1.24, टाइटन का 1.20, इंडिगो का 1.18 और एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल तथा ट्रेट तीनों के शेयर 0.98 प्रतिशत गिर गए। भारतीय स्टेट बैंक और सन फार्मा के शेयर भी नीचे बंद हुए। इंफोसिस का शेयर सबसे अधिक 4.02 प्रतिशत चढ़ा। टीसीएस का शेयर 1.43 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजीज क 1.38 प्रतिशत और एचडीएफसी बैंक का 1.36 प्रतिशत टूट गया। कोटक महिंद्रा बैंक और टेक महिंद्रा के शेयर भी हरे निशान में रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का शेराई 3.30 प्रतिशत, हांगकांग का हेंग सेंग 0.37 प्रतिशत और चीन का शेराई कंपोजिट 0.31 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में ब्रिटेन का एफटीएसई 0.80 प्रतिशत नीचे था जबकि जर्मनी के डैक्स में 0.04 प्रतिशत की तेजी रही।

वाहनों की बिक्री में सितंबर में लगातार 13वें महीने रही तेजी

नयी दिल्ली। घरेलू बाजार में गत सितंबर में लगातार 13वें महीने वाहनों की मजबूत बिक्री जारी रही। विशेष रूप से यात्री वाहनों, वाणिज्यिक वाहनों और दुपहिया की बिक्री में तेजी देखी गई हालांकि ट्रैक्टरों की बिक्री में गिरावट रही। सरकार के पिछले साल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के ढांचे में बदलाव के बाद से ही वाहनों की बिक्री मजबूत बनी हुई है। देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता मारुति सुजुकी की घरेलू बिक्री 1,81,838 इकाई पर रही। यह एक

साल पहले के मुकाबले 36.9 प्रतिशत अधिक है। निर्यात में 4.77 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कंपनी ने कुल 44,219 वाहनों का निर्यात किया। टाटा मोटर्स की यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 68,810 इकाई पर रही। निर्यात में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1,400 इकाई पर पहुंच गई। कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री (निर्यात समेत) 67 प्रतिशत उछलकर 15,384 इकाई हो गई। महिंद्रा की कुल बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 1,14,874 इकाई पर पहुंच



गई। यात्री वाहनों की बिक्री 14 प्रतिशत बढ़कर 64,092 इकाई रही। कंपनी ने सितंबर में 30,420 वाणिज्यिक वाहन बेचे जो एक साल पहले के मुकाबले 14

प्रतिशत अधिक है। हालांकि निर्यात में सात प्रतिशत की गिरावट रही और यह 4,320 इकाई रही। हुंडई मोटर इंडिया की घरेलू बिक्री 57,166 इकाई और निर्यात

20,750 इकाई रही। इनमें क्रमशः 10.9 प्रतिशत और 10.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। कुल बिक्री 10.8 प्रतिशत बढ़कर 77,916 इकाई रही। रेनो इंडिया ने सितंबर में 3,399 कारें बेची। माह-दर-माह आधार पर इसमें 20 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। कमजोर मानसून के कारण महिंद्रा के ट्रैक्टरों की घरेलू बिक्री 23 प्रतिशत घटकर 50,208 इकाई रह गई। हालांकि निर्यात में 62 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। निर्यात समेत कुल बिक्री 21 प्रतिशत घटकर 52,100 इकाई रही।

अनूप साहा होंगे कोटक महिंद्रा बैंक के अगले सीईओ



2027 से प्रभावी होगी। उनका कार्यकाल तीन साल का होगा। वर्तमान में अशोक वासवानी इस पद की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। अब निदेशक मंडल इस नियुक्ति को औपचारिक रूप देने और इसके लिए सदस्यों की मंजूरी लेने के लिए आगे की कार्यवाही करेगा। श्री साहा वर्तमान में कोटक महिंद्रा बैंक के पूर्णकालिक निदेशक हैं। वह जनवरी 2026 में बैंक से जुड़े थे और मार्च 2026 से खुदरा बैंकिंग, डेटा एनालिटिक्स और विपणन का काम देख रहे हैं। अनूप के पास बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं का बहुत अनुभव है और वे अपनी मौजूदा भूमिका में बैंक के कारोबार से सक्रिय रूप से जुड़े रहेंगे। जैसे-जैसे बैंक अपनी मजबूत नौव पर आगे बढ़ रहा है, हम फ्रैंचाइजी को मजबूत करने और टिकाऊ विकास हासिल करने में अनूप (साहा) के नेतृत्व की उम्मीद करते हैं।

जीएसटी संग्रह सितंबर में 14.7 प्रतिशत बढ़कर 2.03 लाख करोड़ पर

नयी दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत कुल राजस्व संग्रह सितंबर में 14.7 प्रतिशत बढ़कर 2,03,521 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को सितंबर के जीएसटी संग्रह के

आंकड़े जारी किए। इसमें घरेलू जीएसटी संग्रह 10.1 फीसदी बढ़कर 1,37,996 करोड़ रुपये और आयातित माल एवं सेवाओं पर कर से प्राप्त राजस्व 25.9 प्रतिशत बढ़कर 65,525 करोड़ रुपये पर रहा। घरेलू स्तर पर केंद्रीय जीएसटी सितंबर में 37,762 करोड़ रुपये और राज्यों का जीएसटी 45,363 करोड़ रुपये रहा। वहीं, एकीकृत जीएसटी संग्रह 54,871 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। सरकार ने सितंबर में कारोबारियों को कुल 27,001 करोड़ रुपये का जीएसटी रिफंड दिया। यह पिछले साल सितंबर के मुकाबले तीन प्रतिशत कम है। इसमें देश में बने उत्पादों पर जीएसटी रिफंड 13.5 प्रतिशत घटकर 13,504 करोड़ रुपये रह गया। आयातित माल पर

जीएसटी रिफंड 10.2 फीसदी बढ़कर 13,497 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिफंड घटाने के बाद जीएसटी के मद में शुद्ध राजस्व संग्रह में 18.1 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। यह 1,76,520 करोड़ रुपये हो गया। इसमें

घरेलू जीएसटी का योगदान 1,24,491 करोड़ रुपये और आयातित उत्पादों पर जीएसटी का योगदान 52,028 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। इसमें क्रमशः 13.5 प्रतिशत और 30.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में सकल जीएसटी संग्रह 12,46,278 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की इसी अवधि से 11.6 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान जारी किया गया रिफंड 18.8 प्रतिशत बढ़कर 1,80,163 करोड़ रुपये हो गया। पहली छमाही में शुद्ध राजस्व में 10.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। यह पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही के 9,65,455 करोड़ रुपये की तुलना में 10,66,116 करोड़ रुपये रहा।





प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की आत्मीय भेंट

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट .2027 के लिए किया आमंत्रित



भोपाल (स्वतंत्र मत) ।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आत्मीय भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी को मुख्यमंत्री डॉण्ण यादव ने मध्यप्रदेश में जारी विकास कार्योंए जनकल्याणकारी पहलों, उपलब्धियों, निवेश और प्रदेश की प्रगति से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी। इस दौरान

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने वर्ष 2027 में मध्यप्रदेश में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी को दी। उन्होंने प्रदेश में निवेश के लिए तैयार किए जा रहे अनुकूल वातावरण, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने प्रदेश में प्रारंभ की गई मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के संबंध में

भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने 17 सितंबर से प्रदेश में संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों की जानकारी भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को दी। उन्होंने अभियान के माध्यम से जनभागीदारी, सेवा और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न आयोजनों के बारे में अवगत कराया।



वंदना लोधी को मिली मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल

प्रधानमंत्री का आभार जताया

दमोह (स्वतंत्र मत) । जिले में आयोजित 76वें सामाजिक अधिकारिता शिविर एवं निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम के दौरान हितग्राहियों को आधुनिक सहायक उपकरण प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बांदकपुर क्षेत्र के खड़ेरा टोरिया निवासी वंदना लोधी को बैटरी चालित मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल और सुरक्षा हेतु हेलमेट प्रदान किया गया। मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल मिलने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए वंदना लोधी ने बताया, पहले आवागमन में काफी असुविधा और कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बैटरी चालित ट्राइसाइकिल मिलने से दैनिक जीवन और आवाजाही बेहद आसान हो जाएगी। वंदना ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन के शुभ अवसर पर उपहार स्वरूप मिले इस साधन के लिए आभार व्यक्त किया।

पंचायतों को जवाबदेह, पारदर्शी और आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्राथमिकता

मप्र पंचायत राज अधिनियम के प्रस्तावित संशोधनों पर विभागीय समीक्षा बैठक में हुआ गहन मंथन

भोपाल (स्वतंत्र मत) ।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा है कि त्रि.स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को अधिक सक्षमए जवाबदेह और पारदर्शी बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैए जिससे विकास योजनाओं का सीधा लाभ ग्रामीण अंचल के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मंत्री श्री पटेल विकास भवन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियमए 1993 में समय की आवश्यकता के अनुसार प्रस्तावित संशोधनों के प्रारूप पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा की गई।

मंत्री श्री पटेल ने समीक्षा बैठक में 73वें संविधान संशोधन की मूल भावना के अनुरूप ग्राम सभा और ग्राम पंचायतों के अधिकारों व कृत्यों के युक्तियुक्तकरण पर बल दिया। इसके तहत ग्राम सभा को नीतिगत व जनसहभागिता की सशक्त संस्था बनाते हुए स्वच्छता, पेयजल, सड़क और अधोसंरचना निर्माण जैसे



सभी कार्यकारी दायित्व सौंपने का निर्णय लिया गया है। साथ ही ग्राम सभा की अप्रासंगिक हो चुकी पुरानी समितियों के प्रावधानों को विलोपित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। ग्राम सभा के अतिरिक्त सम्मेलन बुलाने की जिम्मेदारी सरपंच को देने तथा कोरम के अभाव में दो बार बैठक स्थगित होने पर तीसरी बैठक में विकास कार्यों के एजेंडे पर नियमानुसार विचार करने का मार्ग प्रशस्त किया गया है। पेसा (अनुसूचित) क्षेत्रों में ग्राम सभाओं में महिलाओं की कम से कम एक.तिहाई भागीदारी और भूमि अधिग्रहण व पुनर्वास जैसे गंभीर विषयों पर 50 प्रतिशत गणपूर्ति अनिवार्य की जाएगी।

वित्तीय अनुशासन पर दें विशेष जोर

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अनियंत्रित बसाहट और बिना मूलभूत सुविधाओं के कटने वाली अवैध कॉलोनियों पर सख्त नियंत्रण के लिए सभी ग्राम पंचायतों को कॉलोनी निर्माण नियमों के दायरे में लाने के लिए प्रावधान करें। मंत्री श्री पटेल ने प्रशासनिक जवाबदेही और वित्तीय अनुशासन पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए। मंत्री श्री पटेल को बताया गया कि गंभीर वित्तीय अनियमितता के मामलों में जांच के दौरान संबंधित पदाधिकारी के वित्तीय अधिकार तुरंत प्रभाव से स्थगित किए जा सकेंगे। अभिलेख न सौंपनेए शासकीय संपत्ति के दुरुपयोग अथवा नियमों के उल्लंघन पर जुर्माने की दरों को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सख्त किया गया है। प्रस्तावित संशोधनों में भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के नए प्रावधानों को भी समाहित किया गया है। पंचायतों की वित्तीय सुदृढ़ता के लिए करों और शुल्कों की प्रक्रिया का सरलीकरण किया गया है। राज्य स्तर पर गठित मध्यप्रदेश पंचायत राज निधि के माध्यम से करों व उपकर से प्राप्त राशि का पंचायतों को पारदर्शी तरीके से सहायता अनुदान के रूप में वितरण सुनिश्चित किया जाएगाए जिससे ग्रामीण विकास को नई गति मिल सके।



प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत फिश कियोस्क निर्माण स्वरोजगार एवं आय वृद्धि की ओर एक सफल पहल

दमोह (स्वतंत्र मत) । प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत जिला दमोह के विकासखण्ड दमोह के ग्राम बम्हौरी स्टेशन में कला बाई रैकवार एवं ग्राम गुंजी के निवासी माधव खंगार द्वारा आधुनिक एवं सुव्यवस्थित फिश कियोस्क का निर्माण कराया गया। फिश कियोस्क की कुल इकाई लागत 10.00 लाख है। हितग्राही द्वारा ऋण प्राप्त कर इकाई का निर्माण कराया गया। शासन की योजना एवं निर्धारित प्रावधानों के अनुसार हितग्राही को 60 प्रतिशत अनुदान के रूप में कुल 6.00 लाख की सहायता प्रदान की गई।फिशा कियोस्क के निर्माण से पूर्व हितग्राही द्वारा मछली का विक्रय स्थानीय बाजार में खुले रूप से किया जाता था। फिश कियोस्क स्थापित होने के पश्चात अब मछली का विक्रय आधुनिक, स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। फिश कियोस्क के माध्यम से उपभोक्ताओं को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण मछली उपलब्ध हो रही है तथा हितग्राही को नियमित रूप से आय प्राप्त हो रही है। वर्तमान में हितग्राही द्वारा लगभग 1,000 प्रतिदिन की आय अर्जित की जा रही है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के माध्यम से स्थापित यह फिश कियोस्क हितग्राही के लिए स्वरोजगार एवं आय का स्थायी साधन बनने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर स्वच्छ एवं सुरक्षित मत्स्य विक्रय को भी बढ़ावा दे रहा है।

वन्यजीव संरक्षण से प्रदेश में वन पर्यटन को मिलेगी नई दिशा और गति: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने प्रदेशवासियों को दी वन्यजीव सप्ताह.2026 की बधाई

भोपाल (स्वतंत्र मत) । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश में चीतों के सफ़्त पुनर्स्थापन के लिए किए जा रहे सामूहिक प्रयासों की सराहना की गई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी से मिली यह सराहना हम सभी को नई ऊर्जा और उत्साह प्रदान करने वाली है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने प्रदेशवासियों और वन संरक्षण से जुड़े सभी मैदानी साथियों को एक अक्टूबर से प्रारंभ हुए वन्यजीव सप्ताह- 2026 की बधाई दी है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने गुरुवार को एक्स पर कहा कि मध्यप्रदेश के लिए यह गौरव का विषय है कि श्रोजेक्ट चीताशु की सफ़्तता ने वन्यजीव संरक्षण के हमारे संकल्प को और भी मजबूत किया है। सच्चे अर्थों में हमारे वनकर्मीयोंए अधिकारियोंए वैज्ञानिकों और स्थानीय समुदायों के समर्पित प्रयासों को इसका श्रेय जाता है।



उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर वन्यजीवों के सुरक्षित आवास और प्रकृति के संतुलन के संरक्षण में अपना योगदान दें। इससे वन्यजीव संरक्षण के साथ ही प्रदेश में वन पर्यटन को भी नई दिशा और गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा वन्यजीव सप्ताह के संदर्भ में 30 सितम्बर को एक संदेश जारी किया गया है। इस संदेश में उन्होंने कहा है कि पिछले एक दशक में भारत ने वन्यजीव

संरक्षण के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रोजेक्ट चीता की सफ़्तता इसका उल्लेखनीय उदाहरण है। इसके साथ हीए ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, गैंडे, घड़ियाल, स्लॉथ बियरए निम्बा रहा है। यह मंच बाघ, शेर, तेंदुआ और जगुआर जैसी प्रमुख बिग कैट प्रजातियों के संरक्षण से जुड़े हमारे अनुभवों को अन्य देशों के साथ साझा करने और उनसे सीखने का अवसर प्रदान करता है। वन्यजीवों के सुरक्षित आवागमन और प्रकृति के संतुलन के लिए उनके आवासों का आपस में जुड़ा होना आवश्यक है। केन्द्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर वन्यजीव कॉरिडोरों की पहचान और उनके संरक्षण पर निरंतर कार्य कर रही है।

संदेश में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस के माध्यम से बिग कैट प्रजातियों के संरक्षण में वैश्विक सहयोग को आगे बढ़ाने में नेतृत्वकारी भूमिका निभा रहा है। यह मंच बाघ, शेर, तेंदुआ और जगुआर जैसी प्रमुख बिग कैट प्रजातियों के संरक्षण से जुड़े हमारे अनुभवों को अन्य देशों के साथ साझा करने और उनसे सीखने का अवसर प्रदान करता है। वन्यजीवों के सुरक्षित आवागमन और प्रकृति के संतुलन के लिए उनके आवासों का आपस में जुड़ा होना आवश्यक है। केन्द्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर वन्यजीव कॉरिडोरों की पहचान और उनके संरक्षण पर निरंतर कार्य कर रही है।

अधीक्षण अभियंता ने ली ऊर्जा विभाग के अधिकारियों की बैठक

दमोह (स्वतंत्र मत) । 1 अक्टूबर को अधीक्षण अभियंता दमोह द्वारा उत्तर संभाग दमोह के अंतर्गत हटा एवं पथरिया उपसंभाग के समस्त सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंताओं की बैठक वृत्त कार्यालय दमोह में आहूत की गई। बैठक में समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि आगामी दुर्गाोत्सव पर्व के दौरान क्षेत्र अंतर्गत दुर्गा पण्डालों में सुरक्षित अस्थायी विद्युत कनेक्शन प्रदान किये जायें। इस हेतु संबंधित समिति पदाधिकारियों से संपर्क करए उन्हें सुरक्षित तरीके से अस्थायी विद्युत कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित करें। जन मानस की सुरक्षा की दृष्टि से दुर्गा उत्सव के दौरान अधिक भिड़भाड़ वाले पण्डालों में किसी प्रकार की करेन्ट की घटना घटित न हो, इस हेतु समिति पदाधिकारियों को सुरक्षित वायरिंग के संबंध में इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्टर से एनओसी प्राप्त करने तथा पण्डाल में क्षतिग्रस्त, कटे-फटे तारों का कतई उपयोग न हो, इस हेतु उनसे विशेष आग्रह करने के लिए निर्देशित किया गया। यह भी अवगत कराया गया कि पण्डाल में सुरक्षित तरीके से अस्थाई विद्युत कनेक्शन लेने की जवाबदारी संबंधित समिति पदाधिकारियों की होगी। इस हेतु अपने स्तर से समिति पदाधिकारियों को लिखित में अवगत कराते तथा टीम के साथ दुर्गा पण्डालों का समय-समय पर निरीक्षण करने के भी निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिये गये।

जिला टास्क फोर्स की त्रैमासिक बैठक 5 को

दमोह (स्वतंत्र मत) । कलेक्टर प्रताप नारायण यादव की अध्यक्षता में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति मिशन वात्सल्य, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, सह किशोरी सशक्तिकरण बाल विवाह एवं बाल हिंसा रोकथाम कार्यक्रम अंतर्गत जिला टास्क फोर्स त्रैमासिक बैठक का आयोजन 5 अक्टूबर को सांय 5 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया जा रहा है जिसमे सभी संबंधितो की उपस्थिति अनिवार्य है।

वृद्धजन संस्कारों व संस्कृति की अमूल्य धरोहर : न्यायाधीश

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वृद्धाश्रम दमोह में विधिक जागरूकता सह स्वास्थ्य परीक्षण शिविर संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत) । मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष सुभाष सोलंकी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह की उपस्थिति में विधिक जागरूकता सह स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन स्थानीय वृद्धा आश्रम दमोह में किया गया। शिविर में सिविल जज वरिष्ठ खण्ड/सचिव उपाकांता कृषाण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया,



सिविल सर्जन डॉ. प्रहलाद पटेल, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुधा राय, डॉ. सुरेन्द्र विक्रम सिंह, डॉ. आरिफ खान सहित मेडिकल स्टॉफ वृद्धाश्रम प्रबंधक वीरेन्द्र असादी सहित वृद्धजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष सुभाष सोलंकी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बताया कि आज का दिवस समाज में वरिष्ठ नागरिकों के योगदान, अधिकारों, सम्मान व गरिमापूर्ण जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाने

बदलते परिवेश में वृद्धजन अकेलेपन उपेक्षा आर्थिक व स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे है ऐसे में उन्हें सम्मान, सुरक्षा, अपनापन एवं भावनात्मक सहयोग देना आवश्यक है। यदि आप वृद्धजन को किसी भी प्रकार की समस्या हो तो हमारे कार्यालय से सम्पर्क स्थापित कर सकते है। हम प्रयास करेंगे कि आपकी समस्याओं का निदान तत्काल हो।

शिविर में उपस्थित वृद्धजनों का प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा तिलक लगाकर पुष्पहारों से स्वागत किया गया आज के शिविर में उपस्थित 26 वृद्धजनों का स्वास्थ्य, नेत्र परीक्षण किया जाकर दवा वितरित की साथ ही 6 वृद्धजन को चश्मे में आदान किये गये। अंत में वृद्धजन को फल वितरित किये गये।

लॉबित शिकायतों की विशेष समीक्षा कर निराकरण के दिए निर्देश

दमोह (स्वतंत्र मत) । जिले में विभिन्न विभागों में 100 दिवस से अधिक समय से लॉबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की विशेष समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से पढ़कर उसके मूल विषय और लॉबित रहने के कारण को समझें तथा जिन प्रकरणों का नियमानुसार निराकरण संभव है, उनका प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दमोह प्रवीण फुलपगारे एवं अपर कलेक्टर आनंद मोहन निपाठी विशेष रूप से मौजूद रहे। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा पात्रता रखने वाले आवेदकों के प्रकरणों में आवश्यक कार्यवाही तत्काल की जायें।

छात्रावासों में कार्यरत अंशकालीन कर्मचारियों को 8 माह से वेतन नहीं

10 दिन में लॉबित वेतन भुगतान और कलेक्टर दर पर मानदेय देने की मांग

दमोह (स्वतंत्र मत) । जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत संचालित छात्रावासों में कार्यरत अंशकालीन कर्मचारियों को पिछले 8 माह से वेतन का भुगतान नहीं होने के कारण गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर मध्यप्रदेश स्थाई कर्मी कल्याण संघ की प्रांताध्यक्ष शारदा सिंह परिहार एवं दमोह जिला अध्यक्ष बबलू ठाकुर ने विभागीय अधिकारियों को पत्र सौंपकर लॉबित वेतन का शीघ्र भुगतान कराने और कलेक्टर दर पर

मानदेय निर्धारित करने की मांग की है। संघ द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि दमोह जिले के अंतर्गत संचालित सौनियर छात्रावासों सहित जनजातीय कार्य विभाग के विभिन्न छात्रावासों में कार्यरत अंशकालीन कर्मचारी, जिनमें रसोइया, चौकीदार एवं स्वीपर शामिल हैं। पिछले 8 माह से वेतन से वंचित हैं। इस संबंध में संघ द्वारा कई बार विभागीय अधिकारियों को ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया जा चुका है लेकिन अब तक कर्मचारियों को लॉबित वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। प्रांताध्यक्ष शारदा सिंह परिहार एवं जिला अध्यक्ष बबलू ठाकुर ने बताया कि अंशकालीन कर्मचारियों को

वर्तमान में मात्र 5 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है जबकि उनसे प्रतिदिन 8 से 10 घंटे तक कार्य लिया जाता है। इतने कम मानदेय में परिवार का भरण.पोषण करना मुश्किल हो गया है। वहीं, पिछले 8 माह से वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों के सामने बच्चों की स्कूल फीस, दवाइयां, राशन, बिजली बिल सहित अन्य मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करना भी चुनौती बन गया है। संघ ने आयुक्त श्यामला हिल्स भोपाल एवं जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक दमोह को दिए गए पत्र में मांग की है कि कर्मचारियों के 8 माह के लॉबित वेतन का भुगतान आगामी 10 दिनों के भीतर कराया जाए।

लीनेस क्लब मैत्री की अधिकारिक यात्रा संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत) । लीनेस क्लब मैत्री, दमोह की आधिकारिक यात्रा का गरिमामय आयोजन उत्साह एवं आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट मंगला सिंह, एरिया ऑफिसर मौली, डिस्ट्रिक्ट सचिव कुमुदिनी वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि डायरेक्टर रोजी बग्गा की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट मंगला सिंह ने क्लब की सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए अपने उद्बोधन में सेवा कार्यों की निरंतर गति देने, टीम भावना के साथ कार्य करने तथा समाज के जरूरतमंद वर्ग तक सेवा का लाभ पहुंचाने के लिए



प्रेरित किया। एरिया ऑफिसर मौली जैन जी ने अपने संबोधन में क्लब की गतिविधियों एवं कार्यप्रणाली पर अपने महत्वपूर्ण विचार साझा करते हुए सदस्यों को सक्रिय सहभागिता के साथ सेवा

कार्यों को और प्रभावी बनाने के लिए प्रेरित किया। डिस्ट्रिक्ट सचिव कुमुदिनी वर्मा ने क्लब की गतिविधियों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठनात्मक अनुशासन, समर्पण एवं एकजुटता के महत्व

पर प्रकाश डाला।

वहीं डायरेक्टर रोजी गग्गा ने भी अपने प्रेरणादायी विचारों के माध्यम से सदस्यों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष रजनी खरे ने अपने

अध्यक्षीय उद्बोधन में क्लब की वर्ष भर की गतिविधियों एवं सेवा कार्यों का उल्लेख करते हुए सभी सदस्यों और पदाधिकारियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

इस दौरान क्लब की वर्ष भर की आय-व्यय का विस्तृत विवरण कोषाध्यक्ष माया यादव द्वारा प्रस्तुत किया गया। संचालन ज्योति सचदेव द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में क्लब की सचिव ज्योति चिले ने सभी सम्माननीय अतिथियों, पदाधिकारियों, प्रोजेक्ट डायरेक्टर्स, सदस्यों एवं उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

आईपीएस अधिकारी आदित्य सिंघारिया का हुआ स्थानांतरण

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा अनुविभाग में करीब 11 माह तक एसडीओपी के पद पर आसीन रहने वाले आईपीएस अधिकारी आदित्य सिंघारिया का पदोन्नति के बाद खंडवा स्थानांतरण हो गया है। अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई, नशे के खिलाफ अभियान और अपराध नियंत्रण को लेकर आदित्य सिंघारिया ने पुलिस टीम के साथ लगातार काम किया। स्थानांतरण के बाद सिहोरा थाना प्रभारी प्रतीक्षा मार्को, मझगावां थाना प्रभारी शंकर सिंह, विनोद बागरी वरिष्ठ आरक्षक नीरज चौरसिया आदि ने शुभकामनाएं दीं।

अभिनेता भगवान दास पटेल का हुआ अभिनंदन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। होटल अरिहंत पैलेस में आयोजित एक विशेष सम्मान समारोह में जबलपुर एस राउंड टेबल 365 एवं युवा पंजाबी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में जबलपुर का नाम मुंबई फिल्म उद्योग में रोशन करने वाले प्रख्यात अभिनेता एवं रंगकर्मी भगवान दास पटेल का भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। हाल ही में प्रदर्शित फिल्म हनुमान अंश में उनके द्वारा निभाए गए चरित्र गोपाल दास बहेलिया के शानदार अभिनय की चोतरफा सराहना की जा रही है। समारोह में साहित् खनीजो अध्यक्ष, विशेष जग्गी उपाध्यक्ष, प्रणब माधवानी सचिव आदि उपस्थित रहे।



स्वतंत्र मत जबलपुर



तेज रफ्तार कार ने मचाया कोहराम, वैन से घर जा रहे स्कूली छात्रों को किया लहलुहान

संजीवनी नगर थाना क्षेत्र में भीषण हादसा, 8 छात्र बुरी तरह घायल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

संजीवनी नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार को स्कूली बच्चों से भरी एक वैन को तेज रफ्तार कार ने पीछे से टक्कर मार दी। इस घटना में 8 छात्र बुरी तरह घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने वैन से बच्चों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। बाद में 108 एंबुलेंस की मदद से घायल बच्चों को मेडिकल अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं इस घटना का एक सीसीटीवी भी सामने आया है। जिसमें कार चालक वैन को पीछे से टक्कर मारता हुआ नजर आ रहा है। जानकारी के मुताबिक जानकारी के मुताबिक गुरुवार को दोपहर के समय स्कूल वैन संजीवनी नगर क्षेत्र से बच्चों को घर छोड़ने के लिए निकली थी। वैन गढ़ा रोड से धनवंतरी नगर रोड की ओर जा रही थी, तभी पीछे से आ रही एक कार के चालक ने वैन को जोरदार टक्कर मार दी। वहीं इस हादसे के बाद कार चालक भी



डिवाइडर में जाकर टकरा गया।

सुरक्षा को लेकर उठे सवाल

इस घटना की सूचना मिलते ही संजीवनी नगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर

दोनों वाहनों की जानकारी जुटाई। प्रारंभिक जानकारी में कार तेज रफ्तार की बात सामने आई है। इधर बच्चों के घायल होने के बाद स्कूल वैन की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल घायल बच्चों की चोट

कितनी गंभीर है, इसकी विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट सामने नहीं आई है। पुलिस हादसे की परिस्थितियों और दोनों वाहनों से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच कर रही है।

मंत्री सिंह ने जाना घायल बच्चों का हाल

दुर्घटना की सूचना मिलते ही लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कलेक्टर राघवेंद्र सिंह से पूरी जानकारी ली। उन्होंने मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों से भी चर्चा कर बच्चों के स्वास्थ्य और उन्हें दिये जा रहे उपचार के बारे में पूछताछ की। मंत्री श्री सिंह ने बच्चों के उपचार पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा अधिकारियों को दिए हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर एवं पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। जिन्होंने बच्चों के बेहतर उपचार के निर्देश दिए।

माइक्रोबायोलॉजी के आधुनिक आयामों पर जुटेंगे देशभर के विशेषज्ञ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संक्रामक रोगों की सटीक पहचान, एंटीमाइक्रोबियल रेंजस्ट्रेस और आधुनिक चिकित्सा तकनीकों पर मंथन के लिए जबलपुर में 2 से 4 अक्टूबर तक एमपी माइक्रो कोन 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन कॉलेज के डीन एवं सौईओ तथा सम्मेलन के संरक्षक प्रो. डॉ. नवनीत सक्सेना के मार्गदर्शन में सम्मेलन आयोजित होगा। सम्मेलन की आयोजन अचक्ष प्रो. (डॉ.) रीति जैन सेठ ने प्रेस वार्ता में बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य लैब से क्लिनिक



तक सटीक निदान की राह को मजबूत करना है। आयोजन में अध्यक्ष प्रो. डॉ. दीप्ति चौरसिया और सचिव प्रो. डॉ. अविनाश लघावे सम्मेलन के अकादमिक आयोजन में मार्गदर्शन दे रहे हैं। सम्मेलन में माॉलिक्यूलर बायोलॉजी, जीनोम सीव्नेसिंग, एंटीमाइक्रोबियल

रेंजस्ट्रेस, प्रिसीजन बायरोलॉजी, मेडिकल माइक्रोलॉजी, संक्रमण नियंत्रण और उभरते संक्रमणों सहित विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान एवं वैज्ञानिक सत्र होंगे। सम्मेलन में चिकित्सकों, माइक्रोबायोलॉजिस्ट, शोधकर्ताओं और स्मृतकोचर विद्यार्थियों की सहभागिता रहेगी।

देश भर से लगभग 200 प्रतिभागी भाग लेंगे एवं 25 से अधिक विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। साथ ही प्रतिभागियों द्वारा लगभग 80 शोध पत्र प्रस्तुत किये जायेंगे जो कि मरीजों की जांच में उपयोगी आधुनिक तकनीकों एवं सटीक निदान पर आधारित होंगे। प्रेस वार्ता में आयोजन समिति सचिव डॉ. ममता गौर, संयुक्त सचिव डॉ. कुमकुम मदीरिया, कोषाध्यक्ष डॉ. श्रुति असादी तथा वैज्ञानिक समिति की सदस्य डॉ. सीमा बिसाने उपस्थित रहे।

आज निकाली जाएगी वोट बवाओ, देश बवाओ पैदल मार्च यात्रा

जबलपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को मझौली में जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण), कांग्रेस सेवा दल एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों के संयुक्त तत्वावधान में वोट बचाओ, देश बचाओ विशाल पैदल मार्च एवं गांधी विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे गांधी स्मारक, मझौली में महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित कर किया जाएगा। इसके पश्चात गांधी स्मारक से गांधी यात्रा एवं नगर भ्रमण निकाला जाएगा, जो नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः गांधी स्मारक पहुंचेगा।

स्वच्छता को हमारी जिम्मेदारी बनाना सभी का कर्तव्य

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हम सभी को कचरा उस कॉन्फ्रेंस में भी जबलपुर के कचरा निपटान के कल्चर की मानसिकता से ऊपर उठना होगा और स्वच्छता को हमारी जिम्मेदारी में शामिल करना चाहिए। यह एक ऐसा काम है जो हम दूसरों पर नहीं छोड़ सकते बल्कि हमें स्वयं को इसमें लगाना होगा। इस आशय के विचार नगर निगम के महापौर जगत बहादुर सिंह अनू ने पीआईबी भोपाल द्वारा आयोजित विकसित भारत 2047 एवं डेस अवशिष्ट प्रबंधन पर केंद्रित एक दिवसीय मीडिया वार्तालाप कार्यक्रम में व्यक्त किये। श्री सिंह ने कहा कि इस समय देश में जबलपुर कचरे के निपटान में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहां पर न सिर्फ बड़ी मात्रा में कचरा का निपटान हो रहा है बल्कि जबलपुर दूसरे शहरों को भी एक नई राह दिखा रहा है। उन्होंने दुबई कॉन्फ्रेंस का जिक्र करते हुए कहा कि दुबई की



कड़ी में जबलपुर में यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है श्री गौतम ने पीआईबी भोपाल की कार्यप्रणाली से अवगत कराते हुए मीडिया प्रतिनिधियों को विस्तार से जानकारी दी। उप परियोजना निदेशक सीमा सराफ ने कृषि विभाग से संबंधित अनेक योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन केंद्रीय संचार ब्यूरो के प्रभारी संदीप चौकसे ने किया और आभार प्रदर्शन सहायक निदेशक पीआईबी उपाध्याय ने किया।

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी कल्याण संघ की मासिक बैठक आयोजित



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी कल्याण संघ की मासिक बैठक संघ के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त एडिशनल एसपी राजेश तिवारी की उपस्थिति में ओमती स्थित इंडियन कॉफी हाउस में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक के दौरान संघ में नए शामिल हुए सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों-सर्वश्री तीरथ प्रसाद गौतम, राजेंद्र नायडू, राकेश तिवारी, संतोष कुमार वेन एवं ओमप्रकाश शर्मा का गर्मजोशी से स्वागत कर उन्हें सम्मानित किया गया। संघ के मीडिया प्रभारी

व सेवानिवृत्त उप पुलिस अधीक्षक सुनील नेमा बताया कि इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक कमला नेहरु नगर शाखा के मुख्य प्रबंधक दिनेश शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों को बैंक की कॉम्प्रिहेंसिव पेंशन पैकेज योजना की विस्तृत जानकारी दी और इसके तहत मिलने वाली विभिन्न वित्तीय सुविधाओं व लाभों से अवगत कराया। कार्यक्रम में वरिष्ठ सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी रविन्द्र गौतम, बी. एस शुक्ला, अवधेश तिवारी, आर एस कालरा, डीएल तिवारी, अशोक तिवारी, आर के सोनी एवं प्रदीप जैन सहित कई सदस्य प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

एमए कथक में सारंग शिवहरे ने किया विश्वविद्यालय में टॉप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर के एमए कथक नृत्य सत्र 2025-26 के परीक्षा परिणाम में जबलपुर के सारंग शिवहरे ने विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल अर्जित किया है। वे सुरप्रभा संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थी हैं। सारंग शिवहरे ने यह उल्लेखनीय उपलब्धि कथक गुरु मोती

शिवहरे, नवरंग कथक कला केंद्र के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में प्राप्त की। उनकी इस सफलता से जबलपुर के कथक जगत में विशेष हर्ष का वातावरण है। इसे जबलपुर शहर से कथक नृत्य में प्राप्त होने वाला पहला गोल्ड मेडल बताया गया है। सारंग को इस उपलब्धि पर अशोक मनोधाया, डॉ.अमित दुबे, प्रतुल श्रीवास्तव, विजय जायसवाल, राजेश पाठक प्रवीण, हिमांशु तिवारी सहित साहित्य, कलासे जुड़े अनेक लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

द्वीएफजे में आयोजित हुआ एवीएनएल स्थापना दिवस समारोह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड की इकाई वाहन निर्माणों में गुरुवार को एवीएनएल स्थापना दिवस समारोह 2026 का आयोजन किया गया। समारोह में निर्माणों के अस्थाई प्रभारी अधिकारी केआर मीणा ने एवीएनएल ध्वज फहराकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर एवीएनएल गीत बजाया गया तथा स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इससे पहले 30 सितंबर को एवीएनएल स्थापना दिवस रैली का आयोजन भी निर्माणों में किया गया, जिसके अंतर्गत



श्री के आर मीणा, अस्थाई प्रभारी अधिकारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि 1 अक्टूबर 2021 को आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड का गठन हुआ है तथा यह एक मिनी रब कंपनी है। एवीएनएल स्थापना दिवस समारोह में अपने उद्बोधन में निर्माणों के अस्थाई प्रभारी अधिकारी के आर मीणा ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एवीएनएल स्थापना दिवस की बधाई दी।

शिक्षक पर सिर में डस्टर फेंककर मारने का आरोप, घायल हुई छात्रा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सीएम राइज स्कूल में एक शिक्षक द्वारा छात्रा को डस्टर फेंककर पीटने का मामला सामने आया है। इस घटना में छात्रा के सिर पर चोटें आई हैं। परिजन का आरोप है कि घटना के बाद छात्रा के सिर से खून साफ कर उसे किसी को कुछ नहीं बताने के लिए धमकाया गया। जानकारी के मुताबिक, कक्षा सातवीं में पढ़ने वाली छात्रा रोज की तरह बुधवार को पीएम श्री रानी दुर्गावती कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, गंगातगर गढ़ा गई थी। क्लास रूम में वह अपनी बगल में बैठी सहेली से पढ़ाई से संबंधित बात कर रही थी। इसी दौरान शिक्षक आशीष जैन की नजर उस पर पड़ी। आरोप है कि उन्होंने बिना ढांटे या चेतावनी दिए डस्टर फेंककर छात्रा को मारा, जो उसके सिर पर लगा और खून निकलने लगा। परिजन का आरोप है कि घटना के बाद छात्रा का इलाज कराने के बजाय मामले को दबाने की कोशिश की गई।



काव्य पाठ बुक टॉक और टॉक शो प्रतियोगिता में हितकारिणी के विद्यार्थियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

हितकारिणी महोत्सव के अंतर्गत प्रतियोगिताएं हुई संपन्न



जबलपुर (स्वतंत्र मत) हितकारिणी महोत्सव के अंतर्गत हितकारिणी सभा विद्या परिषद द्वारा हितकारिणी विधि महाविद्यालय में गुरुवार को काव्य पाठ एवं बुक टॉक तथा टॉक शो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में विद्यालय एवं महाविद्यालय की छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। काव्य पाठ प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि डॉ केके हुंक्का एवं

सभी को मनमोहित किया। काव्य पाठ में प्रतियोगिता में निर्णय की भूमिका डॉ. सुरेंद्र साहू डॉ. संजीव वर्मा एवं डॉ. मुकुल तिवारी के द्वारा की गई। विद्यालय स्तर पर हितकारिणी बीटी तिराहा प्रथम, हितकारिणी गोविंदगंज द्वितीय और हितकारिणी गोरखपुर में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार महाविद्यालय स्तर पर हितकारिणी आर्ट एवं कॉमर्स कॉलेज देवताल ने प्रथम हितकारिणी, बीएड कॉलेज

ने द्वितीय तथा हितकारिणी इंजीनियरिंग कॉलेज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के दूसरे भाग में बुक टॉक एवं टॉक शो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि एवं अशोक गुप्ता, दीपक राठौड़ एवं जय सिंह राठौड़ उपस्थित रहे। बुक टॉक एवं टॉक शो प्रतियोगिता विद्यालय स्तर पर संपन्न की गई जिसमें छात्र-छात्राओं द्वारा सुंदर

टॉक शो प्रतियोगिता के इस प्रकार रहे परिणाम

टॉक शो प्रतियोगिता में कस्तूरचंद हितकारिणी प्रथम, हितकारिणी गोविंदगंज द्वितीय तथा हितकारिणी बीएमटी तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार बुक तक प्रतियोगिता में हितकारिणी गोविंदगंज प्रथम हितकारिणी जॉन्सगंज द्वितीय तथा हितकारिणी डीएमटी तृतीय स्थान पर रहे। निर्णय की भूमिका डॉ कविता शुक्ला एवं डॉ सुनीता बजाज द्वारा की गई। कार्यक्रम में दिनेश सिंह, शेखर खम्मरिया, राजीव श्रीवास्तव, प्राचार्य प्रियंका पाठक, नरेश तिवारी, कुंज बिहारी, आदिल खान, आफरिना खान, रीता श्रीवास्तव एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन रीता ठाकुर द्वारा किया गया।

लाभार्थियों को मिले ब्रान्डेड कंपनियों की जेनरिक दवाएं

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) की मासिक सलाहकार समिति की बैठक में लाभार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने, दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, चिकित्सा सेवाओं में सुधार तथा डिस्पेंसरी की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने जैसे विषयों पर चर्चा की गई। डिस्पेंसरी 4 के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.पी. रावत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विभिन्न संगठनों के सलाहकार



प्रतिनिधि मुग्धेंद्र नारायण सिंह, गुरमुख दास तलरेजा, अनिल शुक्ला, श्रीप्रसाद उपाध्याय, विजन जबलपुर के वरिष्ठ पदाधिकारी एस के बनर्जी, चन्दर सिंह राजपूत ने डिस्पले बोर्ड के सुचारु संचालन की बात कही।

RUBY - NATIONAL AWARD WINNER MULTIPLEX	
THE VYANA - FORCE OF THE FOREST (HINDI)	10:30 AM, 12:30 PM, 1:30 PM, 4:30 PM, 7:30 PM, & 10:20 PM
THE PARADISE (HINDI) (A-18+)	9:30 AM & 10:40 PM TURY 6:30 PM
AVENGERS ENDGAMES: ENCORE	HINDI (3D) • 9:00 AM & 3:30 PM
HEART OF THE BEAST (ENG)	TURY 7:30 PM
MIRZAPUR (HINDI) (A-18+)	TURY 11:30 AM, 3:00 PM & 9:45 PM 7:00 PM
HANUMAN ANSH (HINDI)	12:50 PM, 3:50 PM, 6:50 PM & 9:50 PM
	TURY 2:00 PM & 4:45 PM
MOVIE MAGIC Book tickets & F&B on Movie Magic App at 5 BIG SCREENS movie magic ZERO PLATFORM FEE Bulk Booking / Advertising Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508	